रांची, रविवार
01-11-2026
वर्ष : 01, अंक : 168
पृष्ट : 12
मूल्य 04 रू, मात्र
रांची से प्रकाशित

रफ़्तार मीडिया

RANCHI , चैत्र कृष्ण पक्ष-12 ₹04 RNI NO. - JHHIN/26/A3481 www.raftaarmedia.com

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भारतीय न्याय व्यवस्था को वर्तमान समय की आवश्यकता के अनुरूप नई दिशा प्रदान की

मोदी ने राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई

सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी; 182 मीटर की स्टैच्यू ऑफ यूनिटी दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति

□ एजेंसी अहमाबाद

पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई।

इससे पहले वे सुबह स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। यहां उन्होंने 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास योजनाओं का उद्घाटन किया। इसके बाद उन्होंने रेन फॉरेस्ट और वामन वृक्ष वाटिका का दौरा किया।

पीएम ने रैन फॉरेस्ट में वामन वृक्ष देखा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एकतानगर के रैन फॉरेस्ट में वामन वृक्ष वाटिका का दौरा किया।

पीएम ने डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को देखा

पीएम ने एकता नगर में होने वाले विकास कार्यों के प्रोजक्ट के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों से इस पर चर्चा भी की।

एकता नगर में 400 करोड़ से होगा विकास

प्रधानमंत्री मोदी ने एकता नगर में 400 करोड़ रुपए ज्यादा की विकास योजनाओं की शुरूआत की। इनमें सीवेज और जल शोधन संयंत्र, प्रकाश व्यवस्था, नर्मदा घाट के विकास, होटल और रेनफॉरेस्ट, यूनिटी और इको ट्रेल शामिल हैं।

मेट्रो के दो फेज की ाधारशिला रखेंगे

इस दौरे के दौरान, मोदी अहमदाबाद मेट्रो के फेज 2एऔर फेज 2बीकी आधारशिला रखेंगे।

फेज 2ए की लंबाई 6 किलोमीटर से अधिक होगी, जिसमें कोटेश्वर रोड से एयरपोर्ट तक पांच स्टेशन शामिल होंगे। वहीं, फेज 2ए की लंबाई 3.3 किलोमीटर से अधिक होगी, जिसमें गिफ्ट सिटी से शाहपुर तक तीन स्टेशन शामिल होंगे।

अहमदाबाद-मेहसाणा रोड आठ लेन में अपग्रेड होगी

मोदी लगभग 2,600 करोड़ रुपए की लागत से अहमदाबाद-मेहसाणा रोड (स्टेट हाईवे-41) को चार लेन से आठ लेन तक अपग्रेड और मजबूत करने की आधारशिला रखेंगे। इस परियोजना से अहमदाबाद और उत्तरी गुजरात के बीच यात्रा तेज, सुरक्षित और अधिक आरामदायक हो जाएगी।

4,030 चाइल्ड फेंडली आंगनवाड़ी केंद्रों की आधारशिला रखेंगे

क्रूमोदी गुजरात में 4,030 नए चाइल्ड फ्रेंडली आंगनवाड़ी केंद्रों की आधारशिला रखेंगे और 361 पूरे हो चुके आंगनवाड़ी केंद्रों का उद्घाटन करेंगे। 800 करोड़ रुपए के निवेश वाली इस पहल से 4 लाख से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा।

4,950 करोड़ के प्रोजेक्ट राष्ट्र को समर्पित करेंगे

वे एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के तहत पूरी की गई 521 परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 4,950 करोड़ रुपए है।

इन परियोजनाओं में कोल्ड स्टोरेज सुविधाएं और कोल्ड चेन, गोदाम, साइलो, पॉलीहाउस और ग्रीनहाउस, एकीकृत प्राथमिक और द्वितीयक प्रसंस्करण सुविधाएं, तथा प्राथमिक प्रसंस्करण केंद्र शामिल हैं।

इसरो के नेविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-03 का सफल लॉन्च

सेना को बॉर्डर से 1500 किमी दूर लोकेशन की जानकारी देगा; कारगिल युद्ध में जरूरत महसूस हुई थी

□ एजेंसी नई दिल्ली

इसरो ने अपना नेविगेशन सैटेलाइट एनवीएस-03 लॉन्च किया है। इसे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा से जीएसएलवी-एफ18 रॉकेट के जरिए शुक्रवार रात 11 बजकर 51 मिनट पर लॉन्च किया गया।

उड़ान के करीब 18 मिनट बाद रॉकेट के तीनों चरण सफल रहे। इसके बाद 2,232 किलोग्राम वजनी यह सैटेलाइट रॉकेट से अलग होकर अपने तय ऑर्बिट में पहुंच गया।

यह पूरे भारत और सीमा से 1,500 किलोमीटर दूर तक सटीक लोकेशन और नेविगेशन की सुविधा देगा। इसे बनाने की जरूरत 1999 के कारगिल युद्ध के बाद महसूस हुई थी। उस समय भारत ने अमेरिकी ब्रक्क से सैन्य क्षेत्र की लोकेशन संबंधी जानकारी मांगी थी, लेकिन अमेरिका ने मना कर दिया था। इसके बाद भारत ने अपना जीपीएस तैयार कर लिया।

सैटेलाइट लॉन्च नेवलिक मिशन का हिस्सा

ये सैटेलाइट नेवलिक मिशन के तहत लॉन्च हुई है। नेवलिक का पूरा नाम नेविगेशन विद इंडियन कॉन्स्टेलेशन है। यह भारत का अपना क्षेत्रीय सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम है, जिसे एसरो ने विकसित किया है।

1. सवालः एनवीएस-03 सैटेलाइट क्या है?

जवाबः एनवीएस-03 भारत की दूसरी पीढ़ी के नेवलिक सैटेलाइट्स की श्रृंखला का तीसरा सैटेलाइट है। इसे नेवलिक की सेवाओं को मजबूत करने और नई तकनीकी सुविधाएं जोड़ने के लिए विकसित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार.....

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के खिलाफ 24 विधायक लामबंद

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस में मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष के संकेत मिले हैं। पार्टी के 24 विधायक मुख्यमंत्री के खिलाफ एकजुट हो गए हैं। 18 विधायकों ने शुक्रवार को श्रीनगर में लोलाब विधायक कैसर जमशेद लोन के घर बैठक की, जबकि 6 विधायक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए।

विधायकों ने मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर सोगामी और 27 अक्टूबर को कैबिनेट विस्तार में बने 4 नए मंत्रियों को हटाने की मांग की। इसके साथ वे मंत्रिमंडल में बड़े बदलाव की मांग कर रहे हैं। सोगामी पर पार्टी नेतृत्व को गुमराह करने और संगठन के कामकाज में हस्तक्षेप करने का आरोप है। बैठक में विधायकों ने 4 सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल बनाने का फैसला किया। इसकी अगुआई पार्टी के सीनियर लीडर और गुरेज विधायक नजीर अहमद गुरेजी तथा थानामंडी विधायक मुजफ्फर इकबाल खान करेंगे।

आंध्र में 10वीं की छात्राओं पर आरी से हमला

अनंतपुर (आंध्र प्रदेश)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में शनिवार को स्कूल की क्लास के अंदर 10वीं की छात्रा पर पावर चेनसॉ (बिजली से चलने वाली आरी) से हमला किया गया। यह वारदात सुबह 10 बजे की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, हमले में छात्रा का दायां हाथ कट गया और चेहरे, गर्दन और कान पर गंभीर चोटें आईं। उसे बचाने पहुंची दूसरी छात्रा भी घायल हो गई। एक छात्रा की हालत सीरियस है। हमले की वजह अभी सामने नहीं आई है। पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया है। आरोपी पीड़ित का रिश्तेदार है। गार्ड्स ने मजदूर समझकर स्कूल में एंट्री दी थी।

आरोपी छात्रा का दूर का रिश्तेदार स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, क्लास में पढ़ाई चल रही थी। तभी आरोपी हेमंत उर्फ डुम्मू वहां पहुंचा और छात्रा पर हमला कर दिया। बताया जा रहा है कि आरोपी धर्मावरम मंडल के नागलुर गांव का रहने वाला है। घायल छात्राओं में से एक का दूर का रिश्तेदार है। वारदात के बाद वह स्कूल से फरार हो गया था।

जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर ने निधि राजदान से शादी की

फोटो पोस्ट कर लिखा- कल एक नई शुरुआत हुई; 3 महीने पहले पायल से तलाक लिया था

□ एजेंसी नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने पूर्व पत्रकार निधि राजदान से शादी कर ली है। उमर ने शनिवार को दोनों की 2 तस्वीरें पोस्ट करते हुए लिखा- 'कल एक नई शुरुआत हुई, निधि।' पोस्ट के साथ उन्होंने रिंग इमोजी भी लगाया। इसके बाद सोशल मीडिया यूजर्स दोनों की शादी और सगाई को लेकर कयास लगा रहे हैं।

निधि ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में रिंग इमोजी के साथ लिखा, इट्स डन ब्रो। उमर का पहली पत्नी पायल के साथ इस साल 31 जुलाई को तलाक हुआ था।

उमर और निधि के पोस्ट

पायल से 32 साल पहले हुई थी शादी, सुप्रीम कोर्ट में सहमति से डिवोर्स सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई को उमर अब्दुल्ला और उनकी पत्नी पायल के तलाक की मंजूरी दी थी। दोनों की शादी 32 साल पहले हुई थी। दोनों 2011 से अलग रह रहे थे।

दोनों ने कोर्ट को बताया कि आपसी सहमति से अपनी शादी खत्म करने और सभी विवादों को सुलझाने का फैसला किया है।

उमर ने सुप्रीम कोर्ट में दिल्ली हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी शादी को खत्म करने से इनकार कर दिया था।

दिल्ली की जूता फैक्ट्री में आग, 4 की मौत

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली के मंगोलपुरी इंडस्ट्रियल एरिया फेज-1 में जूते की फैक्ट्री में शुक्रवार रात करीब 9:30 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि 2 लोगों की हालत गंभीर है। रेस्क्यू टीम ने 6 लोगों को बेहोशी की हालत में बाहर निकाला था। उन्हें संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल ले जाया गया, वहीं, 5 अन्य लोगों को बिल्डिंग के चौथे फ्लोर से रेस्क्यू किया गया। आग लगने की वजह का अब तक पता नहीं चला है। आग बेसमेंट से शुरू हुई थी। दिल्ली में इस साल आग से 101 मौतें, जून में सबसे ज्यादा। दिल्ली अग्निशमन सेवा के सहायक मंडल अधिकारी पारस कुमार ने कहा, 'यह फैक्ट्री जूते-चप्पल बनाती और स्टोर करती है।

विपक्ष की संसद में खड़गे बोले-ज्ञानेश को हटाएं, एसआईआर रोकें

□ एजेंसी नई दिल्ली

दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मॉक पार्लियामेंट चल रही है। पूर्व स्पीकर मीरा कुमार इस मॉक संसद की अध्यक्षता कर रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जनमहाभियोग लाए। उन्होंने कहा- हमारी मांग है सीईसी को तत्काल पद से हटाकर 2023 का कानून रद्द हो। स्ट्रक को रोका जाए। संसद की अनुमति के बिना फॉर्म-6 बदला गया। जान-बूझकर वोटर हटाए गए।

इस कार्यक्रम में कांग्रेस सहित 19 दल के नेता शामिल हैं। पब्लिक महाभियोग में जनता या राजनीतिक दल किसी संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति के खिलाफ विरोध जताते हैं।

मौसम उत्तराखंड में बर्फबारी, ओडिशा में लैंडस्लाइड, 3 मौतें; 2 दिन बाद आंध्र पहुंचेगा नया चक्रवात

अर्नब तूफान के चलते राजस्थान में ओले गिरे

□ एजेंसी नई दिल्ली

मौसम विभाग का कहना है कि देश में अभी भी अर्नब तूफान का असर बना हुआ है। उत्तराखंड के केदारनाथ और बद्रीनाथ में बर्फबारी हो रही है।

ओडिशा में चक्रवात से हुई भारी बारिश के बाद शुक्रवार को बाढ़ और भूस्खलन से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में नौ महीने का बच्चा भी शामिल है। वहीं, राजस्थान में बारिश हुई और ओले गिरे। इसके चलते कई जिलों में तापमान 5 डिग्री तक गिर गया। अंडमान सागर के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र एक %डिप्रेशन% में बदल सकता है, जिसके कारण 2-3 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश में एक नया चक्रवात टकरा सकता है, इससे भारी बारिश हो सकती है।

सैटेलाइट मैप में देखें अंडमान सागर में बन रहे

चक्रवात की मौजूदा स्थिति 1 नवंबर अरुणाचल प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, रायलसीमा, केरलम और आंध्र प्रदेश में बारिश का यलो अलर्ट है। 2 नवंबर आंध्र प्रदेश में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। तेज हवाएं भी चलेंगी। ओडिशा, छत्तीसगड़, तमिलनाडु, पुडुचेरी, रायलसीमा, केरलम और कर्नाटक में यलो अलर्ट है। श्रीकाकुलम में अर्नब के कारण आई अचानक बाढ़ के बाद, ड्रोन से ली गई तस्वीर में नेशनल हाईवे 16 पर पानी भर गया। बाघालाटी बांध से छोड़े गए पानी के कारण बाढ़ आई है। श्रीकाकुलम में अर्नब के कारण आई अचानक बाढ़ के बाद, ड्रोन से ली गई तस्वीर में नेशनल हाईवे 16 पर पानी भर गया। बाघालाटी बांध से छोड़े गए पानी के कारण बाढ़ आई है। ओडिशा के गंजाम में चक्रवात अर्नब के कारण हुई भारी बारिश के बाद, एक पुल के पास उफान पर बहती नदी।

दिल्ली-एनसीआर में निर्माण पर रोक

केंद्रीय वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली-एनसीआरमें 5 से 20 नवंबर तक निर्माण और तोड़फोड़ के कामों पर रोक लगा दी है।

विपरीत परिस्थितियों से लड़कर प्रकृति मिश्रा बनीं राजनीति विज्ञान की विश्वविद्यालय टॉपर

राज्यपाल ने स्वर्ण पदक देकर किया सम्मानित, पिता के सपनों को साकार करने की दिशा में बढ़ाया कदम

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के 11वें दीक्षांत समारोह में संत कोलंबस कॉलेज की मेधावी छात्रा प्रकृति मिश्रा ने अपनी प्रतिभा और मेहनत का परचम लहराया। स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान में विश्वविद्यालय टॉपर बनने पर उन्हें राज्यपाल सह कुलाधिपति संतोष कुमार गंगवार ने स्वर्ण पदक प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यपाल के हाथों सम्मान प्राप्त कर प्रकृति ने न केवल अपने परिवार, बल्कि खपरियावां सहित पूरे हजारीबाग जिले का गौरव बढ़ाया है।

पिता के निधन के बाद भी नहीं डिगा हौसला

प्रकृति मिश्रा की यह उपलब्धि इसलिए भी प्रेरणादायक है, क्योंकि उन्होंने जीवन की कठिन परिस्थितियों और पारिवारिक संकटों से जूझते हुए सफलता हासिल की है। खपरियावां निवासी तथा सर्वोदय सिद्धार्थ ज्ञान मंदिर पब्लिक स्कूल के पूर्व प्रधानाध्यापक स्वर्गीय अभय कुमार मिश्र की पुत्री प्रकृति के सिर से बचपन में ही पिता का साया उठ गया था। पिता के असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। गहरे मानसिक आघात और आर्थिक चुनौतियों के बावजूद प्रकृति ने अपना हौसला नहीं खोया और पूरी लगन के साथ पढ़ाई जारी रखी।

सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई कर हासिल किया मुकाम

प्रकृति की प्रारंभिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शिक्षा सरकारी विद्यालयों में हुई। उन्होंने मैट्रिक की पढ़ाई उत्क्रमित उच्च विद्यालय, खपरियावां से पूरी की, जबकि इंटरमीडिएट की परीक्षा जिला स्कूल से उत्तीर्ण की। सीमित संसाधनों और विपरीत पारिवारिक परिस्थितियों के बीच उन्होंने अपनी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ इच्छाशक्ति के बल पर यह मुकाम हासिल किया।

विश्वविद्यालय में दे रहीं सेवा, प्रोफेसर बनने का सपना

अपनी शैक्षणिक प्रतिभा के दम पर प्रकृति वर्तमान में विनोबा भावे विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग में फैकल्टी असिस्टेंट टीचर के रूप में सेवाएं दे रही हैं। उनका सपना भविष्य में प्रोफेसर बनकर शिक्षा और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देना है। प्रकृति के अनुसार, उनके दिवंगत पिता की इच्छा थी कि वह शिक्षा के क्षेत्र में ऊंचा मुकाम हासिल करें। अब वह अपनी इस उपलब्धि के माध्यम से पिता के सपनों को साकार करने की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं।

प्रकृति की सफलता से क्षेत्र में खुशी की लहर

प्रकृति मिश्रा को दीक्षांत समारोह में राज्यपाल के हाथों स्वर्ण पदक मिलने की खबर से खपरियावां समेत पूरे हजारीबाग क्षेत्र में खुशी का माहौल है। उनकी इस उपलब्धि पर परिजनों, शिक्षाविदों, समाजसेवियों और स्थानीय लोगों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रकृति की सफलता उन विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को पूरा करने का संकल्प रखते हैं।

बोकारो के खिलाड़ियों, मैनेजर और कोच ने राष्ट्रीय बास्केटबॉल में बढ़ाया झारखंड का मान, बालिका टीम बनी पहली बार पूल चैंपियन

41वीं यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में बोकारो की भागीदारी, झारखंड की बालिका टीम ने रचा इतिहास

बोकारो से पुणे तक चमका झारखंड का बास्केटबॉल।

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : महाराष्ट्र के पुणे में 27 अक्टूबर से 3 नवंबर तक आयोजित 41वीं यूथ नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप में झारखंड की टीम शानदार प्रदर्शन कर रही है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन की ओर से बोकारो के खिलाड़ी साहिल और कृष्णा, टीम मैनेजर ईशा तथा कोच किंकर कृष्णा झारखंड टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।इस प्रतियोगिता में झारखंड की बालिका टीम ने ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। टीम ने लगातार तीन मुकाबलों में जीत दर्ज कर पहली बार अपने पूल में चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। झारखंड ने ओडिशा को 64-34, असम को 73-13 और पश्चिम बंगाल को 58-44 से पराजित किया। वहीं, बालक वर्ग में भी झारखंड की टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

टीम ने अंडमान एवं निकोबार को 91-15 से हराया और मणिपुर के खिलाफ भी एकतरफा जीत दर्ज की। दो मुकाबलों में जीत के साथ झारखंड की बालक टीम अपने पूल में दूसरे स्थान पर रही। झारखंड टीम के इस शानदार प्रदर्शन में खिलाड़ियों की मेहनत, कोचिंग, टीम मैनेजमेंट और बेहतर रणनीति की अहम भूमिका रही। इस उपलब्धि पर बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सत्येंद्र नारायण सिंह ने बोकारो के खिलाड़ियों, टीम मैनेजर और कोच को बधाई देते हुए उनके परिश्रम और समर्पण की सराहना की। उन्होंने आगामी मुकाबलों के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं और जीत का सिलसिला जारी रखने की कामना की। वहीं, एसोसिएशन के सचिव कन्हैया प्रसाद ने भी बोकारो के सभी खिलाड़ियों, मैनेजर और कोच को बधाई दी। उन्होंने झारखंड की दोनों टीमों के शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर राज्य का नाम रोशन करने के लिए पूरी टीम को शुभकामनाएं दीं। बोकारो जिला बास्केटबॉल एसोसिएशन के लिए यह गर्व का क्षण है कि जिले के खिलाड़ी, मैनेजर और कोच राष्ट्रीय स्तर पर झारखंड का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बोकारो से शुरू हुआ यह प्रयास आज झारखंड की पहचान को राष्ट्रीय बास्केटबॉल मंच पर नई ऊंचाई दे रहा है।

झारखंड की जूनियर बालक कबड्डी टीम राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पटना रवाना

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : झारखंड राज्य जूनियर बालक कबड्डी टीम आगामी 1 से 4 नवंबर 2026 तक पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, पटना (बिहार) में आयोजित होने वाली 52वीं राष्ट्रीय जूनियर बालक कबड्डी चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए आज शनिवार को कोशी एक्सप्रेस से पटना के लिए रवाना हुई। कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के द्वारा उपलब्ध कराए गए खेल किट बोकारो रेलवे स्टेशन पर टीम के खिलाड़ियों के बीच जिला खेल पदाधिकारी, बोकारो हेमलता बुन ने वितरित किया। श्रीमती बुन ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस राष्ट्रीय कबड्डी प्रतियोगिता में देश के विभिन्न राज्यों की टीमें हिस्सा लेंगी, जहाँ झारखंड की टीम का लक्ष्य बेहतर खेल प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल करना और राज्य का मान बढ़ाना है। कबड्डी एसोसिएशन ऑफ झारखण्ड के अध्यक्ष गोपाल ठाकुर एवं चेयरमैन बिपिन कुमार सिंह ने टीम के सभी खिलाड़ियों, प्रशिक्षक एवं प्रबंधक को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा, अनुशासन और खेल कौशल प्रदर्शित करने का महत्वपूर्ण मंच है।

उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे खेल भावना, टीम भावना और अनुशासन के साथ मैदान में उतर कर बेहतर प्रदर्शन करें। विदित हो कि विगत 22 से 30 अक्टूबर 2026 तक बोकारो के सेक्टर 8 कबड्डी मैदान में झारखण्ड टीम का प्रशिक्षण शिविर एसोसिएशन द्वारा लगाया गया। था। शिविर समाप्ति के पश्चात आज अहले सुबह टीम पटना के लिए प्रस्थान कर गई। एसोसिएशन के पदाधिकारियों एवं खेलप्रेमियों ने भी टीम को शुभकामनाएं दी हैं। शुभकामना देने वालों में मुकेश कुमार सिंह, प्रद्युम्न पांडेय, जगदीश कुमार, धर्मेंद्र सिंह, प्रेम प्रकाश, शंकर प्रसाद, आलोक कुमार, सीता राम रजक, उपेंद्र कुमार, जय प्रकाश यादव, ब्रज किशोर, राखी कुमारी,अनीता सिंह, सहित अन्य शामिल है। झारखंड बालक टीम में कुलदीप कुमार (कप्तान), गोलू कुमार, अंशु कुमार, काजू सिंह राणा (सभी बोकारो), शुभम कुमार, रवि कुमार, अनुभव (सभी कोडरमा), आदित्य सिंह (खूंटी), अक्षय कुमार (साहिबगंज), रौशन कुमार (पूर्वी सिंहभूम), मंजीत कुमार (हजारीबाग), मनीष कुमार (देवघर), अंकुश कुमार (गढ़वा) एवं सचिन (लातेहार) शामिल हैं। टीम के प्रशिक्षक विक्की कुमार पाण्डे (बोकारो) तथा प्रबंधक राहुल कुमार गोप (धनबाद) हैं।

बालूमाथ में रन फॉर यूनिटी का आयोजन, थाना प्रभारी के नेतृत्व में दौड़ लगाकर दिया एकता का संदेश

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बालूमाथ। सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शनिवार को बालूमाथ में रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बालूमाथ थाना प्रभारी अनुभव कुमार सिन्हा के नेतृत्व में जोगियाडीह मैदान से थाना चौक तक करीब दो किलोमीटर की दौड़ लगाई गई। इस दौरान पुलिस पदाधिकारियों, जवानों एवं उपस्थित लोगों ने एकता, अखंडता और आपसी भाईचारे का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी अनुभव कुमार सिन्हा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर रन फॉर यूनिटी का आयोजन लोगों को राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव के प्रति जागरूक करने के

उद्देश्य से किया गया है। दौड़ समाप्त होने के बाद बालूमाथ थाना परिसर में उपस्थित सभी लोगों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई।

स्वच्छता अभियान चलाकर सड़क से हटाया गया कचरा

रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के साथ ही स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। इसके तहत बाजार रोड में झाड़ू और बेलचे की मदद से सड़क पर बिखरे कचरे को एकत्रित कर ट्रैक्टर में लादा गया। पुलिसकर्मियों ने लोगों को अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

नाली के पानी की निकासी की भी कराई गई व्यवस्था

वहीं, मस्जिद रोड के आगे कई स्थानों पर सड़क पर नाली का पानी जमा होने की समस्या को देखते हुए उसकी निकासी की व्यवस्था कराई गई। इसके लिए जगह-जगह गड्ढे खोदकर पानी के बहाव का रास्ता बनाया गया, ताकि सड़क पर जमा गंदे पानी की समस्या से लोगों को राहत मिल सके। इस प्रकार बालूमाथ में आयोजित रन फॉर यूनिटी कार्यक्रम के माध्यम से जहां राष्ट्रीय एकता और भाईचारे का संदेश दिया गया, वहीं स्वच्छता अभियान और जल निकासी की पहल कर स्थानीय समस्याओं के समाधान की दिशा में भी सराहनीय प्रयास किया गया। मौके पर एसआई देवेंद्र सिंह, धीरज सिंह, एएसआई रवि कुमार सहित पुलिस बल के जवान एवं पत्रकार उपस्थित थे।

पूर्वी टुंडी के राधा ग्राम बड़बाद में पांच दिवसीय श्री कृष्ण कथा का भव्य शुभारंभ, 151 महिलाओं और कन्याओं ने निकाली कलश यात्रा

वृंदावन से पधारे बाल व्यास सुखदेव जी महाराज सुनाएंगे कथा, 'राधे-राधे' के जयकारों से गूँजा पूरा ग्रामीण इलाका

31 अक्टूबर से 4 नवंबर तक चलेगा धार्मिक अनुष्ठान, उमड़ी भारी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद जिले के पूर्वी टुंडी प्रखंड अंतर्गत मोहलीडीह पंचायत के राधा ग्राम बड़बाद में शनिवार से पाँच दिवसीय भव्य श्री कृष्ण कथा का विधिवत एवं उत्साहपूर्ण शुभारंभ हो गया है। इस पावन अनुष्ठान के पहले दिन शनिवार की सुबह पूरे क्षेत्र का माहौल पूरी तरह भक्तिमय और आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया।

कलश यात्रा के साथ हुआ धार्मिक अनुष्ठान का आगाज

कार्यक्रम की शुरूआत एक भव्य

कलश शोभा यात्रा के साथ हुई, जिसमें क्षेत्र की करीब 151 महिलाओं और कुंवारी कन्याओं ने पूरी श्रद्धा के साथ हिस्सा लिया। गाजे-बाजे और ढोल-नगाड़ों के साथ श्रद्धालु पारंपरिक वेशभूषा में पावन बराकर नदी के बेजड़ा घाट पहुँचे। वहाँ प्रांगण में वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के बीच कलशों में पवित्र जल भरा गया, जिसके बाद जयकारों के साथ यह शोभा यात्रा मुख्य मार्गों से होते हुए कथा स्थल राधा ग्राम बड़बाद पहुँची। इस दौरान पूरा इलाका 'राधे-राधे' और 'जय श्री कृष्णा' के जयकारों से गूँज उठा।

वृंदावन के कथावाचक बरसाएंगे अमृत वर्षा

आयोजकों के अनुसार, यह पाँच दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान 31 अक्टूबर से शुरू होकर आगामी 4 नवंबर तक चलेगा। वृंदावन से पधारे प्रख्यात कथा व्यास बाल व्यास सुखदेव जी महाराज के ओजस्वी मुखारबिंद से प्रतिदिन शाम 5 बजे से रात्रि 8 बजे तक दिव्य श्री कृष्ण कथा की अमृत वर्षा की जाएगी। कथा के पहले दिन कलश यात्रा की समाप्ति के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया।

प्रमुख लोगों की उपस्थिति और सहयोग

इस भव्य आयोजन को सफल बनाने और इसमें अपनी सक्रिय सहभागिता निभाने वाले गणमान्य लोगों में मुख्य रूप से कथावाचक बाल कृष्ण कथा व्यास सुखदेव जी महाराज, आचार्य शांत जी महाराज (वृंदावन), संतलाल बाबा, मोहलीडीह पंचायत के मुखिया पुत्र नरेश महतो, काजल मंडल, संजीत कृष्ण दास, दिनेश गोराई, काजल कुंभकार, चंदन गोराई, गौतम रवानी, संजय मंडल, कीर्तन मंडल, उज्जवल मंडल, उप मुखिया प्रकाश महतो, जादू महतो तथा दिलीप कुंभकार सहित समिति के अन्य सदस्य व ग्रामीण पूरी तन्मयता से जुटे हुए हैं। आयोजन समिति ने क्षेत्र के सभी भक्त प्रेमियों और सह-बंधुओं से सपरिवार कथा में शामिल होकर पुण्य का भागी बनने की अपील की है।

समाचार सार

15 साल से फरार चल रहा आरोपी गिरफ्तार

बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता): 15 सालों से पुलिस को चकमा दे रहा हत्या का मुख्य अपराधी अंततः पुलिस के हाथों चढ़ गया। यह कामयाबी सिटी पुलिस को मिली है। दरअसल सिटी थाना क्षेत्र के हाटिंग बस्ती में 2011 में खेमरा लुगुन की हत्या हुई थी, उस वक्त खासु लुगुन ने सिटी थाना में हत्या की प्राथमिकी कांड संख्या 499/2011 दर्ज कराई थी जिसमें डॉक्टर पूरती को आरोपी बनाया गया था लेकिन उसने इस अवधि में पुलिस को चकमा देते रहा। सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने बताया कि न्यायालय ने आरोपी के खिलाफ लाल वारंट (स्थायी वारंट)जारी किया था। पुलिस ने समकालीन अभियान के दौरान मिली इनपुट के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया है। अब इसे जेल भेजी जा रही है।

भ्रूण लिंग जांच पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन सख्त, अल्ट्रासाउंड केंद्रों की होगी नियमित जांच

लातेहार (रफ्तार मीडिया संवाददाता)। जिले में भ्रूण के लिंग की अवैध जांच पर रोक लगाने और बालिकाओं के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन ने सख्ती दिखाई है। शनिवार को उपायुक्त संदीप कुमार की अध्यक्षता में भ्रूण लिंग जांच निषेध अधिनियम के तहत जिला सलाहकार समिति एवं निगरानी तथा अनुश्रवण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित अल्ट्रासाउंड केंद्रों के पंजीकरण, नवीकरण और उनके संचालन की स्थिति की समीक्षा की गई।बैठक में उपायुक्त ने निर्देश दिया कि जिले के सभी अल्ट्रासाउंड केंद्र निर्धारित नियमों और कानूनी प्रावधानों का पूरी तरह पालन करें। सभी पंजीकृत केंद्रों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा उनके अभिलेखों की जांच सुनिश्चित की जाए। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर संबंधित केंद्र के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।उपायुक्त ने कहा कि भ्रूण लिंग जांच निषेध अधिनियम का मुख्य उद्देश्य गर्भ में पल रहे बच्चे के लिंग की जांच पर रोक लगाना और बालिकाओं के अधिकारों की रक्षा करना है। उन्होंने अवैध रूप से भ्रूण का लिंग पता लगाने जैसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया।बैठक में जिले के जन्म के समय लिंगानुपात की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली के आंकड़ों के अनुसार सितंबर 2026 में लातेहार जिले में जन्म के समय लिंगानुपात प्रति एक हजार लड़कों पर 912 लड़कियां दर्ज किया गया। उपायुक्त ने इस अनुपात में सुधार के लिए विशेष प्रयास करने और लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बेटियों के संरक्षण और लिंगानुपात में सुधार के लिए स्वास्थ्य विभाग सहित सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ काम करें। अल्ट्रासाउंड केंद्रों की नियमित जांच, अभिलेखों का सत्यापन और निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में सिविल सर्जन डॉ. राजमोहन खलखो सहित जिला सलाहकार समिति के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

विद्यालयों में अनूठी पहल समावेशी और भेदभावमुक्त शिक्षा को लेकर चलाया गया विशेष जागरूकता अभियान

जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में लिंगभेद तथा ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के साथ होने वाले भेदभाव को रोकने के उद्देश्य से उपायुक्त आलोक कुमार के निर्देशानुसार जिला शिक्षा विभाग द्वारा एक व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में करमाटांड़ प्रखंड के पीएम श्री उत्क्रमित मध्य विद्यालय पिंडारी, तेलियाडीह और रानीटांड़ सहित विभिन्न विद्यालयों में प्रार्थना सभा के दौरान विद्यार्थियों व शिक्षकों को समानता, सम्मान और समावेशिता की शपथ दिलाई गई। जिला शिक्षा अधीक्षक विकेश कुणाल प्रजापति के कार्यालय आदेश के तहत राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए विद्यालयों में ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों के प्रवेश, मूल्यांकन और दैनिक गतिविधियों में किसी भी प्रकार के मानसिक, सामाजिक या शारीरिक भेदभाव पर पूर्ण रोक लगाने पर जोर दिया गया है। इसके साथ ही, शिक्षकों और विद्यार्थियों के बीच नियमित जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से संवेदनशील माहौल विकसित करने, विद्यालयों में उपयुक्त शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, अभिलेखों में नियमानुसार सुधार करने और शिकायतों के गोपनीय निवारण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। इस संवेदनशील पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों को ऐसा सुरक्षित और समावेशी शैक्षणिक वातावरण बनाना है, जहां प्रत्येक छात्र-छात्रा बिना किसी भय, संकोच या लैंगिक पहचान के भेदभाव के अपनी शिक्षा सुगमता से पूरी कर सकें।

गांडेय के चार केंद्रों पर एक नवम्बर को होगी जैटेट परीक्षा

गांडेय (रफ्तार मीडिया संवाददाता): गांडेय प्रखंड के चार चिन्हित परीक्षा केंद्रों पर 1 नवंबर को झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जैटेट) का आयोजन किया जाएग। परीक्षा को कदाचारमुक्त, शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उक्त आशय की जानकारी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के. डी. सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि परीक्षा का आयोजन दो पालियों में एक ही दिन संपन्न होगा। अभ्यर्थियों की सुरक्षा, बायोमेट्रिक उपस्थिति और जांच प्रक्रिया को समय पर पूरा करने के लिए सुबह 7:00 बजे से रिपोर्टिंग का समय निर्धारित किया गया है। गांडेय के चार परीक्षा केंद्र -प्लस टू उच्च विद्यालय गांडेय, निर्मला कन्या विद्यालय महेशमुंडा, संत जोहान ब्रिटो मध्य विद्यालय महेशमुंडा संत जोहान ब्रिटो उच्च विद्यालय महेशमुंडा को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वीपीओ के. डी. सिंह ने सभी अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे प्रवेश पत्र में दिए गए दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समय से केंद्र पर पहुंचे, ताकि जांच प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। केंद्रों पर दंडाधिकारी और पुलिस बल की तैनाती भी सुनिश्चित की जा रही है।

साधु के भेष में ठगी करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार, मंगलसूत्र और सोने के टॉप्स बरामद

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बोकारो : बोकारो के बीएस सिटी थाना क्षेत्र में साधु के भेष में महिला से ठगी करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों ने कैंप टू निवासी बबीता देवी को आशीर्वाद देने और उनकी परेशानी दूर करने का झांसा देकर सोने का मंगलसूत्र और कान का टॉप्स ठग लिया था। पुलिस ने तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को बालीडीह रेलवे स्टेशन के पास बने तंबू से गिरफ्तार किया है। इनके पास से ठगी का सोने का मंगलसूत्र, कान

का टॉप्स समेत बड़ी संख्या में पीतल के लॉकेट और अन्य सामान बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार दोनों ठग सहोदर भाई है। डीएसपी ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि लोग ठग साधुओं से बचें क्योंकि साधु के सम्मान को भी यह लोग ठेस पहुंचा रहे हैं। डीएसपी सिटी राजीव रंजन ने बताया कि बीएस सिटी थाना क्षेत्र के कैंप टू निवासी बबीता देवी के घर साधु के भेष में दो व्यक्ति पहुंचे और खाना मांगा। महिला ने दोनों को खाना खिलाया। इसी दौरान महिला ने अपनी परेशानी बताई। इसके बाद साधु ने चमत्कार दिखाते हुए घर में रखे सोने-चांदी के आभूषण लाकर आशीर्वाद लेने को कहा। आरोपियों ने दावा किया कि इससे महिला की सारी परेशानियां दूर हो जाएंगी।
महिला ने विश्वास कर अपना सोने का मंगलसूत्र और कान का टॉप्स दोनों आरोपियों को दे दिया। इसके बाद आरोपियों ने मंगलसूत्र के बदले साड़ी में पीतल के 10 लॉकेट बांधकर महिला को दे दिए और शाम पांच बजे के बाद ही खोलने की हिदायत दी। शाम को जब महिला ने साड़ी खोली तो ठगी का पता चला। इसके बाद पीड़िता ने बीएस सिटी थाना में शिकायत दर्ज कराई। मामले में पुलिस ने कांड संख्या 234/2026 दर्ज कर नगर डीएसपी के नेतृत्व में टीम गठित की। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर पुलिस ने दोनों आरोपियों को बालीडीह स्टेशन के पास बने तंबू से गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की। आरोपियों की निशानदेही पर ठगी का सामान भी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शम्भु लाठौर, उम्र करीब 30 वर्ष और गयालाल लाठौर, उम्र करीब 25 वर्ष के रूप में की गई। दोनों आरोपी बिहार के गया जिले के बेलागंज थाना क्षेत्र के बेलाडीह गांव के रहने वाले हैं। दोनों ठग के पास से सोने का मंगलसूत्र, एक जोड़ी सोने का कान का टॉप्स,दुर्गा मां के 20 पीस पीतल के लॉकेट, हनुमान जी के 20 पीस पीतल के लॉकेट,रंग-बिरंगे करीब 50 पत्थर, पीतल के 10 ताबीज और पीतल की 10 अंगूठियां बरामद की गई है।

समाचार सार

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर बोकारो में श्रद्धांजलि

बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता): देश के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की आज जयंती है। उनकी जयंती पूरे देश में राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाई जा रही है। इस अवसर पर बोकारो जिला प्रशासन की ओर से भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बोकारो के गरगा पुल के समीप स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा समेत जिले के तमाम अधिकारियों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस दौरान देश की एकता और अखंडता को मजबूत बनाने में सरदार पटेल के अतुलनीय योगदान को याद किया गया। सरदार वल्लभभाई पटेल को आधुनिक भारत के निर्माण और देश की रियासतों के एकीकरण में उनके ऐतिहासिक योगदान के लिए हमेशा याद किया जाता रहेगा। उनकी जयंती पर बोकारो जिला प्रशासन ने उनके आदर्शों को याद करते हुए राष्ट्रीय एकता और अखंडता का संदेश दिया।

भाभी और नाबालिग भतीजे पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बोकारो (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : बोकारो में संपत्ति विवाद को लेकर अपनी भाभी और नाबालिग भतीजे पर भुजाली से जानलेवा हमला करने वाले आरोपी संतोष प्रसाद को हरला थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपी पर पूर्व में अपने पिता की भी भुजाली मारकर हत्या करने का आरोप है। गुरुवार की सुबह आरोपी चास के यदुवंश नगर से बोकारो के सेक्टर-9 स्थित अपने भाभी के घर पहुंचा और घर में घुसकर दोनों पर ताबड़तोड़ भुजाली से हमला कर दिया। इस हमले में भाभी और उनका नाबालिग बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना हरला थाना क्षेत्र के सेक्टर-9डी, स्ट्रीट-36 की है। बताया जा रहा है कि संपत्ति विवाद को लेकर आरोपी संतोष प्रसाद का अपनी भाभी के साथ विवाद चल रहा था। इसी विवाद में गुरुवार सुबह वह भुजाली लेकर घर पहुंचा और भाभी तथा नाबालिग भतीजे पर हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। शोर सुनकर पहुंचे स्थानीय लोगों ने आरोपी को पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। घटना में गंभीर रूप से घायल मां और बेटे को इलाज के लिए बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। वहीं, हरला थाना पुलिस ने आरोपी संतोष प्रसाद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

आरपीएफ 8वीं वाहिनी, चित्तरंजन में हर्षोल्लास से मनी राष्ट्रीय एकता दिवस भव्य रन फॉर यूनिटी का हुआ आयोजन

मिहिजाम(रफ्तार मीडिया संवाददाता): सम्पूर्ण राष्ट्र में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जन्म-जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में अत्यंत भव्यता और उल्लास के साथ मनाया गया। इसी क्रम में रेलवे सुरक्षा विशेष बल की आठवीं बटालियन, चित्तरंजन के वीर कार्मिकों एवं प्रहरियों द्वारा एक विशेष एकता दौड़ रन फॉर यूनिटी का सफल संचालन किया गया। यह गरिमामयी आयोजन सहायक समादेष्टा अजय कुमार की अगुवाई में संपन्न हुआ, जिसमें बल के साहसी जवानों ने भारी उमंग और जोश के साथ शिरकत की। इस अवसर पर मुख्य उद्देश्य राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा के प्रति जन-जागृत करना था। समारोह के दौरान सहायक समादेष्टा अजय कुमार ने उपस्थित सभी अधिकारियों और सिपाहियों को देश की संप्रभुता को अक्षुण्ण रखने की शपथ दिलाई। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान का स्मरण करते हुए कहा कि उनका जीवन देश को एकजुट रखने और अनुशासन के मार्ग पर चलकर राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देता है। हरि झंडी दिखाकर रवाना की गई इस दौड़ में जवानों ने हाथों में तिरंगा थामकर और देशभक्ति के ओजस्वी नारे लगाते हुए निर्धारित पथ पर प्रस्थान किया। इस जीवंत और अनुशासित आयोजन ने स्थानीय नागरिकों का भी मन मोह लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का अनूठा व प्रेरणास्पद वातावरण सृजित हो गया। कार्यक्रम के सफल समापन पर वाहिनी के समस्त अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में भी ऐसे राष्ट्रीय आयोजनों को निरंतर जारी रखने का दृढ़ संकल्प दोहराया।

शिकारीपाड़ा महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस पर विशेष विचार गोष्ठी आयोजित, सरदार पटेल को किया गया नमन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

शिकारीपाड़ा/ दुमका: 31 अक्टूबर 2026 को शिकारीपाड़ा महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) इकाई-02 की ओर से राष्ट्रीय एकता दिवस धूमधाम से मनाया गया। दोपहर 1 बजे आयोजित इस कार्यक्रम की शुरूआत एन.एस.एस. प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. अनुराधा जायसवाल की देखरेख में सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को याद करके की गई। इस अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें एन.एस.एस. स्वयंसेवकों और छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अपने संबोधन में डॉ. अनुराधा जायसवाल ने कहा कि आज का दिन अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह भारत के

प्रथम उप प्रधानमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभभाई पटेल का जन्मदिवस है, जिसे हम राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाते हैं। उन्होंने सरदार पटेल के अदम्य साहस, दृढ़ इच्छाशक्ति, कुशल नेतृत्व और दूरदर्शिता की चर्चा करते हुए बताया कि उन्होंने अनेक देशी रियातों को मिलाकर अखंड भारत का निर्माण किया था, जिसके कारण उन्हें 'लौह पुरुष' के रूप में जाना जाता है। उनकी स्मृति में गुजरात में बनी 'स्टैचू ऑफ यूनिटी' विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा है। डॉ. अनुराधा ने एन.एस.एस. के प्रसिद्ध स्लोगन 'नॉट मी बट यू' (स्वयं से पहले आप) का जिक्र करते हुए कहा कि यह हमें व्यक्तिगत स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज और राष्ट्र की सेवा करना सिखाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक आयोजन मात्र नहीं है, बल्कि यह राष्ट्र के प्रति हमारे कर्तव्यों और देश की एकता, अखंडता व संस्कृति की रक्षा करने के दायित्व को याद दिलाने का अवसर है।
उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से देश की एकता-अखंडता की रक्षा करने, सभी धर्मों और संस्कृतियों का सम्मान करने तथा एक मजबूत, शांतिपूर्ण व समृद्ध भारत के निर्माण का संकल्प लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के प्रो. सपन दान और प्रो. पिंकी साहा ने भी अपने विचार साझा किए। इसके अलावा, एन.एस.एस. स्वयंसेवक पारितोष मुर्मू, रूपक दास, रंजू दास, जयफूल इस्लाम, शाह अमीन, वाहिद अंसारी और सुदीप कुमार साहा उपस्थित रहे और उन्होंने अपने महत्वपूर्ण विचार साझा कर इस आयोजन को सफल बनाने में अपना बहुमूल्य योगदान दिया।

सरदार पटेल ने बिखरी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का निर्माण किया : मनीष जायसवाल

सरदार पटेल की जयंती पर हजारीबाग में गूंजे अमर रहें के नारे

पटेल चौक पर सांसद मनीष जायसवाल सहित गणमान्य लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग : राष्ट्र की एकता और अखंडता के अमर प्रतीक भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर शनिवार को हजारीबाग के पटेल चौक स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल सहित विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक एवं जनसंगठनों से जुड़े गणमान्य लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उपस्थित लोगों ने लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल अमर रहें के गगनभेदी नारे लगाकर उनके राष्ट्रनिर्माण में दिए गए अतुलनीय योगदान को याद किया।इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने अपने अद्भुत नेतृत्व, प्रखर राष्ट्रदृष्टि और अडिग इच्छाशक्ति के बल पर देश की बिखरी हुई रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत के निर्माण में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनकी कार्यक्षमता, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और दूरदर्शिता ने भारतीय इतिहास में अमिट छाप छोड़ी है। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, जनकल्याण और सामाजिक समरसता के प्रति समर्पित रहा। उन्होंने किसानों, मजदूरों और आम जनता के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व आज भी देशवासियों को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता है। सांसद ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को यह संदेश दिया कि राजनीति का वास्तविक उद्देश्य सत्ता का सुख भोगना नहीं, बल्कि जनसेवा और मानवता की सेवा करना है। उनके विचार और आदर्श आज भी देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रहित के लिए प्रासंगिक हैं। उनके बताए मार्ग पर चलकर ही मजबूत और समरस राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। वहीं, झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को एकसूत्र में पिरोने का जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह आज भी अनुकरणीय है। राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में झारखंड स्वतंत्रता सेनानी विचार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष बटेश्वर प्रसाद मेहता, शंकर राणा, अजीम अंसारी, जन जागरण केंद्र के सचिव संजय कुमार, झारखंड आंदोलनकारी चंद्रनाथ भाई पटेल, चंद्रमोहन पटेल, राकेश सिंह, भाजपा नेता जीवन मेहता, मुनेष ठाकुर, प्रो. प्रमोद सिंह, सांसद के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी, रोहित कुमार सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

प्लस टू उच्च विद्यालय नगरकियारी में मनाई गई लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती, विद्यार्थियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

प्राचार्य डॉ. मीरा सिंह के नेतृत्व में आयोजित हुआ राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह, पेंटिंग और कविता प्रतियोगिताओं का भी होगा आयोजन
माय भारत के स्वयंसेवकों की मौजूदगी में युवाओं और बच्चों में राष्ट्रप्रेम व सामाजिक समरसता की भावना जगाने पर दिया गया जोर

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के तत्वावधान में शनिवार, 31 अक्टूबर 2026 को धनबाद जिले के गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत प्लस टू उच्च विद्यालय, नगरकियारी में देश के पहले गृह मंत्री व लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में बड़े उत्साह के साथ मनाई गई।

विद्यार्थियों और शिक्षकों ने ली राष्ट्र की एकता की शपथ
विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. मीरा सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष कार्यक्रम के दौरान सरदार वल्लभभाई पटेल के ओजस्वी व्यक्तित्व, कृतित्व और राष्ट्र की अखंडता व सुरक्षा में उनके अतुलनीय योगदान को शिद्दत के साथ याद किया गया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में विद्यालय की प्रधानाचार्य, समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं और बड़ी संख्या में उपस्थित छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से 'राष्ट्रीय एकता की शपथ' ली। सभी ने देश की एकता, अखंडता और आंतरिक सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने तथा समाज में आपसी भाईचारे एवं सौहार्द को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।
रचनात्मक प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन
'माय भारत' के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस अभियान के तहत विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए पेंटिंग (चित्रकला) और कविता पाठ प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से युवा विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता, देशभक्ति और सरदार पटेल के विचारों को अपनी कला और शब्दों के जरिए जीवंत करने का बेहतरीन अवसर मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान प्रधानाचार्य डॉ. मीरा सिंह के साथ-साथ विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा 'माय भारत' के सक्रिय स्वयंसेवक मदन महतो और अशोक मालाकार विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य आज की युवा पीढ़ी और विद्यार्थियों के मन में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक समरसता और अखंडता की स्थायी भावना विकसित करना था।

जंगल और प्रकृति की रक्षा का संदेश लेकर आई द फॉरेस्ट 2.0 निर्देशक पंकज हिंदुस्तानी ने पेश की ड्रैगन की अनोखी कहानी

2020 में शुरू हुआ सफर 2026 में पहुंचा नए मुकाम पर, फिल्म के तीसरे भाग की भी जल्द होगी आगाज

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग : जंगलों का संरक्षण, वन्यजीवों की सुरक्षा और प्रकृति के प्रति मानवीय जिम्मेदारी का संदेश लेकर फिल्म द फॉरेस्ट 2.0 ड्रैगन की कहानी 31 अक्टूबर 2026 को रिलीज हो गई। फिल्म के निर्देशक पंकज हिंदुस्तानी ने इस बार पर्यावरण संरक्षण जैसे गंभीर विषय को फैंटेसी और रोमांच के अनूठे अंदाज में पर्दे पर उतारने का प्रयास किया है। फिल्म की खास बात यह है कि इसमें ड्रैगन को जंगल के रक्षक के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वहीं, इस फिल्म के तीसरे भाग को भी जल्द दर्शकों के सामने लाने की तैयारी चल रही है। दरअसल, पंकज हिंदुस्तानी ने इस फिल्मी सफर की शुरूआत वर्ष 2020 में अपनी पहली फिल्म द फॉरेस्ट से की थी। 15 जुलाई 2020 को रिलीज हुई

इस फिल्म में जंगलों की अंधाधुंध कटाई के कारण हाथियों के ग्रामीण इलाकों में पहुंचने और मनुष्य तथा वन्यजीवों के बीच बढ़ते संघर्ष की गंभीर समस्या को उठाया गया था। फिल्म के माध्यम से जंगलों को बचाने और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास की रक्षा करने का प्रभावशाली संदेश दिया गया था। अब इसके अगले भाग द फॉरेस्ट 2.0 में उसी विचार को एक नई कल्पनाशील कहानी के साथ आगे बढ़ाया गया है। फिल्म में दिखाया गया है कि जब प्रकृति और जंगल पर संकट मंडराता है, तब जंगल का रक्षक ड्रैगन उसकी सुरक्षा के लिए संघर्ष करता है। रोमांच, कल्पना और आधुनिक तकनीक के मेल से तैयार यह कहानी दर्शकों का मनोरंजन करने के साथ उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने का प्रयास करती है। फिल्म निर्माण में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का भी सहयोग लिया गया है। इसके माध्यम से काल्पनिक पात्रों और रोमांचक दृश्यों को जीवंत रूप देने की कोशिश की गई है। तकनीक के इस प्रयोग ने फिल्म को एक अलग स्वरूप देने के साथ इसकी प्रस्तुति को भी आकर्षक बनाया है। निर्देशक पंकज हिंदुस्तानी सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर फिल्में बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी सामाजिक फिल्मों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई पुरस्कार भी मिल चुके हैं। वे सिनेमा को केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक संदेश और जागरूकता फैलाने का सशक्त जरिया मानते हैं। द फॉरेस्ट से शुरू हुआ यह सफर अब द फॉरेस्ट 2.0 तक पहुंच चुका है और तीसरे भाग की घोषणा ने इस श्रृंखला को लेकर उत्सुकता बढ़ा दी है। फिल्म की कहानी एक महत्वपूर्ण संदेश देती है कि जंगल केवल पेड़-पौधों का समूह नहीं, बल्कि धरती के पर्यावरण संतुलन और असंख्य जीवों के जीवन का आधार हैं। यदि जंगल सुरक्षित रहेंगे, तभी प्रकृति सुरक्षित रहेगी और आने वाली पीढ़ियों का भविष्य भी बेहतर होगा।

डीएवी स्कूल में साइबर सुरक्षा पर कार्यशाला आयोजित ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए गए उपाय

रफ्तार मीडिया संवाददाता

जामताड़ा : जामताड़ा सावित्री देवी डीएवी पब्लिक स्कूल में शुक्रवार को सीबीएसई की ओर से साइबर सुरक्षा विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के लाला लाजपत राय बहुद्देशीय सभागार में दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में रवि कुमार मालाकार एवं अजीत कुमार चौधरी उपस्थित रहे।कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षकों ने साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन ठगी और साइबर अपराध की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में प्रत्येक नागरिक को इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों का इस्तेमाल करते समय सतर्क रहने तथा साइबर सुरक्षा के आवश्यक उपायों की जानकारी रखना बेहद जरूरी है। प्रतिभागियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने, डिजिटल गतिविधियों में सावधानी

बरतने और अपनी व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखने के प्रति जागरूक किया गया। इसके अलावा कॉपीराइट, ट्रेडमार्क एवं पेटेंट से संबंधित कानूनों की भी जानकारी दी गई।कार्यशाला के समापन पर लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों ने उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने कहा कि देश की आजादी के बाद रियासतों और रजवाड़ों का विलय कर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल का योगदान अविस्मरणीय है। वर्तमान भारत की एकता और अखंडता की मजबूत नींव रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वही कार्यक्रम का संचालन शांतनु चक्रवर्ती ने किया। मौके पर विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

बच्चों को पॉक्सो एक्ट की दी गई जानकारी

◈ सुरक्षित बचपन के लिए जागरूकता जरूरी
◈ बच्चों की सुरक्षा समाज की जिम्मेदारी

रांची : बच्चों को यौन अपराधों से बचाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची की ओर से शनिवार को लॉरेटो स्कूल एवं जेवीएम श्यामली स्कूल में सुरक्षित बचपन अभियान के तहत विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को पॉक्सो एक्ट के प्रावधानों, बच्चों की सुरक्षा और शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया की जानकारी दी गई।डालसा सचिव राकेश रौशन ने कहा कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न एवं अश्लील गतिविधियों से संरक्षण देने के लिए पॉक्सो अधिनियम-2012 बनाया गया है। इस कानून के तहत यौन अपराधों के लिए कठोर सजा का प्रावधान है।साथ ही पीड़ित बच्चों को मानसिक और सामाजिक परेशानी से बचाने के लिए बाल अनुकूल जांच एवं न्यायिक प्रक्रिया सुनिश्चित की गई है।उन्होंने कहा कि कानून के साथ जागरूकता भी जरूरी है। डालसा की ओर से स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से लगातार बच्चों को जागरूक किया जा रहा है।न्यायिक दंडाधिकारी अमित गुप्ता ने कहा कि सुरक्षित बचपन ही स्वस्थ और सशक्त समाज की नींव है।अभिभावक बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करें और उन्हें अच्छे-बुरे स्पर्श की जानकारी दें।किसी भी असहज परिस्थिति में बच्चों को बिना डर अपनी बात रखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। लाइफ सेवर्स एनजीओ के प्रमुख अतुल गेरा ने कहा कि संस्था डालसा के समन्वय से स्कूलों में पॉक्सो एक्ट के प्रति जागरूकता फैला रही है। बच्चों की सुरक्षा केवल कानून नहीं, बल्कि पूरे समाज की नैतिक जिम्मेदारी है।कार्यक्रम में बच्चों को राष्ट्रीय विधिक सहायता हेल्पलाइन 15100, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी गई। साथ ही आईसी-4 पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया भी बताई गई। इस अवसर पर पीएलवी गणेश कुमार, अमित बड़ाईक, युधिष्ठिर महतो, सीमा देवी, निर्मला देवी, नमिता देवी एवं बेबी देवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

पालमो पंचायत में काली पूजा की तैयारी को लेकर बैठक, भव्य आयोजन पर हुई चर्चा

रफ्तार संवाददाता पवन कुमार राम

रेम्बा/गिरिडीह।जमुआ प्रखंड के ग्राम पंचायत पालमो में दीपावली के अवसर पर आयोजित होने वाली काली पूजा की तैयारियों को लेकर शनिवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संतोष सिंह ने की। इसमें आगामी काली पूजा को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई तथा पूजा को भव्य एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने का निर्णय लिया गया। बैठक में सर्वसम्मति से पूजा के आयोजन, प्रसाद वितरण, सुरक्षा व्यवस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। साथ ही पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और व्यवस्था का विशेष ध्यान रखने पर सहमति बनी। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि पूजा कार्यक्रम शुरू होने से पहले बच्चों के बीच विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, ताकि धार्मिक आयोजन के साथ-साथ बच्चों की प्रतिभा को भी प्रोत्साहन मिल सके। बैठक में संतोष सिंह, विकास पासवान, संजय राम, अमर सिंह, अमित सिंह, प्रकाश पासवान, मिथिलेश दास, जीतू राम, सागर सिंह, संदीप पासवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में सभी सदस्यों ने आपसी सहयोग एवं एकजुटता के साथ काली पूजा को सफल बनाने का संकल्प लिया।

एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस कमेटी द्वारा इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि और सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती सह श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

एग्यारकुंडःएग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस कमेटी की ओर से देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि और देश के पहले गृहमंत्री लौह पुरुष स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती के अवसर पर एक विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम एग्यारकुंड प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष श्री शशि भूषण तिवारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ। सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष शशि भूषण तिवारी जी ने देश के प्रथम गृहमंत्री स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने आजादी के बाद देश की तमाम रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर एक अखंड भारत का पुनर्गठन किया। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी जी की पुण्यतिथि पर उनके ऐतिहासिक कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इंदिरा जी ने निजी संस्थानों सार्वजनिक उपक्रमों में बदल कर राष्ट्रीयकरण कर देश की जनता को मजबूत बनाया, एक झटके में करोड़ों लोगों को सरकारी नौकरी से जोड़कर उन्हें स्वावलंबी बनाया और पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक कदम उठाकर तथा बांग्लादेश के रूप में एक नए राष्ट्र का निर्माण करवाकर अपनी मजबूत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का परिचय दिया था।

रांची में धूमधाम से मनाया गया लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान का 44वां जन्मदिन

◈ प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रधान महासचिव के नेतृत्व में कार्यक्रम का आयोजन

सौरभ रॉय/ रफ्तार मीडिया

रांची:लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का 44वां जन्मदिन शनिवार को राजधानी रांची स्थित पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह चतरा विधायक जनार्दन पासवान और प्रदेश प्रधान महासचिव विकास रंजन सिंह उर्फ पप्पू सिंह के नेतृत्व में हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों, महिला प्रकोष्ठ की सदस्यों, रांची जिला इकाई के पदाधिकारियों और बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर केक काटा और अपने नेता

को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। चिराग पासवान के नेतृत्व में पार्टी संगठन को मजबूत बनाने और जनसेवा के लिए लिया संकल्प

कार्यक्रम का नेतृत्व लोजपा (रामविलास) के प्रदेश अध्यक्ष सह चतरा विधायक जनार्दन पासवान तथा प्रदेश प्रधान महासचिव विकास रंजन सिंह उर्फ पप्पू सिंह ने किया। जन्मदिन समारोह के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने 'हैप्पी बर्थडे टू यू चिराग पासवान' गीत गाकर उत्साहपूर्वक खुशियां साझा कीं। इस मौके पर उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की।प्रदेश अध्यक्ष जनार्दन पासवान ने चिराग पासवान को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और सुखमय जीवन की कामना की।

गांवों तक पहुंची एआई की शिक्षा, उषा मार्टिन की पहल से 30 युवा बनेंगे डिजिटल दक्ष

◈ 'एआई सक्षम' के तहत युवाओं को निःशुल्क प्रशिक्षण : डॉ मयंक मुरारी

रफ्तार मीडिया संवाददाता-बबलु मुश्ताक ..

रांची : आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और डिजिटल तकनीक तेजी से रोजगार की दुनिया को बदल रही हैं। ऐसे समय में ग्रामीण युवाओं को नई तकनीकों का ज्ञान देकर उन्हें भविष्य की रोजगार आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना जरूरी हो गया है। इसी सोच के साथ उषा मार्टिन फाउंडेशन ने अपनी कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत ग्रामीण युवाओं को एआई एवं डिजिटल तकनीक का प्रशिक्षण देने की पहल की है। इसके अंतर्गत टाटीसिलवे क्षेत्र के दस गांवों के 30 युवाओं को छह महीने का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इस कार्यक्रम को 'एआई सक्षम' नाम दिया गया है। इसके संचालन के लिए उषा मार्टिन फाउंडेशन ने अगधबोध फाउंडेशन के साथ साझेदारी की है। अगधबोध फाउंडेशन ने युवाओं की शैक्षणिक पृष्ठभूमि और रोजगार की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए विशेष पाठ्यक्रम तैयार किया है। मुख्य रूप से कॉलेज के विद्यार्थियों और युवाओं के लिए तैयार इस कार्यक्रम का उद्देश्य उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल मार्केटिंग और ग्राफिक डिजाइनिंग जैसे आधुनिक कौशलों में दक्ष बनाना है। उषा मार्टिन फाउंडेशन के हेड डॉ. मयंक मुरारी ने कहा कि आज एआई केवल तकनीकी क्षेत्र तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, कृषि, व्यवसाय, संचार और सेवा क्षेत्र सहित लगभग हर कार्यक्षेत्र को प्रभावित कर रहा है।

रांची के अमरेश कुमार का राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन

■ जैव विविधता संरक्षण एवं निगरानी में सिटिजन साइंस की भूमिका पर देहरादून में लेंगे प्रशिक्षण

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची। झारखंड की राजधानी रांची के प्रकृतिविद् (Naturalist) अमरेश कुमार का "Role of Citizen Science in Biodiversity Monitoring" विषय पर आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए चयन हुआ है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 18 से 20 नवंबर 2026 तक केंद्रीय राज्य वन सेवा अकादमी (Central Academy for State Forest Service–CASFOS), देहरादून, उत्तराखंड में आयोजित किया जाएगा। अमरेश कुमार रांची विश्वविद्यालय के विश्वविद्यालय जंतु विज्ञान विभाग के पूर्व छात्र एवं GATE उत्तीर्ण अभ्यर्थी हैं। वे प्रकृति, पक्षियों और जैव विविधता के अध्ययन एवं संरक्षण के प्रति सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से उन्हें जैव विविधता की निगरानी में नागरिक विज्ञान (Citizen Science) की भूमिका, वैज्ञानिक तरीके से जैव विविधता संबंधी आंकड़ों के संकलन तथा संरक्षण कार्यों में आम नागरिकों की भागीदारी जैसे विषयों को समझने का अवसर मिलेगा।

वर्तमान में अमरेश कुमार रांची में 'Nature Club Ranchi' नाम से एक सामुदायिक पहल विकसित करने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। इसका उद्देश्य आम नागरिकों, प्रकृति प्रेमियों, विद्यार्थियों और युवाओं को पक्षी अवलोकन, प्रकृति अध्ययन, जैव विविधता के दस्तावेजीकरण तथा नागरिक विज्ञान की विभिन्न गतिविधियों से जोड़ना है। इसके साथ ही वे प्रकृति संरक्षण के क्षेत्र में उपलब्ध विभिन्न अवसरों की तलाश कर रहे हैं, ताकि अधिक से अधिक लोगों को वैज्ञानिक गतिविधियों से जोड़ा जा सके।

यह प्रशिक्षण उनके लिए अपने ज्ञान और अनुभव को बढ़ाने के साथ-साथ रांची एवं झारखंड में नागरिक विज्ञान और जैव विविधता संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अवसर होगा।

सीसीएल परिवार ने सेवानिवृत्त कर्मियों के प्रति जताया आभार

सुखद भविष्य की कामना की

वरिय संवाददाता
शंकर ठाकुर

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड मुख्यालय, दरभंगा हाउस, रांची में आज दिनांक 31 अक्टूबर, 2026 को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यालय से सेवानिवृत्त हो रहे 9 कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई दी गई। इसके साथ ही, सीसीएल के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत सेवानिवृत्त कर्मियों को भी उनके-अपने क्षेत्रों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से ससम्मान विदा किया गया। इस प्रकार, आज सीसीएल मुख्यालय एवं विभिन्न क्षेत्रों से सेवानिवृत्त हुए कुल 115 कर्मियों को गरिमापूर्ण विदाई दी गई। समारोह के दौरान सीसीएल मुख्यालय में एक लघु फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया, जिसमें सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने सेवाकाल के अनुभव, भावनाएं एवं स्मृतियां साझा कीं।

मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों के नाम इस प्रकार हैं- श्री संजय कुमार, मुख्य प्रबंधक (वित्त), निदेशक (मा.सं.), वित्त विभाग; डॉ. निखिल प्रसाद सिन्हा, मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, गांधीनगर अस्पताल; श्री काशीनाथ यादव, कार्यालय अधीक्षक, ग्रेड-A1, प्रशासन विभाग; श्री कंचन पाटीदार, कार्यालय अधीक्षक, ग्रेड-A1, कल्याण एवं सेवाएं (असैनिक) विभाग; श्री अब्दुल कादिर, पर्यवेक्षक (दूरसंचार), गांधीनगर अस्पताल; श्री जोयजीत बोस, कार्यालय अधीक्षक, ग्रेड-A, निदेशक (मा.सं.), वित्त विभाग; श्रीमती ज्योत्सना झा, लेखा लिपिक, ग्रेड-I, वित्त (सी. एफ.सी.) विभाग; श्री कैलाश उरांव, आदेशपाल, राजभाषा विभाग एवं श्री गलुवा, कैट-II, गांधीनगर अस्पताल।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में निदेशक (वित्त) श्री पवन कुमार मिश्रा एवं निदेशक (मानव संसाधन) श्री हर्ष नाथ मिश्र उपस्थित रहे।

झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा 8वां स्थापना दिवस मनाया गया

वरिय संवाददाता
शंकर ठाकुर

रांचीः 31अक्टूबर, आज रांची के रेडियम रोड़ स्थित आलोका सभागार में झारखंड प्रदेश वैश्य मोर्चा का 8वां स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर आठ पाउन्ड का केक काट कर स्थापना दिवस मनाया गया. तत्पश्चात संगठन के गतिविधियों एवं मुद्दों पर चर्चा की गई. इसके पूर्व सभी लोगों ने सरदार बल्लभ भाई पटेल एवं स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई. इसके बाद केंद्रीय अध्यक्ष की चुनाव प्रक्रिया के तहत सबसे पहले पांच सदस्यीय चुनाव समिति का गठन किया गया, जिसमें हाइकोर्ट के अधिवक्ता रामसेवक प्रसाद, अधिवक्ता परशुराम प्रसाद, हीरानाथ साहु, डॉ. अरविंद कुमार एवं उर्मिला देवी को शामिल किया गया. तत्पश्चात चुनाव समिति द्वारा विचार-विमर्श के बाद एक बार फिर रामगढ़ जिले के भुरकुंडा निवासी महेश्वर साहु का नाम प्रस्तावित किया गया, जिसके बाद सर्वसम्मति से वैश्य मोर्चा का केंद्रीय अध्यक्ष महेश्वर साहु को चुन लिया गया. अध्यक्ष चुने जाने के बाद सभी उपस्थित सदस्यों ने उन्हें फूल-माला पहना कर बधाई दी. इस अवसर पर महेश्वर साहु ने कहा कि वैश्य समाज के लोगों का भरोसा कभी टूटने नहीं दिया जायेगा. जिन मांगों और मुद्दों को लेकर वैश्य मोर्चा लड़ रही है, उसके लिए अपनी जान भी कुर्बान करने के लिए तैयार हूँ. झारखंड आंदोलनकारी हूँ, अब वैश्य और पिछड़ों की लड़ाई लड़ रहा हूँ. जो निरंतर जारी रहेगा. केंद्रीय अध्यक्ष श्री साहु ने कहा कि 11 नवंबर को पुनर्गठित केंद्रीय समिति के पदाधिकारियों की सूची जारी की जायेगी.

डीवीसी, मैथन में सेवानिवृत्त फिजियोथेरेपिस्ट सुशांत मंडल के सम्मान में भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मैथन, 31 अक्टूबर 2026:दामोदर घाटी निगम, मैथन परियोजना के कॉम्बाइंड बिल्डिंग स्थित एनएचपी सम्मेलन कक्ष में सेवानिवृत्त हो रहे श्री सुशांत मंडल, फिजियोथेरेपिस्ट के सम्मान में एक गरिमामय एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उनके दीर्घ, समर्पित एवं सराहनीय सेवाकाल को स्मरण करते हुए उनके प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त की तथा उनके स्वस्थ, सुखमय एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर श्री प्रवीर चांद, वरिष्ठ महाप्रबंधक (सिविल); ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संस्थान की वास्तविक पहचान उसकी उपलब्धियों के साथ-साथ उन समर्पित कर्मियों से भी होती है, जिनके अथक परिश्रम, निष्ठा एवं सेवाभाव से संस्थान निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहता है। श्री सुशांत मंडल ने अपने सेवाकाल के दौरान अपनी व्यावसायिक दक्षता, कर्तव्यनिष्ठा एवं समर्पण से डीवीसी, मैथन में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। एक फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में उन्होंने न केवल अपने दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन किया, बल्कि अपने ज्ञान, अनुभव एवं सेवाभाव के माध्यम से अनेक कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने आगे कहा कि सेवानिवृत्ति किसी व्यक्ति की कार्यक्षमता, अनुभव अथवा सामाजिक उपयोगिता का अंत नहीं, बल्कि जीवन के एक नए अध्याय का शुभारंभ है। सेवाकाल के दौरान अर्जित अनुभव, ज्ञान एवं जीवन मूल्य व्यक्ति की अमूल्य पूंजी होते हैं, जिनका लाभ वह परिवार, समाज एवं आने वाली पीढ़ियों को प्रदान कर सकता है। किसी भी कर्मचारी की वास्तविक उपलब्धि केवल उसके द्वारा किए गए कार्यों में ही नहीं, बल्कि उन सकारात्मक स्मृतियों, आत्मीय संबंधों एवं प्रेरणादायी आदर्शों में भी निहित होती है, जिन्हें वह अपने सहकर्मियों के बीच छोड़कर जाता है। श्री चांद ने कहा कि डीवीसी अपने प्रत्येक अधिकारी एवं कर्मचारी के योगदान को महत्व देता है और सेवानिवृत्त कर्मियों के प्रति सम्मान एवं आत्मीयता की भावना सदैव बनाए रखता है। उन्होंने श्री सुशांत मंडल के स्वस्थ, सुखी, समृद्ध एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि डीवीसी परिवार के साथ उनका आत्मीय संबंध भविष्य में भी निरंतर बना रहेगा। उन्होंने कहा कि उनके सेवाकाल की स्मृतियाँ एवं योगदान संस्थान के लिए सदैव सम्माननीय रहेंगे।

बिरनी में सरकारी प्रमाण-पत्रों के आवेदन लंबित रखने का आरोप

◈ विधायक प्रतिनिधि ने सीओ को सौंपा पत्र

रफ्तार मीडिया संवाददाता

बिरनी/गिरिडीह। बिरनी अंचल में जाति, आवासीय, आय एवं अन्य सरकारी प्रमाण-पत्रों के आवेदन निष्पादन में कथित लापरवाही और अनियमितता का मामला सामने आया है। इस संबंध में विधायक प्रतिनिधि सह मंत्री जनता जनहित मंडल (आंचल बिरनी) के सदस्य सुभाष वर्मा ने शनिवार, को अंचल अधिकारी, बिरनी को लिखित आवेदन सौंपकर मामले की जांच एवं कार्रवाई की मांग की है।

सौंपे गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि बिरनी अंचल के हल्का-2, 4, 5, 6, 7 एवं 8 की कर्मचारी आईडी का संचालन सरकारी कार्यालय के बाहर एक निजी मोबाइल दुकान से राहुल मोदी एवं उनके परिवार द्वारा किया जा रहा है। इससे सरकारी गोपनीयता एवं महत्वपूर्ण दस्तावेजों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए गए हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि बिरनी प्रखंड के विभिन्न प्रज्ञा केंद्र संचालकों की शिकायत है कि जाति, आवासीय, आय सहित अन्य प्रमाण-पत्रों के आवेदनों को अनावश्यक रूप से महीनों तक लंबित रखा जाता है। कई आवेदनों को वापस कर दिया जाता है या होल्ड पर डाल दिया जाता है। यहां तक कि तत्काल सेवा के तहत किए गए आवेदन भी दो महीने से अधिक समय तक लंबित रहने का आरोप लगाया गया है। पत्र के अनुसार, अगस्त 2026 में किए गए कई आवेदन अब तक कर्मचारी आईडी में लंबित पड़े हैं।

संक्षिप्त ख़बरें

मिहिजाम थाना परिसर में उत्साह के साथ मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस, लौह पुरुष पटेल को किया गया नमन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम : मिहिजाम थाना परिसर में शनिवार को लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। थाना प्रभारी प्रदीप राणा की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य देश में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और आपसी सौहार्द का संदेश देना था। इस दौरान परिसर में विशेष रूप से प्रोजेक्टर स्क्रीन की व्यवस्था की गई थी, जिसके माध्यम से उपस्थित गणमान्य लोगों और स्थानीय नागरिकों ने प्रधानमंत्री के ओजस्वी संबोधन को सुना। प्रधानमंत्री के संदेशों के जरिए राष्ट्र निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका पर विशेष जोर दिया गया, जिसके बाद सभी ने देश की एकजुटता बनाए रखने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर थाना प्रभारी प्रदीप राणा ने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से बिखरी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर ऐतिहासिक कार्य किया था, और उनका जीवन हमें आपसी मतभेदों से ऊपर उठकर राष्ट्रीय एकता को प्राथमिकता देने की प्रेरणा देता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि पुलिस प्रशासन कानून-व्यवस्था के साथ सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम में उमेश झा, गुड्डू सिंह और राजेंद्र शर्मा सहित क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने समाज में शांति और भाईचारे का मजबूत संदेश दिया।

करीब 22 लाख रुपये की ठगी के आरोप में अमित कुमार केशरी गिरफ्तार, भेजे गए न्यायिक हिरासत में

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

कुजू/रामगढ़। मांडू (कुजू) थाना पुलिस ने करीब 22 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में प्राथमिकी के नामजद अभियुक्त अमित कुमार केशरी उर्फ छटू प्रसाद केशरी (47 वर्ष) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मांडू (कुजू) थाना कांड संख्या 222/2026, दिनांक 3 अक्टूबर 2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं 316(2), 318(2), 351(2), 351(3), 352 एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया था। इस मामले में शांति नगर, केबी गेट निवासी अमित कुमार केशरी उर्फ छटू प्रसाद केशरी, पिता द्वारिका साव को प्राथमिक अभियुक्त बनाया गया था। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को विधिवत गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक आशीष कुमार गौतम, पुलिस अवर निरीक्षक ओमकार पाल तथा कुजू ओपी के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

ट्रक की टक्कर से 55 वर्षीय मो. आदम अंसारी गंभीर रूप से घायल

रफ़्तार मीडिया मांडर। मांडर थाना क्षेत्र के रांची-मेदिनीनगर मुख्य मार्ग एनएच-39 पर शनिवार की शाम करीब 6:30 बजे मांडर चौक के समीप हुए सड़क हादसे में मांडर बाजारटांड़ गांव निवासी 55 वर्षीय मो. आदम अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें इलाज के लिए मांडर स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, मो. आदम अंसारी अपने घर से मांडर स्थित अपनी दुकान जा रहे थे। इसी दौरान मांडर चौक के समीप एक ट्रक ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वे सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन में जुट गई।

शिकारीपाड़ा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वारंटी मनीष दास को किया गिरफ्तार, भेजा जेल।

शिकारीपाड़ा (दुमका):। शिकारीपाड़ा थाना पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। गिरफ्तार वारंटी शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बरमसिया अंतर्गत मोहनपुर गांव का रहने वाला है, जिसकी पहचान मनीष दास के रूप में हुई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, आरोपी मनीष दास के खिलाफ थाना क्षेत्र में कांड संख्या 9/21 के तहत गाली-गलौज और अन्य धाराओं में मामला दर्ज था। लंबे समय से फरार चल रहे इस वारंटी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही थी। गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने उसे दबोच लिया और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद जेल भेज दिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दारू पुलिस ने बच्चों को दिया जागरूकता का संदेश

- सरदार पटेल के आदर्शों को किया याद, साइबर ठगी, नशाखोरी और मोबाइल के दुष्प्रभावों से बचाव की दी जानकारी

रफ्तार मीडिया/सुमन सिन्हा, हजारीबाग।

हजारीबाग। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को दारू थाना परिसर में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके बताए एकता और अखंडता के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में थाना के पुलिसकर्मियों, बुद्धिजीवियों तथा आईएमएस स्कूल के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान थाना प्रभारी मृत्युंजय कुमार सिंह ने सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश की विभिन्न रियासतों को एकजुट कर मजबूत राष्ट्र के निर्माण में उनका योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने बच्चों को राष्ट्रीय एकता, आपसी सद्भाव और सामाजिक जिम्मेदारी का महत्व भी समझाया।

इसके बाद थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों को वर्तमान समय की गंभीर चुनौतियों से अवगत कराते हुए साइबर अपराध, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति और मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से होने वाले नुकसान की जानकारी दी। उन्होंने साइबर ठगी से बचने के लिए अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करने, किसी के साथ ओटीपी और निजी जानकारी साझा नहीं करने तथा सोशल मीडिया का सतर्कता के साथ उपयोग करने की सलाह दी।

उन्होंने बच्चों से नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रहने और अपने आसपास के लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने की अपील की। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता और डिजिटल सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था।

सीसीएल महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा सेवानिवृत्त

- फूल झा ने संभाला कुजू क्षेत्र के नए महाप्रबंधक का पदभार

आशीष कुमार मुखर्जी/ रफ्तार मीडिया

कुजू/रामगढ़। सीसीएल कुजू क्षेत्र के महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा शनिवार को अपनी सेवा अवधि पूरी कर सेवानिवृत्त हो गए। वहीं, फूल झा ने कुजू क्षेत्र के नए महाप्रबंधक के रूप में पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर परिजात कॉलोनी में सम्मान एवं स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा और उनकी धर्मपत्नी को सीसीएल के अधिकारियों एवं नवनियुक्त महाप्रबंधक फूल झा ने शॉल ओढ़ाकर, पुष्पगुच्छ एवं नारियल भेंट कर सम्मानित किया। वहीं, पूर्व महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा, उनकी धर्मपत्नी एवं सीसीएल अधिकारियों ने नए महाप्रबंधक फूल झा को शॉल ओढ़ाकर और पुष्पगुच्छ एवं नारियल भेंट कर उनका स्वागत किया। समारोह के दौरान माहौल भावुक हो गया। सेवानिवृत्त महाप्रबंधक राजीव कुमार सिन्हा ने सीसीएल के अधिकारियों, कर्मचारियों, ट्रेड यूनियन के पदाधिकारियों एवं क्षेत्र के रैयतों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग और समर्पण से कुजू क्षेत्र को एक बेहतर मुकाम तक पहुंचाने में सफलता मिली है। जिस प्रकार उन्हें अपने कार्यकाल के दौरान सभी का सहयोग मिला, उसी प्रकार नए महाप्रबंधक फूल झा को भी सहयोग मिलता रहेगा, ताकि उनके नेतृत्व में कुजू क्षेत्र विकास की नई ऊंचाइयों को छू सके। उन्होंने कहा कि सीसीएल की पुंडी, आरा, सारूबेड़ा, तोपा एवं पिंडरा परियोजनाओं में विकास की अपार संभावनाएं हैं। सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, यूनियन प्रतिनिधियों और रैयतों के सामूहिक प्रयास से इन परियोजनाओं को नई दिशा एवं ऊंचाई प्रदान की जा सकती है।

महिला स्वयं सहायता समूह को मिला ट्रैक्टर, 10 किसानों को पंप सेट और पाइप वितरित

रफ्तार मीडिया | मेदिनीनगर (पलामू)

रफ्तार मीडिया मेदिनीनगर पलामू के किसानों को आधुनिक कृषि सुविधाओं से जोड़ने और खेती-किसानी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शनिवार को समाहरणालय परिसर में कृषि यंत्रों का वितरण किया गया। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने भूमि संरक्षण विभाग, डालटनगंज की विभिन्न योजनाओं के तहत चयनित लाभुकों के बीच कृषि उपकरण वितरित किए।

मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत 50 प्रतिशत अनुदान पर तरहसी प्रखंड के कसमार पंचायत अंतर्गत पहसैर गांव की प्रिया महिला विकास स्वयं सहायता समूह को ट्रैक्टर एवं अन्य सहायक कृषि यंत्र प्रदान किए गए। वहीं, कृषि यंत्रीकरण प्रोत्साहन योजना के तहत 10 लाभुकों को 90 प्रतिशत अनुदान पर डेढ़ अश्वशक्ति के पंप सेट और 200 फीट एचडीपीई पाइप वितरित किए गए।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग से किसानों को खेती के कार्यों में सहूलियत मिलेगी। सिंचाई की सुविधा बेहतर होगी और फसल उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि करने में मदद मिलेगी।

भूमि संरक्षण पदाधिकारी रिजवान अंसारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ट्रैक्टर वितरण योजना के तहत 50 प्रतिशत अनुदान पर ट्रैक्टर एवं सहायक कृषि यंत्र प्राप्त करने के लिए महिला स्वयं सहायता समूह, कृषक समूह तथा लैम्प्स-पैक्स भूमि संरक्षण कार्यालय में आवेदन कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि केंद्र प्रायोजित प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषि यंत्रीकरण उपयोजना में 80 प्रतिशत अनुदान पर ग्राम स्तरीय कृषि उपकरण बैंक की स्थापना की जा सकती है। इसके माध्यम से ट्रैक्टर एवं अन्य सहायक कृषि यंत्रों की खरीद भी की जा सकती है।

बागोडीह पंचायत में आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारंभ

विद्यार्थियों को मिलेगी बेहतर सुविधा

- दस लाख रुपये के प्रोत्साहन अनुदान का शिक्षा के क्षेत्र में किया सदुपयोग, अधिकारियों ने की पहल की सराहना

रफ्तार मीडिया संवाददाता

सरियाः सरिया प्रखंड अंतर्गत उत्कृष्ट पंचायत के रूप में चयनित बागोडीह पंचायत ने शिक्षा के क्षेत्र में एक नई पहल की है। मुख्यमंत्री प्रोत्साहन पुरस्कार योजना के तहत मिले दस लाख रुपये के अनुदान का सदुपयोग करते हुए पंचायत के मुखिया धानेश्वर साव ने पंचायत भवन में आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कराया है। इससे पंचायत क्षेत्र के विद्यार्थियों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को पढ़ाई के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध होगा।

शनिवार को डिजिटल लाइब्रेरी का विधिवत उद्घाटन जिला जनसंपर्क पदाधिकारी तेज कुमार हस्सा, जिला परिषद सदस्य अनूप कुमार पाण्डेय, पंचायत के मुखिया धानेश्वर साव और प्रखंड विकास पदाधिकारी ललित नारायण तिवारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं फीता काटकर किया। उद्घाटन के साथ ही पंचायत में शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने मुखिया की पहल की सराहना करते हुए कहा कि पंचायत भवन में डिजिटल लाइब्रेरी का निर्माण कराना एक सराहनीय और अनुकरणीय प्रयास है। आमतौर पर पंचायतों में विकास योजनाओं के तहत सड़क, नाली और अन्य बुनियादी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाता है। वहीं, बागोडीह पंचायत ने शिक्षा और पठन-पाठन को प्राथमिकता देकर विकास की एक नई मिसाल पेश की है।

अतिथियों ने कहा कि किसी भी समाज और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास शिक्षा के बिना संभव नहीं है।वही डीपीआरओ ने कहा कि डिजिटल लाइब्रेरी से विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए अनुकूल माहौल मिलेगा। साथ ही युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद मिल सकती है। इस तरह की पहल ग्रामीण क्षेत्र के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती है।

पंचायत में आधुनिक डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना से स्थानीय विद्यार्थियों और युवाओं में उत्साह का माहौल है।

चिरेका श्रमिक संघ की तीसरी पीएनएम बैठक: कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान और विकास कार्यों पर बनी सहमति

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम : चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना श्रमिक संघ की तीसरी आवधिक वार्ता पीएनएम बैठक में कर्मचारियों के हितों से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रशासन और यूनियन के बीच सकारात्मक सहमति बनी है। बैठक में आगामी दो वर्षों तक प्रमुख उत्पादन विभागों जैसे टीएम, बोगी, स्टेटर, शेल और हार्नेस में पर्याप्त मानवबल बनाए रखने का ठोस भरोसा दिया गया है, साथ ही बाहरी एजेंसियों को सौंपे गए कार्यों को दोबारा कारखाने के भीतर शुरू करने की संभावनाओं पर भी विचार किया जाएगा। कर्मचारियों की लंबित पदोन्नति प्रक्रिया जल्द शुरू करने, 15 दिनों में बैच क्लोजिंग मामलों की समीक्षा करने और ओवरटाइम भुगतान में मनमानी कटौती रोकने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा, चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने, चरणबद्ध तरीके से करीब 100 नए सी-टाइप क्वार्टरों के निर्माण, टाउनशिप की सुरक्षा, पेयजल आपूर्ति और चित्तरंजन स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव जैसे मुद्दे प्रमुखता से उठाए गए। वर्क्स कार्यालय में वातानुकूलन लगाने के लिए एलओए जारी हो चुका है। यूनियन अध्यक्ष राम सरोज चौहान और महासचिव राजीव गुप्ता ने इन आश्वासनों के समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर देते हुए कहा कि यूनियन इनकी लगातार निगरानी करेगी ताकि कर्मचारियों के अधिकारों और चिरेका के हितों की पूरी रक्षा हो सके।

2 नवंबर की पदयात्रा की तैयारी तेज, खिजरी मंडल ने भरी हुंकार

रफ्तार मीडिया संवाददाता - बबलु मुश्ताक

रांची : आगामी 2 नवंबर को रांची के मोरहाबादी मैदान में प्रस्तावित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' कार्यक्रम के तहत आयोजित होने वाली पदयात्रा की तैयारियों को लेकर खिजरी मंडल भाजपा की बैठक संपन्न हुई।मंडल अध्यक्ष समीर राय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने के साथ अधिक से अधिक कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई।बैठक में मुख्य रूप से प्रदेश मंत्री अमित सिंह, रांची पूर्वी जिला युवा अध्यक्ष विनय महतो धीरज तथा भाजपा की पूर्व प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष एवं वर्तमान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य आरती सिंह उपस्थित रहीं। सभी ने कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रम की तैयारियों और संगठनात्मक जिम्मेदारियों के संबंध में मार्गदर्शन दिया।बैठक में वक्ताओं ने 2 नवंबर को आयोजित होने वाली पदयात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को लेकर मंडल स्तर पर कार्यकर्ताओं के बीच जनसंपर्क और समन्वय स्थापित करना आवश्यक है। बैठक में बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया और निर्धारित कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष प्रमोद सिंह, सह कार्यालय मंत्री गोरखनाथ सिंह, अनुरोध पांडे, महामंत्री रामाशंकर सिंह, मंडल मंत्री धीरज सिंह, मंडल उपाध्यक्ष सरोज राय,पूर्व मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा, बुधु पाहान, शंकरी डे, अश्विनी लकड़ा, मीनू सुजाता, उपमुखिया सुबोध सिंह, दिनेश सिंह, राजीव रंजन, दुर्गा शंकर झा, अरुण कुमार झा, वीरेंद्र ओझा, धनसिंह मुंडा, संतोष कुमार झा, सीता देवी, शोभा देवी, सुशील मुंडा, प्रभास झा, राकेश कुमार सिंह, दिलीप साहू, राजो लकड़ा, सुषमा देवी, सरस्वती देवी, मीरा देवी, सुलोचना देवी, सुष्मिता लकड़ा, रोशनी लकड़ा एवं पुष्पा चौधरी सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

केडीएच परियोजना में 100 फीट ऊंचाई से गिरकर मजदूर की मौत

सुरक्षा रस्सी टूटने से हुआ हादसा

- एंबुलेंस तक नहीं मिली, लहूलुहान साथी को स्कूटी पर लादकर अस्पताल पहुंचे सहकर्मी
- अस्पताल में भारी हंगामा, जीएम की मौजूदगी में मुआवजे पर सहमति के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया

रफ्तार मीडिया संवाददाता

खलारी (पवन गुप्ता): सीसीएल एनके एरिया अंतर्गत केडीएच परियोजना स्थित शैलो प्रोजेक्ट में शनिवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां मधुकम कंपनी के अधीन कार्यरत 32 वर्षीय मजदूर रामस्वरूप चौहान की 100 फीट की ऊंचाई से नीचे गिरने से घटनास्थल पर ही मौत हो गई। आरोप है कि ऊंचाई पर काम करने के दौरान मजदूर की सुरक्षा (लाइफलाइन) रस्सी अचानक टूट गई, जिससे वह सीधे नीचे आ गिरा। मृतक मूल रूप से बिहार के डेहरी का रहने वाला था और वर्तमान में अपने ससुराल मोहन नगर में रहकर काम कर रहा था। उसके पीछे पत्नी, एक पुत्र और तीन पुत्रियों का रो-रोकर बुरा हाल है।

प्रत्यक्षदर्शियों और साथी मजदूरों का आरोप है कि कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों की घोर अनदेखी की जा रही थी। रामस्वरूप को जो सुरक्षा रस्सी दी गई थी, उसकी गुणवत्ता बेहद घटिया थी, जिसके चलते काम के दौरान वह टूट गई। प्रबंधन की लापरवाही का आलम यह रहा कि इतने बड़े औद्योगिक प्रोजेक्ट में आपात स्थिति के लिए एक एंबुलेंस तक उपलब्ध नहीं थी।

संपादकीय

राहुल और पंजे की दुर्दशा वाले विषाणु

मध्यप्रदेश के मालवा की एक लोकोक्ति याद आ गई। सरल हिंदी में उसका आशय यह है कि यदि भूखे को कटोरी मिल जाए तो वह पानी पी-पीकर ही अपना पेट फोड़ लेता है। हालिया संपन्न चार राज्यों के विधान परिषद चुनाव को लेकर कांग्रेस की भी यही स्थिति है। पंजे ने इस चुनाव में अपने हाथ से खुद की कई सीटें गंवाईं। मगर अब उसे इस बात का गुमान है कि उसने ले-देकर महाराष्ट्र में महज एक सीट पर फतह हासिल कर ली है। पवन खेड़ा तो इस पर यूं गर्व कर रहे हैं, गोया कि इस एक सीट ने उनकी पार्टी को लोकसभा में पूर्ण बहुमत वाली स्थिति में ला दिया हो। यह नतीजे उस समय आए हैं, जब उत्तरप्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इस राज्य के तमाम कांग्रेस नेता सीट के बंटवारे को लेकर अभी से अपने पुराने सहयोगी और इंडी गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी को आँख दिखाने लगे हैं। मगर आँख पर जमी गांधी-नेहरू परिवार के चप्पल की धूल हटाकर तो देखिए। यूपी में एक बार फिर कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया है और एनडीए को अखिलेश की समाजवादी पार्टी ने ही निर्णायक टक्कर दी है। इस सब के बावजूद यह तय है कि कांग्रेस एक अदद सीट पर अपनी जीत को लेकर ही जश्न में डूबी रहेगी।

अभिमत

एक बार फिर वियतनाम के नाम पर विचित्र किस्म की गोपनीय विदेश यात्रा से लौटे राहुल गांधी भी मन-ही-मन फूल कर कुप्पा हो रहे होंगे कि भागते भूत की लंगोट ही सही, कुछ तो हाथ आ गया है। बाकी जो बहुत बड़ा मामला हाथ से फिसला है और फिसलता ही जा रहा है, उसकी भला किसे परवाह है! परवाह केवल यह कि 'युवराज' खुश रहें और पार्टी में पद की रेवड़ी बांटने का उनका इकलौता आधार 'ये मेरा सर्वश्रेष्ठ चमचा है' यूं ही बदस्तूर कायम रहे। जबकि यह चुल्लू-भर पानी में डूब जाने जैसा मामला है कि जिस बैलट पेपर को आप अपनी संजीवनी मान रहे थे, उसी कागज के टुकड़े ने इन्हीं विधान परिषद चुनाव में आपको एक बार फिर कोरा कागज वाली श्रेणी में लाकर नाकारा साबित कर दिखाया है। राजनीति विज्ञान की किताबों में बिस्मार्क को सबसे बड़े कूटनीतिज्ञों में शामिल किया जाता है। यह कहते हुए कि उसके हाथ में एक राज्य रहता था और शेष राज्यों को वह हवा में उछालता जाता। यानी कि उछलते राज्यों में से कब और कौन सा उसके हाथ में कितने समय के लिए ठहरेगा, यह कोई नहीं समझ सकता था।

बिस्मार्क अब हमारे बीच नहीं रहे हैं। अगर वह जीवित रहते, तब भी राहुल गांधी की उनसे तुलना कर उन्हें नारकीय तकलीफ देने का पाप नहीं किया जा सकता था। फिर भी बिस्मार्क का जिक्र इसलिए कि राहुल विधान परिषद वाले घनघोर शर्मनाक नतीजों को हवा में उड़ा कर एक नवंबर की अपनी शोशेबाजी को अपने हाथ में थाम लेंगे। इस साल के ग्यारहवें महीने के पहले दिन का यह आयोजन कितना सफल होगा, यह तो समय बता ही देगा, लेकिन तय मान कर चलिए कि यदि दिल्ली के रामलीला मैदान पर राहुल की यह सियासी लीला भी फ्लॉप हो गई तो वह इसे भी हवा में उड़ाकर कोई नया शिगूफा हाथ में ले लेंगे। यह हाथ चाहे मजबूत हो या न हो, लेकिन पंजे के लकीरों की दुर्दशा की वजह के विषाणु इस हाथ में ही छिपे हुए हैं।

इतिहास

क्या-क्या हुआ

- डू राष्ट्रीय एकता दिवसः भारत के प्रथम गृह मंत्री और 'लोह पुरुष' सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को हर साल राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- इंदिरा गांधी का निधनः 1984 में भारत की पहली और एकमात्र महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की उनके ही अंगरक्षकों द्वारा हत्या कर दी गई थी।
- जम्मू और कश्मीर का पुनर्गठनः 2019 में जम्मू-कश्मीर राज्य को औपचारिक रूप से विभाजित कर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख नाम के दो नए केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए।
- जी. रामचंद्रन का जन्मः 1913 में प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक गोपालसमुद्रम नारायण रामचंद्रन का जन्म हुआ था, जिन्हें प्रोटीन संरचना के 'रामचंद्रन प्लॉट' के लिए जाना जाता है।
- एम. ए. नायर का जन्मः 1915 में भारत के स्वतंत्रता सेनानी और प्रसिद्ध राजनीतिज्ञ एम. ए. नायर का जन्म हुआ था।
- बंगाल का चक्रवातः 1876 में आए विनाशकारी बाकरगंज चक्रवात (वर्तमान बांग्लादेश/भारत का हिस्सा) ने बंगाल के तटीय इलाकों में भारी तबाही मचाई, जिसमें करीब 2 लाख लोगों की जान चली गई।
- मार्टिन लूथर और प्रोटेस्टेंट रिफॉर्मेशनः 1517 में मार्टिन लूथर ने जर्मनी के विटनबर्ग में अपनी '95 थीसिस' की सूची चर्च के दरवाजे पर लगाई, जिससे ईसाई धर्म में 'प्रोटेस्टेंट सुधार आंदोलन' की शुरूआत हुई।
- सिस्टिन चैपल की छत का अनावरणः 1512 में प्रसिद्ध कलाकार माइकलएंजेलो द्वारा वेटिकन के सिस्टिन चैपल की छत पर बनाई गई पेंटिंग्स को पहली बार आम जनता के लिए प्रदर्शित किया गया था।
- हैलोवीन उत्सवः हर साल 31 अक्टूबर को दुनिया के कई देशों में 'हैलोवीन' का त्योहार पारंपरिक रूप से मनाया जाता है।
- नेवादा बना अमेरिकी राज्यः 1864 में गृहयुद्ध के दौरान नेवादा को संयुक्त राज्य अमेरिका के 36वें राज्य के रूप में शामिल किया गया था।
- माउंट रशमोर का काम पूराः 1941 में अमेरिका के साउथ डकोटा में माउंट रशमोर नेशनल मेमोरियल का निर्माण कार्य पूरा हुआ, जिसमें चार अमेरिकी राष्ट्रपतियों के चेहरे तराशे गए हैं।
- हैरी हुडिनी का निधनः 1926 में दुनिया के सबसे महान जादूगर और पलायन कलाकार हैरी हुडिनी का निधन हुआ था।
- विश्व की जनसंख्या 7 अरब पहुंचीः 2011 में संयुक्त राष्ट्र के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, इस दिन दुनिया की आबादी ने 7 अरब का आंकड़ा पार किया था।

कविता

काले कोयले से उजले विचार !

मन में जब निराशा के बादल छाए,
जीवन में जब दुख के अंधियारे आए।
तब आशा का एक दीप जलाना,
हर काले विचार को दूर भगाना।

कोयले का टुकड़ा उठाकर उसने कहा,
अब मन में नहीं रहेगा कोई दर्द भरा।
हर नकारात्मक सोच को बाहर कर दूंगी,
ईश्वर के विश्वास से जीवन भर दूंगी।

बीमारी से बड़ी मन की हार होती है,
आशा में ही जीवन की बहार होती है।
दवाएं तो तन का उपचार करती हैं,
सकारात्मक सोच आत्मा में शक्ति भरती है।

काले कोयले ने अनमोल संदेश दिया,
उम्मीद ने जीने का नया परिवेश दिया।
सोच को उजला रखो, विश्वास बनाए रखो,
हर हाल में मुस्कुराओ, जीवन से प्यार रखो!

सुभाष बुड़ावन वाला
लेखक

लोक मुद्दा

लोकतंत्र जनादेश से चलेगा, अराजकता के दबाव से नहीं

लोकतंत्र में सत्ता की चाबी जनता के हाथ में होती है। मतदान केंद्र पर खड़ा सामान्य नागरिक अपने एक मत से सरकार बनाता है, उसके काम का मूल्यांकन करता है और भविष्य की दिशा तय करता है। उसकी यह शक्ति किसी राजनीतिक दल की देन नहीं है। यह हमारे संविधान की व्यवस्था है, जिसकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। इसीलिए लोकतंत्र की रक्षा का दावा करने वाले प्रत्येक राजनीतिक दल से जनता को यह अपेक्षा करने का अधिकार है कि वह अपने व्यवहार में भी लोकतांत्रिक मयार्दाओं का पालन करे। लोकतंत्र के प्रति निष्ठा की परीक्षा सत्ता में रहते हुए भी होती है और विपक्ष में बैठकर भी। जनादेश का सम्मान सुविधा के अनुसार नहीं हो सकता।

डॉ. मोहन यादव

हर राजनैतिक दल का यह दायित्व होना चाहिए कि जनादेश का सम्मान हो, विरोध में मयार्दा हो, शासन में जवाबदेही हो और कानून के सामने सब समान हों। भारत की दिशा जनता अपने मत से तय करेगी। राजनीतिक सफलता का रास्ता उसी जनता के विश्वास अर्जित करने से होकर जाएगा। यही लोकतंत्र की सच्ची भावना है।

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में जीत का उत्सव और हार का आत्म-मंथन, दोनों आवश्यक हैं। जनता के निर्णय से असहमति हो सकती है, लेकिन उसके विवेक का अनादर लोकतांत्रिक राजनीति को कमजोर करता है। राजनीतिक दलों को जनता का विश्वास अपने कार्य, विचार और आचरण से अर्जित करना चाहिए। विरोध की राजनीति में जनता का हित नहीं होता। एक सशक्त विपक्ष लोकतंत्र की आवश्यकता है। सरकार से कठिन प्रश्न पूछना, नीतियों की कमियाँ उजागर करना और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। सरकार की भी जिम्मेदारी है कि वह प्रश्नों का उत्तर दे और उचित सुझावों को स्वीकार करे। लेकिन जब राजनीतिक विमर्श का केंद्र समाधान के स्थान पर निरंतर भय, अविश्वास और टकराव बनने लगे, तब उसका मूल्यांकन भी होना चाहिए।

आज विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर को लेकर भी राजनीतिक बहस हो रही है। इस बहस का केंद्र प्रत्येक पात्र नागरिक का अधिकार और मतदाता सूची की विश्वसनीयता होना चाहिए। एक सही मतदाता सूची लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है। उसमें नए पात्र मतदाताओं के नाम जुड़ें, गलत विवरण सुधरें और मृत अथवा दोहरी प्रविष्टियों का निराकरण निर्धारित प्रक्रिया से हो। साथ ही, किसी पात्र नागरिक का नाम छूटने पर उसे सुधार का प्रभावी अवसर मिले। जनता के नाम पर राजनीति करने वालों को जनता की सुविधा और सुरक्षा के प्रति भी जवाबदेह होना होगा। हमारा दृष्टिकोण स्पष्ट होना चाहिए, शांतिपूर्ण विरोध को सम्मान मिले और हिंसा पर निष्पक्ष, विधिसम्मत कार्रवाई हो। मतदाता सूची पर बहस हो, लेकिन मतदाता के मन में भ्रम नहीं फैलाया जाना चाहिए।

मतदाता सूची के पुनरीक्षण कार्य में जिस प्रकार से विपक्ष के लोगों ने देश में अराजकता फैलाने का काम किया है, वह राष्ट्रहित में नहीं है। हमारे संविधान में मतदाता को जो अधिकार दिये गये हैं, उसी से हमारे लोकतंत्र को मजबूती मिलती है। भारत के कुछ अंचलों में बाहरी लोगों का मतदाता बन जाना कहा का कानून है। यदि एसआईआर में मतदाता सूची का शुद्धीकरण हो रहा है तो विपक्ष को भी साथ देना चाहिए, न कि उसका विरोध करना चाहिए। मुझे इस बात पर भी आश्चर्य होता है कि विपक्ष ईवीएम का भी विरोध कर रहा है। हाल ही में चार बड़े राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार कर्नाटका में एमएलसी के चुनाव में वेलेट पेपर से मतदान हुआ। इन राज्यों के चुनाव परिणामों में कांग्रेस को कितनी सीटे मिली यह सब जानते है। इसके बावजूद भी विपक्ष अपनी फितरत से बाज नहीं आता।

समाज निरंतर बदलता है। लोग आजीविका के लिए स्थान बदलते हैं, युवा मतदान की आयु पूरी करते हैं और परिवारों की परिस्थितियाँ बदलती हैं। इन परिवर्तनों के अनुरूप मतदाता सूची का अद्यतन आवश्यक है। किसी प्रक्रिया में कठिनाई सामने आए तो उसे दूर करना चाहिए। किसी त्रुटि का प्रमाण मिले तो उसका सुधार होना चाहिए। मतदाता की सहायता किए बिना केवल उसकी आशंका को राजनीतिक अभियान का ईंधन बनाना सार्वजनिक जिम्मेदारी से बचना है। लोकतंत्र की चिंता व्यवहार में दिखनी चाहिए। किसी मतदाता की समस्या हल कराने में लगाया गया श्रम, उसके भय को बढ़ाने वाले भाषणों से अधिक उपयोगी है।

मुख्यमंत्री के रूप में मेरा विश्वास है कि प्रदेश की ऊर्जा, विकास और निर्माण में लगनी चाहिए। किसान को बेहतर अवसर चाहिए, युवा को रोजगार और कौशल चाहिए, महिलाओं को सुरक्षा चाहिए और प्रत्येक परिवार को संवेदनशील शासन चाहिए। इन अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए शांति, कानून-व्यवस्था और सामाजिक विश्वास आवश्यक हैं। हम राजनीतिक बहस को जनता के वास्तविक प्रश्नों से जोड़ें। सरकार अपने काम का हिसाब दे। विपक्ष बेहतर विकल्प रखे। नागरिक निर्भय होकर अपनी बात कहें। निर्वाचन प्रक्रिया में प्रत्येक पात्र मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित हो इसके लिए सबको मिलकर सहयोग करना होगा।

लोकतंत्र की ताकत उस नागरिक के विश्वास में है, जो कह सके कि सरकार किसी भी दल की हो, उसके अधिकार और सम्मान की रक्षा होगी। ह्लोकतंत्र बचाओ-अराजकता हटाओह्व केवल एक नारा या विचार नहीं, बल्कि हर जागरूक नागरिक का कर्तव्य भी है। हर राजनैतिक दल का यह दायित्व होना चाहिए कि जनादेश का सम्मान हो, विरोध में मयार्दा हो, शासन में जवाबदेही हो और कानून के सामने सब समान हों। भारत की दिशा जनता अपने मत से तय करेगी। राजनीतिक सफलता का रास्ता उसी जनता के विश्वास अर्जित करने से होकर जाएगा। यही लोकतंत्र की सच्ची भावना है।

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

लोक विचार

बैलेट पर भी पिटी कांग्रेस, आखिर कब तक बहानों की राजनीति?

अजय कुमार

बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस का कमजोर प्रदर्शन उसके राजनीतिक तर्कों को असहज करते है। लेकिन यह कहना भी गलत होगा कि इन नतीजों से ईवीएम पर उठाए गए हर सवाल का स्वतः खंडन हो गया। चुनावी सफलता किसी मशीन या मतपत्र पर नहीं बल्कि संगठन, उम्मीदवार, स्थानीय परिस्थितियों और मतदाताओं के भरोसे पर निर्भर करती है।

कांग्रेस की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि उसे चुनाव हारने से ज्यादा परेशानी अपनी हार की जिम्मेदारी स्वीकार करने में होती है। नतीजे प्रतिकूल आए नहीं कि कभी ईवीएम कठघरे में, कभी चुनाव आयोग निशाने पर और कभी मतदाता सूची पर सवाल। लेकिन जब बैलेट पेपर से हुए चुनावों में भी पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर कांग्रेस की समस्या मशीन है या उसकी अपनी राजनीतिक जमीन खिसक रही है? चार राज्यों की विधान परिषद की 28 सीटों के चुनाव ने इसी सवाल को कांग्रेस के सामने खड़ा कर दिया है। खासकर कर्नाटक में, जहां उसकी अपनी सरकार है, भाजपा-जद(एस) गठबंधन का चारों सीटें जीतना पार्टी के लिए महज चुनावी झटका नहीं, बल्कि राजनीतिक चेतावनी है। सत्ता हाथ में होने के बावजूद यदि पार्टी शिक्षक और स्नातक मतदाताओं का भरोसा नहीं जीत पा रही, तो उसे विपक्ष पर हमला करने से पहले अपने घर की हालत देखनी चाहिए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बैलेट पेपर से हुए चुनावों में कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज कसते हुए पूछा कि पार्टी ने आखिर कितनी सीटें जीतीं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश और प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने पलटवार करते हुए वाराणसी में भाजपा की हार और नागपुर में कांग्रेस की जीत का हवाला दिया। उनका तर्क था कि भाजपा को भी अपने राजनीतिक गढ़ों में मिली हार पर आत्ममंथन करना चाहिए। बात गलत नहीं है। भाजपा भी चुनाव हारती है तो उसे जवाबदेही से छूट नहीं मिल सकती। लेकिन कांग्रेस के नेताओं को यह समझना होगा कि दूसरे की हार गिनाने से अपनी हार का हिसाब खत्म नहीं होता। वाराणसी में भाजपा की पराजय कांग्रेस की जीत नहीं है और नागपुर का परिणाम कर्नाटक की चारों सीटों पर मिली हार का जवाब नहीं बन सकता। राजनीति में प्रतिवाद करना आसान है, अपने संगठन की नाकामी स्वीकार करना कठिन।

नागपुर में कांग्रेस उम्मीदवार अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को 3,271 मतों से हराया। वंजारी को 67,231 वोट मिले, जबकि कोहले को 63,960 मत प्राप्त हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय वाले शहर में कांग्रेस की इस जीत ने भाजपा के लिए भी असहज सवाल खड़े किए। मगर कांग्रेस को एक सीट की सफलता को अपनी वापसी का प्रमाण मानने की भूल नहीं करनी चाहिए। एक निर्वाचन क्षेत्र में जीत संगठन की ताकत दिखा सकती है, लेकिन व्यापक चुनावी कमजोरी पर पर्दा नहीं डाल सकती। बिहार में भी कांग्रेस का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उसके सहयोगी दलों को सफलता मिली, लेकिन कांग्रेस अपना प्रभाव स्थापित नहीं कर सकी। गठबंधन का हिस्सा होना और अपने दम पर मतदाताओं का भरोसा जीतना अलग-अलग बातें हैं।

कांग्रेस की परेशानी यही है कि वह सहयोगियों की जीत से राजनीतिक लाभ तो चाहती है, लेकिन अपने संगठन की कमजोरियों पर उतनी गंभीरता नहीं दिखाती। कर्नाटक का नतीजा इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। यहां कांग्रेस सरकार होने के बावजूद चारों सीटें भाजपा और जनता दल (सेक्युलर) गठबंधन ने जीत लीं। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या उम्मीदवारों का चयन कमजोर था? क्या स्थानीय संगठन मतदाताओं तक पहुंचने में नाकाम रहा? क्या सरकार के कामकाज को लेकर शिक्षित वर्ग में असंतोष है? इन सवालों का जवाब पार्टी को जमीनी स्तर पर तलाशना होगा। सत्ता में होने का अर्थ यह नहीं कि मतदाता हर चुनाव में सत्तारूढ़ दल के पक्ष में ही मतदान करेंगे। यदि शिक्षक और स्नातक जैसे मतदाता भी पार्टी से दूरी बनाते हैं, तो इसे विरोधियों की साजिश बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। यह उस राजनीतिक आत्मविश्वास के लिए खतरे की घंटी है, जिसके सहारे कांग्रेस कर्नाटक में अपनी सरकार को राष्ट्रीय राजनीति में बड़ी उपलब्धि के रूप में पेश करती रही है।

इन चुनावों को लोकसभा या विधानसभा चुनावों के बराबर मानना भी उचित नहीं होगा। शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं की संख्या सीमित होती है और स्थानीय मुद्दों का प्रभाव अधिक रहता है। फिर भी, इन नतीजों को मामूली बताकर किनारे नहीं किया जा सकता। शिक्षक अपने सामाजिक दायरे में जनमत तैयार करते हैं, जबकि स्नातक मतदाता शिक्षा, रोजगार, महंगाई और शासन जैसे सवालों पर दलों को परखते हैं। यदि कांग्रेस इन वर्गों के बीच प्रभाव खो रही है, तो उसे यह देखना चाहिए कि उसके राजनीतिक संदेश में कमी है या संगठन में। चुनाव केवल नारों से नहीं जीते जाते। मतदाता को यह भरोसा चाहिए कि उसकी समस्याओं को समझने और उनका समाधान करने की क्षमता किस दल में है। ईवीएम पर कांग्रेस की आपत्तियों को भी इसी कसौटी पर परखना चाहिए। चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाना विपक्ष का अधिकार है। जहां गड़बड़ी के ठोस प्रमाण हों, वहां जांच होनी चाहिए। लेकिन हर हार के बाद व्यवस्था को दोष देना राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने का तरीका नहीं बनना चाहिए। अप्रैल 2024 में सुप्रीम कोर्ट ने ईवीएम की विश्वसनीयता से संबंधित याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए बैलेट पेपर की व्यवस्था में लौटने की मांग स्वीकार नहीं की थी। इसका अर्थ यह नहीं कि चुनावी प्रक्रिया पर कभी सवाल नहीं उठाए जा सकते। इसका अर्थ यह है कि गंभीर आरोपों के लिए गंभीर प्रमाण भी चाहिए। केवल संदेह को बार-बार दोहराने से वह तथ्य नहीं बन जाता।

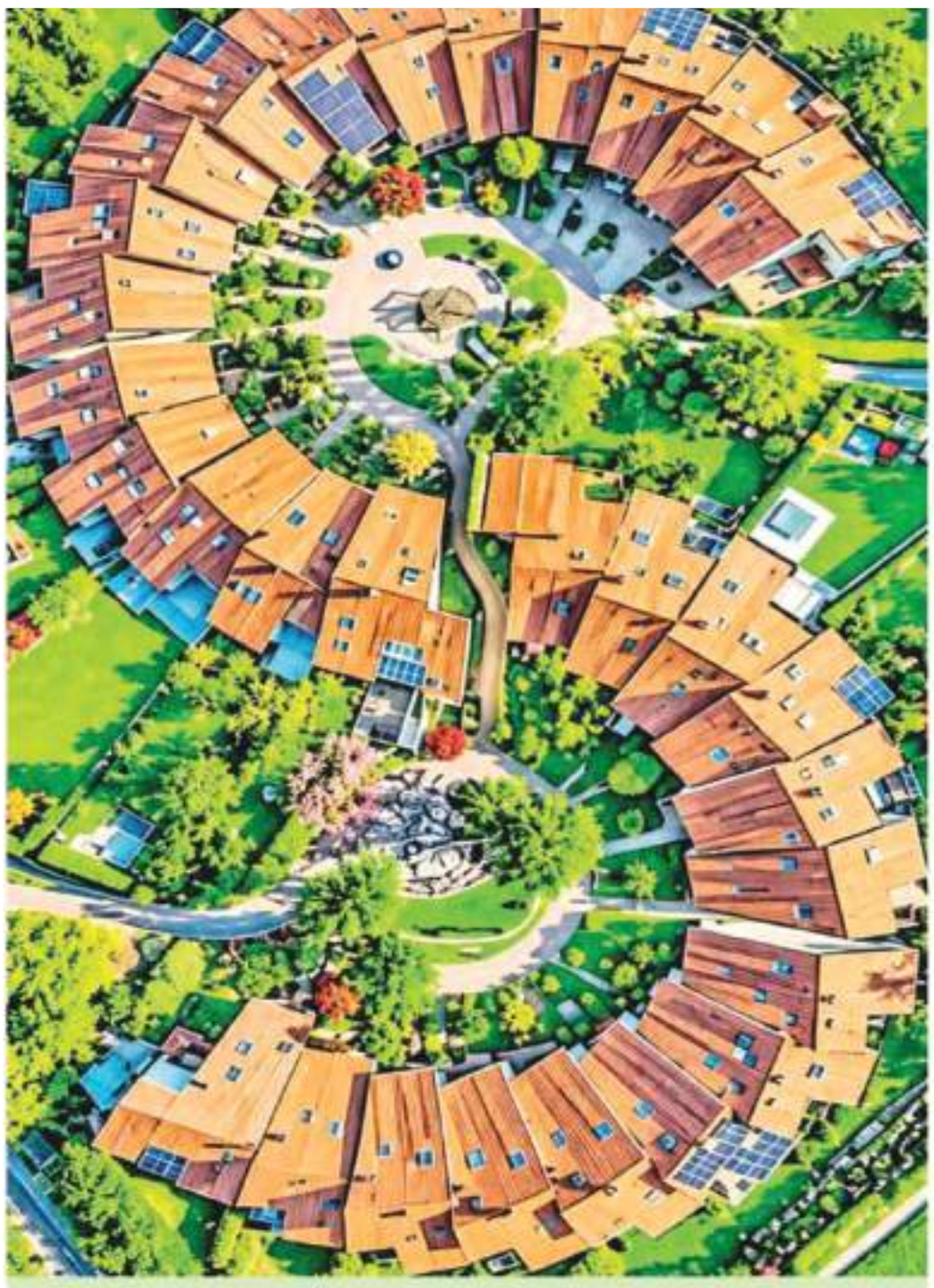

स्विट्जरलैंड का अनोखा 'S गांव'

स्विट्जरलैंड के फालैंडेन में स्थित 'S' आकार वाला गांव अपनी खास वास्तुकला के लिए चाचर्चा में है। ये मशहूर आर्किटेक्ट फिट्ज श्वार्ट्ज के गोलाकार गांव से प्रेरित है। इसमें जगह की बचत होती है, हर घर को सूरज की रोशनी मिलती है। सामने दूसरा मकान रुकावट नहीं बनता। बीच का पूरा हिस्सा एक बड़े और हरे-भरे आंगन की तरह है।

सरदार पटेल जयंती... पीएम पहुंचे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी

लौहपुरुष को श्रद्धांजलि, कहा- उनका योगदान प्रेरणादायक

अहमदाबाद, एजेंसी

पीएम नरेंद्र मोदी ने आज 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी। मोदी एकता नगर (केवड़िया) में सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां उन्होंने 400 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास योजनाओं का उद्घाटन किया।इसके बाद उन्होंने रेन फॉरेस्ट और वामन वृक्ष वाटिका का दौरा किया।

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि सरदार पटेल ने देश की रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर अखंड भारत का नक्शा तैयार किया. राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी सरदार पटेल को याद किया. दोनों ने नई दिल्ली के सरदार पटेल चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की

एकता नगर में 400 करोड़ से होगा विकास

प्रधानमंत्री मोदी ने एकता नगर में 400 करोड़ रुपए ज्यादा की विकास योजनाओं की शुरुआत की। इनमें सीवेज और जल शोधन संयंत्र, प्रकाश व्यवस्था, नर्मदा घाट के विकास, IRCTC होटल और रेनफॉरेस्ट, यूनिटी और इको ट्रेल शामिल हैं।

400 करोड़ के प्रोजेक्ट लॉन्च किए

अखंड भारत का शिल्पकार बताया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरदार पटेल को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, 'उनकी जयंती पर अखंड भारत के शिल्पकार और राष्ट्र के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को सादर नमन। उन्होंने अपना जीवन एक मजबूत, समृद्ध और सक्षम भारत के निर्माण के लिए समर्पित कर दिया। मातृभूमि की सेवा में उनका त्याग और समर्पण विकसित तथा आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए गहरी प्रेरणा का स्रोत है।

दिल्ली-काशी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू, मोदी बोले-ऐतिहासिक दिन

नई दिल्ली। दिवाली से पहले उत्तर प्रदेश के रेल यात्रियों को बड़ी सौगात मिलने जा रही है। दिल्ली और वाराणसी के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का उद्घाटन आज होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन की शुरुआत को दिल्ली और काशी के बीच रेल यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए ऐतिहासिक दिन बताया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के शुरू होने से न केवल यात्रियों के समय की बचत होगी, बल्कि उनका सफर भी पहले से बेहतर होगा। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली से लैस यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है। एकता दिवस के मौके पर उत्तर प्रदेश को मिलने वाली इस सौगात को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की शुरुआत को खास बताया। उन्होंने लिखा, 'दिल्ली और काशी के बीच रेल यात्रा करने वालों के लिए आज का दिन ऐतिहासिक है। काशी-दिल्ली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन शुरू होने से समय की बचत के साथ ही उनका अनुभव बेहतर होने वाला है। आधुनिक सुविधाओं और अत्याधुनिक सुरक्षा प्रणाली से सुसज्जित यह देश की दूसरी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन है।'

16 एसी कोच, 180 किमी प्रति घंटे की रफ्तार

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है. इसमें कुल 16 वातानुकूलित कोच होंगे। ट्रेन की अधिकतम रफ्तार 180 किलोमीटर प्रति घंटे बताई गई है। यह वाराणसी से रात 8:50 बजे चलेगी। अगले दिन सुबह 5:55 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

न्यूज ट्रेक

'स्टिंग ऑपरेशन' पर कांग्रेस सख्त, अल्वा को पार्टी से निकाला

बेंगलुरू. एजेंसी। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) ने राज्य के कांग्रेस नेताओं को निशाना बनाने वाले एक स्टिंग ऑपरेशन में शामिल होने के आरोपों के चलते पार्टी की पूर्व महासचिव कृपा अल्वा को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए निष्कासित कर दिया है। केपीसीसी के उपाध्यक्ष एम. नारायणस्वामी द्वारा जारी निष्कासन आदेश में कहा गया है कि मीडिया में आई नकारात्मक खबरों और प्रतिक्रियाओं के कारण इस विवाद से पार्टी को भारी असहजता और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। आदेश के अनुसार, 'चूंकि इस स्टिंग ऑपरेशन मामले में आपका नाम सामने आया है और इस मामले में आपका आचरण पार्टी विरोधी गतिविधियों के दायरे में आता है, इसलिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के निर्देश पर आपको छह साल की अवधि के लिए तत्काल प्रभाव से पार्टी से निष्कासित किया जाता है'। पार्टी के आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया कि इस मामले में भूमिका को लेकर कृपा अल्वा को पहले कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया था। हालांकि, उनकी ओर से अब तक कोई जवाब या स्पष्टीकरण दाखिल नहीं किया गया। पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने इस अपमानजनक वीडियो के पीछे कृपा अल्वा का हाथ बताया था। इसके साथ ही उन्होंने मीडिया संस्थानों द्वारा इस वीडियो के प्रसारण और प्रकाशन पर अदालत से रोक भी हासिल कर ली थी।

धनबाद आईआईटी में छात्र ने हॉस्टल से कूदकर दे दी जान

धनबाद. एजेंसी। आइआइटी (आइएसएम) धनबाद में शनिवार सुबह साढ़े आठ एक दुखद घटना सामने आई। बीटेक पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के फाइनल ईयर के छात्र माने प्रतीक राजकुमार ने हॉस्टल की आठवीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद संस्थान परिसर में अफरा-तफरी मच गई। माने प्रतीक राजकुमार महाराष्ट्र का रहने वाला था। मामले की जानकारी मिलने के बाद संस्थान के हास्टल वार्डन, सुरक्षा अधिकारी, डीन स्टूडेंट वेलफेयर व संस्थान के अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और आनन फानन में असफी अस्पताल ले गए। यहां चिकित्सकों ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। वह एक्जामरीन हास्टल में रहता था। संस्थान की ओर से माने प्रतीक राजकुमार के परिजन को घटना की सूचना दे दी है। फिलहाल कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में उसके दोस्तों व अन्य छात्रों से पता चला है कि आत्महत्या का मामला निजी था और घर से जुड़ा हुआ है। धनबाद थाना पुलिस भी मामले की जांच कर रही है। माता-पिता व अन्य स्वजन के आने के बाद ही पूरा मामला प्रकाश में आएगा। बता दें, सितंबर 2018 में आइआइटी आइएसएम से पीएचडी कर रहे छात्र रंजन राठी ने फांसी लगाकर खुदकशी की। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पीएचडी कर रहा था और यूपी के मुरादाबाद का रहने वाला था। जैसपर हास्टल के डी ब्लाक में रहता था। उसने भी आत्महत्या कर ली थी।

खौफनाक: किसी बात पर हुई कहासुनी और बच्चे ने कर दी आपराधिक वारदात

आठ साल के बच्चे ने छह साल की बच्ची का सिर बेंच पर पटका; ईंटें मारी, आधे घंटे तक पीटता रहा

पंचकूला, एजेंसी

स्कूलों को बच्चों के लिए सबसे सुरक्षित जगह माना जाता है, लेकिन पंचकूला के सरकारी स्कूल में हुई घटना ने इस भरोसे को तार-तार कर दिया है। स्कूल के 8 साल के बच्चे पर 6 साल की सहपाठी के साथ बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगा है। घटना 28 अक्टूबर की है। आरोप है कि बच्चा बहाने से बच्ची को पहली मंजिल पर बने खाली क्लास रूम में ले गया। वहां उसका सिर बेंच पर पटका। लातों से पीटा। ईंट से सिर व चेहरे पर कई वार किए। बच्ची बेहोश हो गई तो वह उसे कमरे में छोड़कर नीचे चला गया। गंभीर घायल बच्ची पीजीआई चंडीगढ़ में भर्ती है। बताते हैं, शिक्षकों की कमी से एले क्लास में पढ़ने वाली बच्ची और बच्चा एक ही कक्षा में बैठते थे। घटना से पहले दोनों में किसी बात पर कहासुनी हुई थी। इसके बाद बच्ची टॉयलेट की ओर जाने लगी तो बच्चा भी उसके पीछे चला गया। छुट्टी के बाद जब आंटी चालक को बच्ची नहीं मिली तो उसने पिता को सूचना दी। पिता ने स्कूल पहुंचे, तब किसी बच्चे ने बताया, वह घायल पड़ी है।

कैलिफोर्निया: दो माह से लापता भारतीय मूल की महिला का शव नहर में मिला

वाशिंगटन. एजेंसी। अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाली भारतीय मूल की एक महिला का शव नहर में काम करने वाले कर्मचारी को गश्त के दौरान मिला। वे अगस्त से गायब थीं। सेरेस पुलिस विभाग ने बताया, शव अजीत कौर का है। कौर के 23 अगस्त 2026 को सेरेस के कासा ग्रांडे अपार्टमेंट से लापता होने की सूचना मिली थी। उन्हें आखिरी बार उसी दिन तड़के 1:45 मिशेल रोड के पास देखा गया था।

पंजाब में आप ने फूंका चुनावी बिगुल

40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी, सीएम मान धुरी से लड़ेंगे

चंडीगढ़। एजेंसी

पंजाब विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है।नई दिल्ली में पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति (पीएसी) की बैठक में नामों पर अंतिम मुहर लगा दी गई। सूची सीएम भगवंत मान ने जारी की। इसमें 40 उम्मीदवारों के नाम हैं। सीएम भगवंत मान का नाम पहली सूची में शामिल है। मान धुरी से चुनाव लड़ेंगे। बटाला से शैरी कलसी, अजनाला से कुलदीप धालीवाल, तरनतारन से हरमीत सिंह संधू, अमृतसर साउथ से डॉ. इंदरबीर सिंह निज्जर, खेमकरण से सरवण सिंह धुन, नकोदर से इंदरजीत कौर मान, करतारपुर से बलकार सिंह, दसूहा से करमवीर सिंह घुमन, उड़मुड़ से जसवीर सिंह राजा गिल को टिकट मिला है।

होशियारपुर से ब्रह्मशंकर जिंपा, चब्बेवाल से इंशाक कुमार चब्बेवाल, गढ़शंकर से जयकिशन सिंह रोड़ी, बलाचौर से संतोष कटारिया, रूपनगर से दिनेश चड्ढा, मोहाली से कुलवंत सिंह, फतेहगढ़ साहिब से लखबीर सिंह राय चुनाव मैदान में उतरेंगे।

केजरीवाल के आवास पर बैठक

'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर हुई बैठक में सभी के नाम तय किए गए। इसके अनुसार,अमलोह से गुरिंदर सिंह गैरी, समराला से जगतार सिंह दयालपुरा, लुधियाना ईस्ट से दलजीत सिंह ग्रेवाल भोला, आत्मनगर से कुलवंतसिंह सिंधु, लुधियाना सेंट्रल से अशोक पराशर पप्पी, लुधियाना वेस्ट से संजीव अरोड़ा, लुधियाना नॉर्थ से चौधरी मदन लाल बग्गा, पायल से मनविंदर सिंह ग्यासपुरा, निहालसिंह वाला से मनजीत सिंह बिलासपुर, बाघापुराना से अमृतपाल सिंह सुखानंद, मोगा से अमनदीप कौर अरोड़ा, धर्मकोट से दविंदरजीत सिंह लाडी, जलालाबाद से जगदीप गोल्डी कंबोज, फाजिल्का से नरिंदरपाल सिंह सवना, मुक्तसर से जगदीप सिंह काका बराड़, कोटकपूरा से फुलतार सिंह संधवा, जैतो से अमोलक सिंह, तलवंडी साबो से बलजिंदर कौर को उम्मीदवार बनाया।

जम्मू-कश्मीर में कैबिनेट के विस्तार के बाद सियासी भूचाल

उमर सरकार में 21 विधायक नाराज, 4 मंत्रियों को हटाने की उठी मांग

श्रीनगर.एजेंसी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों में उपजा आक्रोश बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को पूर्व मंत्री और विधायक कैसर जमशेद लोन के निवास पर नेकां के 21 नाराज विधायकों ने बैठक की। सूत्रों के अनुसार, बैठक में कई प्रस्ताव पास किए गए।

इनमें विधायकों ने कथित तौर पर चार मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी और कोषाध्यक्ष शम्मी ओबराय को हटाने की मांग की। विधायकों ने कहा कि जिन मंत्रियों का कार्यकाल दो वर्ष हो चुका है, उन्हें पदमुक्त कर उनके स्थान पर अन्य विधायकों को मौका दिया जाए। श्रीनगर के ज्वाचीगाम में जून में नेकां की बैठक में लिए निर्णय भी लागू हों। विधायक नजीर गुरेजी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई, जो अध्यक्ष फारूक व सीएम को प्रस्ताव सौंपेगी।

तीन को इस्तीफा देंगे रुहुल्ला

उधर, नेकां के बागी सांसद आगा रुहुल्ला भी तीन नवंबर को पार्टी व लोकसभा की सदस्यता से अपना इस्तीफा देने के एलान पर डटे हैं। ऐसे में पार्टी नेतृत्व बगावत की आग भड़कने से पहले नाराज विधायकों व रुहुल्ला को मनाने में जुटा है। मुख्यमंत्री उमर ने मंगलवार को मंत्रिमंडल में फेरबदल कर रवींद्र शर्मा को बाहर का रास्ता दिखाते हुए 4 नए मंत्रियों को शपथ दिलाई। यहीं मंत्री बनने की उम्मीद में बैठे कई विधायक नाराज हो गए। उन्होंने विरोध भी किया। नेकां के 21 विधायक हुमहामा में स्थित लोलाब के विधायक कैसर जमशीद लोन के घर जमा हुए।

नाम जुड़वाने और हटवाने की प्रक्रिया रहेगी जारी: सुप्रीम कोर्ट

एसआईआर खत्म होने का मतलब मतदाता सूची फ्रीज होना नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' (एसआईआर) पूरा होने का मतलब यह नहीं है कि मतदाता सूची को 'फ्रीज' (नए अपडेट पर रोक) कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कुछ राज्यों में एसआईआर की याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान ये कहा।

केरल, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में एसआईआर को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए, कोर्ट ने समय-सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया।

हटे नाम दुबारा जोड़े जा सकेंगे

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा जस्टिस वी. मोहना की बेंच के फैसले से ये साफ हो गया कि ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटे नाम दुबारा जोड़े जा सकते हैं। इससे लाखों लोगों को वोट डालने के अधिकार से वंचित होने से रोका जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि समय बढ़ाने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया लगातार चलती रहती है।

चुनाव में नामांकन दाखिल होने तक जोड़े जा सकते हैं नाम

वरिष्ठ वकील वी. एस. नायडू ने बताया कि लोग एसआइआर के बाद भी अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि चुनाव के लिए नामांकन दाखिल होने तक नाम जोड़े जा सकते हैं। वहीं, चुनाव आयोग ने स्वीकार किया कि उत्तर प्रदेश के अधिकारियों ने बड़ी संख्या में 'फॉर्म 7' स्वीकार करने में गड़बड़ी की थी।

दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई

आयोग ने सुनवाई के दौरान कहा कि सुधार के लिए कुछ कदम उठाए गए हैं। आयोग ने दोषी अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई का भी आश्वासन दिया। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को अनुमति दी कि वे चुनाव आयोग के सामने गड़बड़ियों को उठा सकते हैं चुनाव आयोग ने बताया कि केरल में एसआइआर का काम फरवरी में पूरा हो गया था। इसके बाद हुए विधानसभा चुनाव में इसी मतदाता सूचियों का इस्तेमाल किया गया था। वकील जी. प्रकाश के माध्यम से सीपीएम ने कहा कि अभी भी 24 लाख मतदाता सूची से बाहर हैं।

न्यूज ब्रीफ

अब तक 18.60 लाख श्रद्धालुओं ने किए बाबा केदारनाथ के दर्शन

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित केदारनाथ धाम में लगातार हो रही बर्फबारी के बावजूद श्रद्धालुओं की आवाजाही जारी है। ठंड और प्रतिकूल मौसम के बीच भी श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस यात्रा सीजन में अब तक 18,60,360 श्रद्धालु केदारनाथ धाम के दर्शन कर चुके हैं। जिला सूचना अधिकारी कार्यालय की ओर से शुक्रवार को जारी जानकारी के अनुसार, पिछले दो दिनों से धाम में लगातार बर्फबारी हो रही है। इससे केदारनाथ की चोटियां और आसपास का क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर से ढक गया है। बर्फ से ढके धाम का प्राकृतिक सौंदर्य श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है।

इमरान खान की बहन को जेल में आया हार्ट अटैक

इस्लामाबाद। पीटीआई ने शाहबाज सरकार और सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर पर गंभीर आरोप लगाए है। पार्टी का दावा है कि सितंबर 2026 में कोट लखपत जेल में बंद इमरान खान की बहन को दिल का दौरा पड़ा है, जो जेल जाने से पहले बिल्कुल स्वस्थ थीं। पीटीआई का कहना है कि इमरान खान की एक आंख की रोशनी जा चुकी है और बुशरा बीबी की चुपके से सर्जरी करानी पड़ी है। पार्टी के 12 से ज्यादा कार्यकर्ताओं की भी मौत हो चुकी है। आरोप है कि इमरान खान के पूरे परिवार को सोची-समझी साजिश के तहत शारीरिक और मानसिक रूप से टॉर्चर किया जा रहा है। पाकिस्तान में देश के पूर्व प्रधानमंत्री पर जो टॉर्चर हो रहा है, उसकी एक-एक डीटेल सुनकर रूह कांप जाती है। हाल ही में इस्लामाबाद से लेकर लाहौर तक हलचल मची हुई है क्योंकि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने शहबाज शरीफ सरकार और सेना प्रमुख असीम मुनीर पर बेहद खौफनाक आरोप लगाए हैं।

धोखाधड़ी केस में नोरा फतेही को कोर्ट का समन

मुंबई। ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े धोखाधड़ी के मामले में बॉलीवुड एक्ट्रेस नोरा फतेही को समन भेजा गया है। नोरा फतेही दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होंगी। यह मामला एक बिजनेसमैन की पत्नी के साथ 200 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी से जुड़ा है, जिसमें नोरा फतेही को समन किया गया है। ईडी जांच में पता चला कि सुकेश की पत्नी के एक इवेंट में नोरा फतेही गेस्ट बनकर पहुंची थीं, जहां उन्हें उपहार के तौर पर महंगी बीएमडब्ल्यू कार मिली। गिफ्ट में आईफोन के अलावा कीमती बैग भी शामिल थे। ईडी ने फिर उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, नोरा ने जांच में सहयोग दिया और बताया कि उन्हें सुकेश के क्रिमिनल रिकॉर्ड की जानकारी नहीं थी। उन्होंने खुद को सुकेश की साजिश का पीड़ित बताया। ईडी ने अपनी चार्जशीट में नोरा फतेही को सरकारी गवाह के तौर पर पेश किया था। वे केस में आरोपी नहीं हैं। हालांकि, नोरा फतेही ने जैकलीन फर्नांडिस और अन्य लोगों पर मानहानि का केस दायर किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि जैकलीन ने खुद को बचाने के लिए उनके खिलाफ गलत बयान दिया, जिससे उनके करियर और इमेज को नुकसान पहुंचा। जांच में जैकलीन का भी नाम उभर कर सामने आया। ठग सुकेश के साथ उनकी कुछ कथित अंतरंग तस्वीरें भी सामने आईं, जिसके बाद दोनों के अफेयर की चर्चाएं भी सुर्खियों में रही।

पोलैंड में पीएम टस्क पर तख्तापलट का आरोप

कोर्ट के 2 जज निलंबित, देशभर में प्रदर्शन; राष्ट्रपति का विमान बीच रास्ते से लौटा

वारसॉ। पोलैंड में प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क की सरकार पर देश की संवैधानिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिश का आरोप लगा है। यह विवाद देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल को लेकर शुरू हुआ है।
एक जज ने शु वार को संवैधानिक ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष को एक महीने के लिए निलंबित कर दिया। इसके बाद उन्होंने खुद ही अध्यक्ष की जिम्मेदारी ले ली। विपक्ष इससे नाराज हो गया। उसने सरकार पर तख्तापलट की कोशिश का आरोप लगाया।
सैकड़ों लोग जज के फैसले के विरोध में अदालत के बाहर जमा हो गए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर चीजें फेंकीं। हालात बिगड़ने पर राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की सेनेगल जाते समय बीच रास्ते से ही वापस लौट आए। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में राष्ट्रपति का देश में रहना जरूरी है। हजारों पोलिश नागरिक वारसॉ में कॉन्स्टिट्यूशनल ट्रिब्यूनल बिल्डिंग के सामने जमा हुए। जारों पोलिश नागरिक वारसॉ में कॉन्स्टिट्यूशनल ट्रिब्यूनल बिल्डिंग के सामने जमा हुए।

सबसे पहले समझिए, राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री में झगड़ा क्यों है?

पोलैंड में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री दोनों की अलग-अलग जिम्मेदारियां हैं।
प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क सरकार चलाते हैं, जबकि राष्ट्रपति कारोल नावरोत्स्की देश के संवैधानिक प्रमुख हैं।
दोनों के बीच अदालतों में जजों की नियुक्ति और उनके काम करने के तरीके को लेकर विवाद चल रहा है। अब यह लड़ाई देश की सबसे बड़ी अदालतों में से एक संवैधानिक ट्रिब्यूनल तक पहुंच गई है।
टस्क चाहते हैं कि पिछली सरकार के समय अदालतों में हुई नियुक्ति यों और बदलावों को ठीक किया जाए। उनका आरोप है कि पिछली सरकार ने अपने पसंद के लोगों को अदालतों में बड़े पदों पर बैठाया था।
दूसरी तरफ, राष्ट्रपति नावरोत्स्की का कहना है कि टस्क सरकार के फैसले संविधान के नियमों के मुताबिक होने चाहिए। वे सरकार के कई फैसलों का विरोध कर चुके हैं।
प्रदर्शन के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारी ट्रिब्यूनल के अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे।
प्रदर्शन के दौरान भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। प्रदर्शनकारी ट्रिब्यूनल के अंदर जाने की कोशिश कर रहे थे।

2015 में शुरू हुआ था अदालतों को लेकर विवाद

इस झगड़े की शुरुआत 2015 में हुई थी। उस समय पोलैंड में लॉ एंड जस्टिस (क्वक्स) पार्टी की सरकार बनी थी। उसने अदालतों और न्यायिक संस्थाओं में कई बदलाव किए थे। जैसे-

1. सुप्रीम कोर्ट के जजों की रिटायरमेंट उम्र 70 से घटाकरक 65 करना

2. अदालतों के प्रमुखों की नियुक्ति में सरकार की भूमिका बढ़ाना
3. जजों के खिलाफ कार्रवाई के लिए अलग व्यवस्था बनाना

विपक्ष और यूरोपीय संघ (श्व) ने इन बदलावों का विरोध किया था। उनका आरोप था कि सरकार अदालतों पर अपना नियंत्रण बढ़ा रही है। इससे जजों के स्वतंत्र होकर फैसले लेने की क्षमता कमजोर हो रही है। 2023 में डोनाल्ड टस्क की गठबंधन सरकार सत्ता में आई। उसने चुनाव के दौरान वादा किया था कि अदालतों को राजनीतिक दखल से मुक्त कराया जाएगा और कानून का राज बहाल होगा। सरकार बदलने के बाद भी अदालतों की व्यवस्था तुरंत नहीं बदली। पिछली सरकार के समय नियुक्त किए गए कई जज अब भी अहम पदों पर थे। टस्क सरकार इन्हीं नियुक्ति यों और नियमों में बदलाव करना चाहती थी। राष्ट्रपति नावरोत्स्की और क्वक्स इसका विरोध कर रहे थे।

6 नए जजों की नियुक्ति से कैसे बढ़ा विवाद?

इस साल मार्च में पोलैंड की संसद ने संवैधानिक ट्रिब्यूनल के लिए 6 नए जज चुने। लेकिन राष्ट्रपति नावरोत्स्की ने इनमें से केवल 2 जजों को अपने सामने शपथ दिलाई। बाकी 4 जजों को शपथ दिलाने से इनकार कर दिया।
इसके बाद 9 अप्रैल को इन चारों जजों ने संसद में ही शपथ ले ली और राष्ट्रपति कार्यालय को इसकी जानकारी दे दी। इनमें अन्ना कोर्विन-पियोत्रोव्स्का भी शामिल थीं। राष्ट्रपति कार्यालय ने संसद में ली गई इस शपथ को मान्यता नहीं दी। संवैधानिक ट्रिब्यूनल के प्रमुख बोगदान श्चिएंत्सकोव्स्की ने भी इन चारों जजों को अदालत में काम करने की अनुमति नहीं दी। इससे विवाद और बढ़ गया। टस्क सरकार का कहना था कि संसद से चुने गए जजों को काम करने से रोकना गलत है। दूसरी तरफ, राष्ट्रपति और क्वक्स का कहना था कि जजों की नियुक्ति में संविधान के नियमों का पालन होना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों ने हाथों में सरकार विरोधी पोस्टर ले रखे थे। इन पर लिखा था- %कम्युनिस्टों और टस्क की सरकार को हटाओ% और %देश को बर्बाद करना बंद करो%।

जज ने ट्रिब्यूनल के प्रमुख और उपप्रमुख को क्यों निलंबित किया?

दरअसल, संवैधानिक ट्रिब्यूनल के प्रमुख बोगदान श्चिएंत्सकोव्स्की लगातार उन चार नए जजों को काम करने की अनुमति नहीं दे रहे थे, जिन्हें राष्ट्रपति ने शपथ नहीं दिलाई थी। इनमें अन्ना कोर्विन-पियोत्रोव्स्का भी शामिल थीं।
शु वार को अन्ना ने श्चिएंत्सकोव्स्की और उनके डिप्टी बार्तलोमिए सोचान्स्की को एक महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया। उनका आरोप था कि नए जजों को काम नहीं करने देने से अदालत का कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि अदालत का काम सामान्य तरीके से चलाने के लिए यह कदम जरूरी है। इसके बाद अन्ना ने खुद ट्रिब्यूनल की जिम्मेदारी संभालने की घोषणा कर दी। लेकिन इस फैसले को लेकर एक नया विवाद खड़ा हो गया। विपक्ष का कहना है कि अन्ना को ट्रिब्यूनल का नेतृत्व करने का अधिकार नहीं है, क्योंकि राष्ट्रपति ने उन्हें जज के तौर पर शपथ नहीं दिलाई थी। प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने अपनी सरकार के फैसलों का बचाव किया है। उन्होंने ङ्क पर लिखा, %क्वक्स के शासन में सालों तक कानून का उल्लंघन हुआ।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं:15 दिन पहले भी यहां हमले में 4 मौतें हुई थी; सऊदी पर भी ड्रोन अटैक

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी क्वक्क के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी।
राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया।

अदन यमनी सरकार का हेड्क्वार्टर

अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं।
इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है।

सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावा

सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है।
मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं।
सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि, हूतियों ने इस आरोप को खारिज कर दिया था।
हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं।

दिल्ली-एनसीआर में 5 से 20 नवंबर तक कंस्ट्रक्शन गतिविधियों पर रोक

- **बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए केंद्र सरकार ने उठाया बड़ा कदम**

एजेन्सी, **नई दिल्ली**

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कि 5 नवंबर से 20 नवंबर तक पूरे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में निर्माण और तोड़फोड़ से जुड़ी सभी गतिविधियों पर पूरी तरह रोक लगाने का ऐलान किया है। इस दौरान सभी संबंधित एजेंसियों को आदेश का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार का यह फैसला सर्दियों में प्रदूषण के स्तर में होने वाली बढ़ोतरी को देखते हुए लिया गया है।
दरअसल, दिल्ली में पिछले कुछ दिनों से हवा की गुणवत्ता में उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक, बुधवार और गुरुवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 200 से ऊपर यानी खराब कैटेगरी में बना हुआ था। हालांकि, शुक्रवार सुबह 4 बजे तक इसमें सुधार दर्ज किया गया और अदकघटकर 133 पर पहुंच गया, जो मध्यम कैटेगरी में आता है। दिल्ली में गुरुवार रात हुई लगातार बारिश को हवा की गुणवत्ता में सुधार की एक प्रमुख वजह माना जा रहा है। बारिश के कारण तापमान में गिरावट आई और मौसम में ठंडक बढ़ गई। हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन और जामिया मिल्लिया इस्लामिया समेत कई इलाकों में रात के दौरान तेज बारिश देखने को मिली। इससे दिल्ली-ठउफके मौसम में भी बदलाव आया। इससे पहले, भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 29 अक्टूबर को दिल्ली और आसपास के ठउफजिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया था। विभाग ने अगले 24 से 48 घंटों के दौरान बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया था।

अमेरिकी नाकेबंदी को चकमा देकर ईरान ने सैन्य सामान खरीदा-रिपोर्ट- 5000 फर्जी एजेंसियों का नेटवर्क बनाया, चीन-रूस से मंगवाए मिसाइलों के पुर्जे

तेहरान। अमेरिका ने ईरान पर कई तरह के प्रतिबंध लगा रखे हैं। समुद्र में अमेरिकी नाकेबंदी के चलते उसके लिए दूसरे देशों से सैन्य सामान मंगाना भी मुश्किल है। इसके बावजूद ईरान ने हथियारों की सप्लाई जारी रखी।
रॉयटर्स की एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान ने 5000 से ज्यादा फर्जी सरकारी एजेंसियों का नेटवर्क बनाया। इनके जरिए चीन, रूस और दूसरे देशों से मिसाइलों के पुर्जे, विस्फोटक, रॉकेट का ईंधन बनाने वाले केमिकल और भारी ट्रक खरीदे गए।

ईरान ने तेल बेचकर सैन्य सामान खरीदा

जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच इस नेटवर्क के जरिए करीब 2 लाख करोड़ रुपए का सामान खरीदा गया। यह पूरा नेटवर्क ईरान के रक्षा मंत्रालय और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स से जुड़ा है।
इस नेटवर्क के जरिए ईरान तेल बेचकर मिलने वाले पैसों से सैन्य सामान खरीदता था। इसके लिए बिचौलियों और विदेशों में बनी फर्जी कंपनियों की मदद ली जाती थी। जांच रिपोर्ट में पता चला कि यह तरीका 2016 से इस्तेमाल हो रहा था।

एजेंसियों के नाम में छिपा था नेटवर्क का राज

रॉयटर्स ने इजराइल-अमेरिका की रिस्क कंसल्टेंसी '240 एनालिटिक्स' के साथ मिलकर इस नेटवर्क की जांच की। इसमें पता चला कि इन एजेंसियों के नाम स्क्वष्ठ से शुरू होते थे और आगे 5 या 6 अंकों का नंबर होता था।
इनके दस्तावेजों में ईरान के रक्षा मंत्रालय का तेहरान वाला पता और बनने की तारीख 11 फरवरी 1979 दर्ज थी। इसी दिन अयातुल्ला खुमैनी ने ईरान की सत्ता संभाली थी।
हालांकि, रिकॉर्ड के मुताबिक ज्यादातर एजेंसियां 2013 में बनाई गई थीं। उस समय अमेरिकी प्रतिबंधों से ईरान का तेल कारोबार प्रभावित हो रहा था। इन एजेंसियों ने अपनी पहचान छिपाने के लिए बिचौलियों और विदेशों में फर्जी कंपनियों का सहारा लिया। इन्हें ट्रस्टी कहा जाता है। ये लोग तेल बेचकर मिले पैसों से सैन्य सामान खरीदते थे। रॉयटर्स ने जिन सौदों की जांच की, उनमें 97त्न खरीदारी बिना सीधे पैसे भेजे हुई थी। यानी एक देश से दूसरे देश में रकम ट्रांसफर करने की जरूरत नहीं पड़ी। इससे अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग सिस्टम की नजर से बचना आसान हो गया।

लीक हुए बैंक दस्तावेजों से मिला सुराग

इस नेटवर्क का पता जून 2025 में '240 एनालिटिक्स' के अर्थशास्त्री नोआम बिनस्टॉक को चला। वह बैंक सेपाह के लीक हुए दस्तावेजों की जांच कर रहे थे। यह बैंक ढ्वक्सष्ट के कर्मचारियों को वेतन भी देता है। ये दस्तावेज टेलीग्राम और विकीईरान वेबसाइट पर सामने आए थे। इन दस्तावेजों के मुताबिक, दिसंबर 2024 के आखिर में 36 एजेंसियों के पास करीब 1.2 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा थी। बाकी एजेंसियों के पास करीब 1.8 अरब डॉलर के बराबर ईरानी मुद्रा थी। जांच में पता चला कि ये एजेंसियां तेल से होने वाली कमाई हासिल कर रही थीं और उससे ऐसे सामान खरीद रही थीं, जिनका इस्तेमाल हथियार बनाने में भी हो सकता है।
हर एजेंसी का 11 अंकों का अलग पहचान नंबर था। यही नंबर शिपिंग दस्तावेजों, बिलों और बैंक खातों में भी दर्ज था। इससे फर्जी कंपनियों के पीछे छिपे इस पूरे नेटवर्क का पता लगाना संभव हुआ।

इन सीक्रेट एजेंसियों ने क्या-क्या खरीदा?

स्क्वष्ठ 346428 नाम की एक एजेंसी ने जनवरी 2025 से जून 2026 के बीच 2.3 अरब डॉलर का सामान खरीदा। इसमें रॉकेट ईंधन बनाने वाले केमिकल, विस्फोटक और हथियारों के पुर्जे शामिल थे। जनवरी से अप्रैल 2025 के बीच इसने चीन से 886 टन सोडियम क्लोरेट और परक्लोरेट जैसे केमिकल मंगाए। इनका इस्तेमाल ठोस ईंधन वाले रॉकेट बनाने में होता है। रॉयटर्स के मुताबिक, 26 अप्रैल 2025 को शाहिद रजाई बंदरगाह पर हुए विस्फोट की वजह भी सोडियम परक्लोरेट था। कंटेनरों में आग लगने से यह केमिकल फट गया था। हादसे में 70 लोगों की मौत हुई और 1,200 से ज्यादा घायल हुए। वहीं, एक एजेंसी ने 435 इवेको ट्रक भी खरीदे, जिन्हें बदलाव करके मोबाइल मिसाइल लॉन्चर बनाया जा सकता है।

युद्ध शुरू होने के बाद भी जारी रही खरीदारी

रॉयटर्स की जांच के मुताबिक, 28 फरवरी को युद्ध शुरू होने के बाद भी ईरान में सामान पहुंचता रहा। युद्ध के दौरान मार्च में ईरान का मासिक आयात 47त्न घटकर 5.4 करोड़ डॉलर रह गया।

न्यूज ब्रीफ

क्रिप्टो करेंसी एक्सचेंज बाइनेंस को हैक कर 60 हजार करोड़ ठगे

साइबर ठगों ने ठगने के नए-नए तरीके खोज कर किसी को भी चूना लगाने का काम कर रहे हैं। दुनिया का सबसे बड़ा क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज बाइनेंस हैक हो गया है। इसे इतिहास की सबसे बड़ी क्रिप्टो हैकिंग माना जा रहा है। कंपनी ने निकासी पर रोक लगा दी है। यानी, सुरक्षा जांच पूरी होने तक बाइनेंस अकाउंट में मौजूद पैसा या क्रिप्टो बाहर निकाला जा सकता है। इस हैकिंग में साइबर हमलावरों ने बाइनेंस के ट्रांजैक्शन वॉलेट्स से महज 20 मिनट में 6.3 बिलियन डॉलर यानी करीब 60,000 करोड़ रुपए के क्रिप्टो एसेट्स चुरा लिए। घटना के बाद बिटकॉइन समेत कुछ अन्य क्रिप्टो में 5% से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई है। ब्लॉकचेन रिसर्च फर्म TRM लैब्स के मुताबिक इस हैकिंग के पीछे नॉर्थ कोरिया का हाथ है। क्रिप्टोकरेंसी एक तरह का डिजिटल पैसा है, जिसे ऑनलाइन खरीदा-बेचा जा सकता है। इसे कोई सरकार या बैंक जारी नहीं करता, बल्कि यह ब्लॉकचेन तकनीक से चलता है।

ट्रूकॉलर लाइट भारत में लेकर आया हैं दमदार फीचर्स

फेस्टिव सीजन के व्यस्त माहौल से पहले लॉन्च किया गया ट्रूकॉलर लाइट ऐसे एंड्रॉइड फोन के लिए बना है, जिनमें स्टोरेज और मेमोरी कम होती है। लेकिन इसमें भी वही स्कैम इंटेलिजेंस तकनीक मौजूद है, जिसने 2025 में 68 बिलियन से ज्यादा स्पैम और फ्रॉड कॉल्स की पहचान की थी। ट्रूकॉलर ने आज भारत में अपने नए ऐप, ट्रूकॉलर लाइट के लॉन्च की घोषणा की, जो कम स्टोरेज और मेमोरी वाले एंड्रॉइड फोन पर भी लोगों को कॉल करने वाले की पहचान जानने और अनचाहे कॉल्स को ब्लॉक करने की वही सुरक्षा देता है, जिस पर वे सबसे ज्यादा भरोसा करते हैं। लगभग 10 MB का यह ऐप कुछ ही पलों में इंस्टॉल हो जाता है, तुरंत खुलता है और 4GB तक RAM वाले फोन में भी बड़े आराम से चलता है। यह लॉन्च ऐसे वक्त पर हुआ है जब भारत में लोग त्योहारों की खरीदारी में सबसे ज्यादा व्यस्त रहते है। लाखों लोगों के लिए उनका फोन ही पेमेंट करने, डिलीवरी लेने और अपनों से जुड़े रहने का जरिया है, लेकिन अक्सर इन फोन में स्टोरेज की कमी होती है और फिर त्योहारों के दौरान फोटो एवं वीडियो लेने और फॉरवर्ड किए गए मैसेज जमा होने के बाद फोन में स्टोरेज काफी कम रह जाती है। बहुत से यूजर्स ने ट्रूकॉलर के लाइट वर्जन वाले ऐप की माँग की थी, जिसे ध्यान में रखते हुए ट्रूकॉलर लाइट को इस तरह डिजाइन किया गया है कि फोन में स्टोरेज कम होने के बावजूद आपकी सुरक्षा हमेशा बनी रहे।

भारत-रूस आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने की कवायद

सीमा-पार व्यापार के अवसरों की तलाश कर, भारतीय तथा रूसी हितधारकों के बीच मजबूत संबंध बनाना

एजेन्सी, नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय व्यापार एवं प्रतिनिधिमंडल महासंघ (आईटीडीएफसी) के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) बेन्सी जॉर्ज के नेतृत्व में एक भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने रूस के तातारस्तान गणराज्य के कजान में आयोजित 'टाइम बिजनेस फोरम' में हिस्सा लिया। आईटीडीएफसी के मुख्य परिचालन अधिकारी बेन्सी जॉर्ज ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भारत-रूस आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाना, सीमा-पार व्यापार के अवसरों की तलाश करना और भारतीय तथा रूसी हितधारकों के बीच एक मजबूत संबंध को स्थापित करना था।बेन्सी जॉर्ज ने कहा कि रूस के तातारस्तान गणतंत्र की राजधानी काजान में आयोजित इस बिजनेस फोरम में अंतरराष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक साझेदारियों को बढ़ाने की भारत की प्रतिबद्धता और मजबूत करने के लिए उनकी भागीदारी यह दर्शाती है कि दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने के लिए सार्वजनिक नेतृत्व, उद्योग जगत और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार नेटवर्क को आपस में जोड़ना कितना महत्वपूर्ण है।

भारत-रूस व्यापार और आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाना: जॉर्ज ने कहा कि पूर्ण सत्र (प्लेनरी सेशन) के दौरान हरीश खुराना ने भारत-रूस व्यापार संबंधों को मजबूत करने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने द्विपक्षीय आर्थिक विकास के नए अवसर को खोलने के लिए गहरे व्यावसायिक जुड़ाव,

संस्थागत सहयोग और निरंतर बातचीत पर जोर दिया। तातारस्तान इन्वेस्टमेंट डेवलपमेंट एजेंसी (टीआईडीए) की प्रमुख सुश्री तालिया मिनुलिना ने भी सभा को संबोधित किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय व्यापार सहयोग और इसमें शामिल पक्षों के बीच मजबूत साझेदारी पर हुई चचाओं में अपना योगदान दिया।

संवाद से व्यावसायिक अवसरों तक: मुख्य चचाओं के अलावा भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने बी2बी बैठकों, पेशेवर आदान-प्रदान, दौरों और विभिन्न संस्थानों के भ्रमण में हिस्सा लिया। इन गतिविधियों के माध्यम से हितधारकों के साथ सीधी बातचीत हुई, संभावित व्यावसायिक साझेदारियों की तलाश की गई, और भविष्य में सहयोग के लिए नए क्षेत्रों की पहचान की गई।

प्रतिनिधिमंडल की इस भागीदारी ने व्यापार कूटनीति के एक मुख्य उद्देश्य को रेखांकित किया: व्यवसायों, संस्थानों और जन-प्रतिनिधियों के बीच ऐसे सार्थक संबंध बनाना, जो भविष्य में निरंतर व्यावसायिक जुड़ाव का मार्ग प्रशस्त कर सकें।

वैश्विक व्यापार कूटनीति के प्रति आईटीडीएफसी की प्रतिबद्धता: टाइम बिजनेस फोरम में भागीदारी, रणनीतिक व्यापार प्रतिनिधिमंडलों, व्यापार कूटनीति, संस्थागत साझेदारियों और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्किंग के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय बाजारों के साथ भारत के आर्थिक जुड़ाव को आगे बढ़ाने की।ITDFC की व्यापक प्रतिबद्धता को दशार्ती है। भारतीय व्यवसायों और विदेशी हितधारकों के बीच सीधे संवाद के लिए मंच तैयार करके आईटीडीएफसी का उद्देश्य बाजार तक पहुंच आसान बनाना, निवेश को प्रोत्साहित करना, व्यावसायिक साझेदारियों को बढ़ावा देना और दीर्घकालिक आर्थिक संबंधों को मजबूत करना है। यह संगठन लगातार ऐसे अंतरराष्ट्रीय सहयोग के अवसर तलाशता रहता है, जो भारतीय उद्यमों को उभरते बाजारों से जोड़ सकें और वैश्विक व्यावसायिक परिवेश में उनकी भागीदारी को मजबूत कर सकें।

आगामी अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक गतिविधियां: आने वाले महीनों में आईटीडीएफसी के पोलैंड और दक्षिण अफ्रीका में व्यावसायिक प्रतिनिधिमंडलों का नेतृत्व करने की उम्मीद है। साथ ही, संबंधित कार्यक्रमों और व्यवस्थाओं के आधार पर, इसके स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित होने वाली 'वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम' की वार्षिक बैठक में भी भाग लेने की संभावना है। इन प्रस्तावित गतिविधियों का उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार साझेदारियों का विस्तार करना, निवेश के अवसरों को बढ़ावा देना, व्यवसायों के बीच आपसी संबंधों को मजबूत करना और रणनीतिक व्यापार कूटनीति के माध्यम से वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में भारत की भागीदारी को आगे बढ़ाना है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला एच. जी.एस. इंडिया का आईपीओ

एजेन्सी, नई दिल्ली

सिस्मिक डेटा कलेक्शन और जियोफिजिकल इक्विपमेंट सेक्टर की कंपनी एचजीएस (इंडिया) लिमिटेड का 34.56 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन ही ये आईपीओ फुली सब्सक्राइब हो गया। दिन का अंत होने तक इस आईपीओ को 1.16 गुना सब्सक्रिप्शन मिल चुका था। कंपनी के इस आईपीओ में निवेशक 3 नवंबर तक बोली लगा सकते हैं। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 4 नवंबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 5 नवंबर को सफल निवेशकों के डीमैट अकाउंट में शेयर क्रेडिट कर दिए जाएंगे। इसी दिन जिन निवेशकों को शेयर का अलॉटमेंट नहीं हुआ होगा, उनके लिए रिफंड की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी। कंपनी के शेयर 6 नवंबर को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 114 रुपये से लेकर 120 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 1,200 शेयरों का है। रिटेल इंवेस्टर्स इस इश्यू में कम से कम दो लॉट यानी 2,400 शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं, जिसके लिए उन्हें 2,88,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 28.80 लाख शेयर जारी किए जा रहे हैं। इसमें 27.91 करोड़ रुपये मूल्य के 23.26 लाख नए शेयर जारी किए जा रहे हैं, जबकि प्रमोटर और अन्य शेयर होल्डर्स द्वारा 6.65 करोड़ रुपये मूल्य के 5.54 लाख शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए की जा रही है।

आईपीओ के बाद जियो प्लेटफॉर्म का एक और बड़ा धमाका, 14 फीसदी बढ़ा मुनाफा

एजेन्सी, नई दिल्ली

जियो प्लेटफॉर्म ने जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी किए हैं, जिसमें साफ दिख रहा है कि कंपनी का प्रदर्शन उम्मीद से भी बेहतर रहा। चालू वित्तवर्ष की दूसरी तिमाही में जियो प्लेटफॉर्म का शुद्ध मुनाफा 14 फीसदी बढ़ गया है, जबकि उसकी कमाई भी पिछले साल की समान तिमाही के मुकाबले 11 फीसदी बढ़ी है।

जियो प्लेटफॉर्म के आईपीओ ने शेयर बाजार में जोरदार एंट्री करने के बाद अपने तिमाही रिजल्ट से भी सभी को चौंका दिया है। जियो प्लेटफॉर्म ने जुलाई-सितंबर के तिमाही नतीजे जारी किए, जिसमें कंपनी का शुद्ध मुनाफा 14 फीसदी बढ़कर 8,389 करोड़ रुपये पहुंच गया है। दूसरी तिमाही में कंपनी का राजस्व 11 फीसदी बढ़कर 47,485 करोड़ रुपये पहुंच गया है। जियो प्लेटफॉर्म ने रिलायस समूह की सभी कंपनियों में सबसे ज्यादा मुनाफा कमाया है।

जियो प्लेटफॉर्म ने अपने तिमाही रिजल्ट में बताया है कि पिछले साल की दूसरी तिमाही में उसका शुद्ध मुनाफा 7,379 करोड़ रुपये था, जबकि कुल कमाई 42,652 करोड़ रुपये थी। कंपनी की टैक्स देनदारी पूर्व कमाई यानी EBITDA भी बढ़कर 21,879 करोड़ रुपये पहुंच गई है। जीएसटी देनदारी के बाद कंपनी का कुल रेवेन्यू 11.4 फीसदी बढ़कर 40,475 करोड़ रुपये पहुंच गया है, जो पिछले साल की समान अवधि में 36,332 करोड़ रुपये रहा था।

जियो प्लेटफॉर्म की प्रति ग्राहक कमाई भी दूसरी तिमाही में बढ़ी है। कंपनी ने बताया कि उसकी प्रति ग्राहक कमाई बढ़कर 218.8 रुपये पहुंच गई है।

सोनाटा गोल्ड ने सोने के सदाबहार आकर्षण को धनतेरस के लिए के लिए नए रूप में पेश किया

एजेन्सी, मुंबई

सोनाटा लेकर आए हैं अपने सोनाटा गोल्ड कलेक्शन का नया रूप। खासतौर पर धनतेरस के लिए पेश किए गए इस कलेक्शन में शानदार डिजाइन और नए रंगों का संयोजन देखने को मिलता है। समृद्धि, सौभाग्य और नई शुरूआत के प्रतीक के रूप में सोने के महत्व को ध्यान में रखते हुए, यह कलेक्शन पारंपरिक त्योहारों को आधुनिक डिजाइन और रोजमर्रा की उपयोगिता के साथ एक नया रूप देता है। यह सोने के महत्व को ऐसी घड़ी के रूप में पेश करता है, जिसे आप त्योहारों के बाद भी पहन सकते हैं और हमेशा संजोकर रख सकते हैं। परंपरा और रोजमर्रा की जरूरत का बेहतरीन संयोजन होने के कारण, यह कलेक्शन आपकी त्योहारों की खरीदारी को खास बना देगा। क्योंकि यह आपके अपने स्टाइल और त्योहार की भावना को एक साथ लाता है।

सोनाटा का नया गोल्ड कलेक्शन नए रंगों - ब्लू और ग्रीन - में उपलब्ध है, जिसके साथ एक आकर्षक गोल्ड-टोन बेजेल दिया गया है। डायल पर बना सुंदर पैटर्न इसे गहराई देता है, जबकि नीचे के हिस्से में बीचों-बीच एक रिंग से घिरा 22 कैरेट सोने का सिक्का इस घड़ी की सबसे खास पहचान है। ऐसे समय में जब सोने की कीमत लगभग रु14,400 प्रति ग्राम है, यह कलेक्शन सोने की खरीदारी को और अधिक सुलभ बनाता है। यह ग्राहकों के लिउ धनतेरस पर सोना खरीदने की परंपरा को एक आधुनिक अंदाज में बदल देता है।

इस कलेक्शन की हर घड़ी धनतेरस की भावना को संजोने का एक बेहतरीन जरिया है। क्राउन पर की गई बारीक, बेहतरीन इंडेक्स, नए डिजाइन वाली मिनट रिंग और बेहतर सुइयाँ, इन घड़ियों को एक शानदार फिनिश देती हैं और डायल को पढ़ने में भी आसान बनाती हैं। सोने के सांस्कृतिक महत्व और आधुनिक डिजाइन का मेल होने के कारण, इस कलेक्शन की घड़ियां उन लोगों के लिए बेहतरीन हैं, जो शुभ अवसर की भावना को अपने रोजमर्रा के जीवन में भी शामिल करना चाहते हैं।

इस अवसर पर टाइटन कंपनी लिमिटेड में सोनाटा ब्रांड के हेड, पुलक नारायण ने कहा, 'सोनाटा गोल्ड', सोनाटा का एक प्रमुख प्रोडक्ट रहा है। इसमें बेहतरीन डिजाइन और सोने का मूल्य दोनों शामिल हैं, जो धनतेरस जैसे शुभ अवसर के लिए एकदम परफेक्ट हैं। सोनाटा गोल्ड के साथ हमारे ग्राहक कीमती और पारंपरिक खरीददारी कर सकते हैं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.27 अरब डॉलर घटकर 719.75 अरब डॉलर पर

एजेन्सी, नई दिल्ली

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 30 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते में 1.27 अरब डॉलर और गिरकर 719.75 अरब डॉलर रह गया है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार छठे हफ्ते गिरावट दर्ज हुई है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया कि इससे पहले 16 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.01 अरब डॉलर घटकर 721.01 अरब डॉलर रहा था। आंकड़ों के अनुसार 23 अक्टूबर को समाप्त हफ्ते के दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां भी 1.35 अरब डॉलर बढ़कर 593.20 अरब डॉलर हो गईं। आरबीआई ने कहा कि इस अवधि में भंडार का मूल्य 2.65 अरब डॉलर घटकर 103.15 अरब डॉलर रह गया। साथ ही विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 27 लाख डॉलर बढ़कर 18.60 अरब डॉलर हो गए।

बुर्ज खलीफा और यूनिवर्सल स्टूडियोज की टिकट यूपीआई से मिलेगी

अब यूएई और सिंगापुर समेत 10 देशों में पेमेंट शुरू; उज्बेकिस्तान बनेगा 11वां देश

नई दिल्ली

विदेश घूमने जाने वाले भारतीयों के लिए अच्छी है। अब दुबई के बुर्ज खलीफा और सिंगापुर के यूनिवर्सल स्टूडियोज जैसी मशहूर जगहों के टिकट बुक करने के लिए इंटरनेशनल डेबिट/डेबिट कार्ड या इंटरनेशनल पेमेंट गेटवे के झंझट खत्म हो गई है।

वित्त मंत्रालय ने बताया है कि यूएई की इंटरनेशनल ब्रांच ने दोनों जगहों पर यूपीआई से पेमेंट करने की सुविधा शुरू कर दी है। इसके साथ ही 10 देशों में आप यूपीआईपेमेंट कर सकते हैं और जल्द ही उज्बेकिस्तान भी इस लिस्ट में जुड़ने वाला 11वां देश बनने वाला है।

बुर्ज खलीफा में यूपीआई पेमेंट पाने वाला पहला टूरिस्ट स्पॉट

यूपीआई में दुनिया की सबसे ऊंची बिल्डिंग बुर्ज खलीफा के ऑब्जर्वेशन डेक की टिकट अब आप सीधे अपने यूपीआई से ऑनलाइन बुक कर सकते हैं। इसके लिए ने नीओपे और एमार एंटरटेनमेंट के पार्टनरशिप की है। यूपीआई में ऑनलाइन पेमेंट और ई-कॉमर्स के लिए यूपीआई की सुविधा देने वाला बुर्ज खलीफा पहला बड़ा टूरिस्ट स्पॉट बन गया है।

सिंगापुर के यूनिवर्सल स्टूडियोज में भी यूपीआई चलेगा

सिंगापुर में यूपीआई ने वहां की पेमेंट कंपनी फोमो पे के साथ हाथ मिलाया है। अब आप रिसॉर्ट्स वर्ल्ड सेंटोसा के बड़े टूरिस्ट स्पॉट्स जैसे- यूनिवर्सल स्टूडियोज सिंगापुर, सिंगापुर ओशनेरियम और एडवेंचर कोव वॉटरपार्क की टिकटें सीधे अपने यूपीआई से ऑनलाइन खरीद सकते हैं।

उज्बेकिस्तान बनेगा यूपीआई से जुड़ने वाला 11वां देश

भारत अपने डिजिटल पेमेंट सिस्टम यूपीआई को पूरी दुनिया में लगातार मजबूत बना रहा है। अभी दुनिया के 10 बड़े देशों में यूपीआई का इस्तेमाल हो रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा के दौरान 30 अगस्त 2026 को एक बड़ा बिजनेस समझौता हुआ है। इसके लागू होते ही उज्बेकिस्तान भी भारत के यूपीआई नेटवर्क से जुड़ने वाला 11वां देश बन जाएगा।

यूपीआई 2016 में लॉन्च हुआ था

यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस यानी यूपीआई को 2016 में लॉन्च किया गया। इसे नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने बनाया है। इसने आसान तरीके से सीधे बैंक खाते में पैसे ट्रांसफर करने की सुविधा दी। इससे पहले डिजिटल वॉलेट का चलन था। वॉलेट में चङ्गष्ट जैसी झंझट है, जबकि यूपीआई में ऐसा कुछ नहीं करना पड़ता।

यूपीआई को एनसीपीआई ऑपरेट करता है

भारत में एनसीपीआई और यूपीआई पेमेंट सिस्टम का ऑपरेशन RBI के पास है। IMPS, RuPay, UPI जैसे सिस्टम को नेशनल पेमेंट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ऑपरेट करती है। सरकार ने 1 जनवरी 2020 से यूपीआई ट्रांजैक्शन के लिए एक जीरो-चार्ज फ्रेमवर्क मैंडेटरी किया था।

चैटजीपीटी पर नहीं मिलेगी हथियारों की जानकारी

ओपनएआई ला रही सेफ्टी फीचर्स, हिंसक चैट भी नहीं कर सकेंगे, पैरेंट्स को मिलेगा अलर्ट

नई दिल्ली

चैटजीपीटी से अब हथियारों और सिक्योरिटी सिस्टम से जुड़ी जानकारियां नहीं मिलेंगी। कंपनी ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह टीनेजर्स के लिए हथियारों और सुरक्षा प्रणालियों से जुड़ी व्यावहारिक जानकारियों पर सख्त प्रतिबंध लगाएगी। यह नियम तब भी लागू होगा जब उपयोगकर्ता का सवाल देखने में सामान्य या बिना किसी हिंसक इरादे वाला लगे। दुनिया में हिंसा को रोकने के उद्देश्य से कंपनी यह नए सुरक्षा उपाय लागू कर रही है।

हिंसक चैट अपने-आप होगी बंद, बार-बार उल्लंघन पर अकाउंट पॉज

ओपनएआई के नए सुरक्षा नियम सभी यूजर्स पर लागू होंगे। यदि कोई यूजर बातचीत के दौरान लगातार हिंसा या किसी को नुकसान पहुंचाने जैसी बातों पर केंद्रितरहता है, तो चैटजीपीटी उस चैट सेशन को अपने-आप बंद कर देगा।

कंपनी ने यह भी बताया है कि यदि कोई यूजर बार-बार इस तरह की हिंसक बातें दोहराता है, तो उसका अकाउंट अस्थायी रूप से बंद कर दिया जाएगा।

इतिहास के बड़े हमलों के विवरण पर भी लगी रोक

ओपनएआई ने अतीत में हुए जनसंहारों की जानकारी देने के नियमों को भी सख्त बनाया है।

सभी यूजर्स के लिए पुराने सामूहिक हमलों के विस्तृत जानकारी तक पहुंच को सीमित कर दिया गया है।

इसमें हमलों में इस्तेमाल किए गए हथियारों के प्रकार और उन्हें हासिल करने के तरीकों से जुड़ी संवेदनशील जानकारियां अब चैटजीपीटी नहीं देगा।

अगले कुछ हफ्तों में लागू होंगे नए सुरक्षा फीचर्स

ओपनएआई ने बताया कि ये नए सेफ्टी फीचर्स अगले कुछ हफ्तों में चरणबद्ध तरीके से रोलआउट होना शुरू हो जाएंगे। कंपनी इन सुरक्षा उपायों का लगातार आकलन करेगी और जरूरत के हिसाब से इन्हें आगे भी अपडेट करती रहेगी।

रोजाना औसतन 15 मिनट ही चैटजीपीटी पर बिताते हैं टीन्स

ओपनएआई ने इस महीने की शुरुआत में टीनेजर्स द्वारा चैटजीपीटी के इस्तेमाल पर अपनी पहली रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट के अनुसार, किशोर यूजर रोजाना औसतन 15 मिनट से भी कम समय चैटजीपीटी पर बिताते हैं। इसके बावजूद कंपनी का मानना है कि युवाओं की सुरक्षा के लिए सुरक्षा मानकों को सख्त बनाना जरूरी है।

OTT REVIEW: अक्का

अतुल मोहन, फिल्म बिजनेस एनालिस्ट

कीर्ति-राधिका का अभिनय दमदार, उलझी रही कहानी

कलाकार: कीर्ति सुरेश, राधिका आप्टे, तन्वी आजमी, बो. जवश्री, निवेदिता भागवत, विशाक नायर, महेश मांजरेकर, अंशुमान पुष्कर और अन्य। **निर्देशक:** धर्मराज शेट्टी **निर्माता:** वाईआरएफ एंटरटेनमेंट **प्लेटफॉर्म:** नेटफ्लिक्स **एपिसोड:** 5 (प्रत्येक 38 मिनट का)

1985 के दौर में दक्षिण भारत के एक काल्पनिक इलाके में बनी 'अक्का' एक ऐसे समाज की कहानी है, जहां महिलाओं के हाथ में सत्ता है और पुरुषों से उनके बनाए नियमों का पालन करने की उम्मीद की जाती है।

STORY

अक्का और उसके परिवार को मिटाने की साजिश

पेरनुरु तीन कस्बों में बंटा हुआ है और हर कस्बे के अपने नियम और परंपराएं हैं। मुत्थक्का इस समाज को मुखिया है, जबकि भवानी रोजमर्रा के काम्काज को कुशलता से संभालती है। भवानी नंदा से प्यार करती है, लेकिन कबीले के नियमों के अनुसार शादी करना मना है। उनकी दुनिया में तब उथल-पुथल मच जाती है, जब शंकर के भेजने पर रुद्रा वहां पहुंचती है। उसका मकसद अक्का, उसके परिवार और मातृसत्तात्मक व्यवस्था को खत्म करना है। निजी बदले और कारोबारी हितों से प्रेरित होकर रुद्रा पेरनुरु में तबाही मचाने निकल पड़ती है।

ACTING

कीर्ति-राधिका के साथ सभी का काम प्रभावशाली

कीर्ति सुरेश ने दमदार अभिनय किया है और अपने स्क्रीन प्रेजेंस तथा हाव-भाव से दर्शकों का ध्यान खींचती हैं। राधिका आप्टे भी अपने किरदार में पूरी तरह जंचती हैं और उसे स्टाइलिश अंदाज में निभाती हैं। तन्वी आजमी अपने किरदार में रौब और अधिकार दिखाती हैं, जबकि खुद मुत्थक्का के रूप में मोनिका पंवार अपनी छाप छोड़ती हैं। विशाक नायर, पूजा मोहनराज और अंजलि पाटिल ने भी अच्छा अभिनय किया है।

DIRECTION

अनोखी दुनिया रचने में सफल रहे निर्देशक धर्मराज

धर्मराज शेट्टी एक अनोखी दुनिया बनाने और उसे भव्य स्तर पर पेश करने के लिए तारीफ के हकदार हैं। मातृसत्तात्मक समाज की पृष्ठभूमि ताजगी भरी लगती है और रुद्रा के आने से कहानी में रहस्य और तबाही का माहौल बनता है। एक्शन भी सीरीज को व्यावसायिक अंदाज देता है। हालांकि, कहानी बहुत तेजी से आगे बढ़ती है और इसमें इतने सारे किरदार और नियम हैं कि उनके आपसी रिश्तों को समझना मुश्किल हो जाता है।

CONCLUSION

'अक्का' का विषय नया है और कलाकारों ने अच्छा अभिनय किया है। हालांकि, उलझी हुई कहानी, बहुत सारे किरदार, सुविधाजनक घटनाक्रम और भावनात्मक जुड़ाव की कमी इसके असर को कम कर देते हैं।

स्पाई रविंद्र की लाइफ से मिला था 'उड़ता तीर' के क्लाइमैक्स का आइडिया: आकाश कौशिक

लेखक-निर्देशक आकाश कौशिक की हालिया फिल्म 'उड़ता तीर' है। एक खास बातचीत में उन्होंने इस फिल्म और 'भूल भुलैया 4' को लेकर भी बात की...

अमित कर्ण। मुंबई

▪ 'उड़ता तीर' के आइडिया को कब फिल्म में बदलने की दिशा मिली थी?

एक पाकिस्तानी जासूस के याददाश्त खोने और खुद को भारतीय जासूस समझने की कहानी मेरे दिमाग में काफी समय से थी। समस्या यह थी कि मुझे इसका क्लाइमैक्स नहीं मिल रहा था। फिर रविंद्र कौशिक जी के जीवन से प्रेरणा मिली। वह भारत के लिए पाकिस्तान गए थे और वहां पाकिस्तानी सेना में घुसपैठ करते हुए मेजर के पद तक पहुंचे थे। उनके जीवन के बारे में सोचने से मुझे अपनी काल्पनिक कहानी का क्लाइमैक्स मिला। किसी वास्तविक व्यक्ति का जीवन कभी-कभी फिक्शन को वह दिशा दे देता है, जो केवल कल्पना से निकालना मुश्किल होता है। रविंद्र कौशिक की कहानी ने मेरे लिए यही काम किया।

▪ कार्तिक और आयुष्मान की कॉमिक शैली में क्या अंतर पाते हैं?

दोनों बेहतरीन हैं और उनकी कॉमिक टाइमिंग भी बहुत अच्छी है लेकिन परफॉर्मेंस का तरीका अलग है। 'उड़ता तीर' में आयुष्मान अपने किरदार के भीतर रहते हैं, वह अपनी तरफ से अलग से कॉमेडी करने की कोशिश नहीं करते। वह अपने प्रदर्शन को जरूरत से ज्यादा लाउड होने से बचाने पर ध्यान देते थे। कई बार टेक के बाद पूछते थे कि उनका अभिनय सटल रहा या कहीं ज्यादा एक्सप्रेसिव हो गया। दूसरी तरफ, 'भूल भुलैया 2' और 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक ने रूह के किरदार को अलग ऊर्जा दी थी।

▪ क्या आप 'भूल भुलैया 4' को भी बतौर राइटर ही करना चाहेंगे?

जी, मैं इसे लिखने में ही खुश हूं। अनीस बज्मी भाई बहुत अच्छा काम करते हैं, तो मुझे वहां निर्देशन करने की क्या जरूरत है? हर फिल्म के लिए सही व्यक्ति का होना जरूरी है। 'उड़ता तीर' मेरे लिए निर्देशन का नया अनुभव है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि अब मैं सिर्फ निर्देशक बनना चाहता हूं। मुझे लिखना पसंद है और मैं लेखन से जुड़ा रहना चाहता हूं।

▪ आगे आप क्या करने वाले हैं?

मेरे पास एक-दो नए आइडिया जरूर हैं, लेकिन फिलहाल मैं 'उड़ता तीर' को मिल रहे प्यार का आनंद ले रहा हूं। मैं जॉनर चुनकर कहानी नहीं लिखता। पहले आइडिया मुझे उत्साहित करना चाहिए। अगर कहानी में दम है तो मैं किसी भी जॉनर में काम करने की कोशिश कर सकता हूं। 'उड़ता तीर' के बाद मुझे अपनी डायरेक्टोरियल चॉइस पर सकारात्मक प्रतिक्रियाएं मिली हैं।

'ऑपरेशन सिंदूर' में लीड रोल के लिए फाइनल हुए कार्तिक आर्यन

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री की अफकमिंग फिल्म 'ऑपरेशन सिंदूर' में लीड रोल के लिए कार्तिक आर्यन फाइनल हो गए हैं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कार्तिक को फिल्म की कहानी भी पसंद आ गई है। मेकर्स जल्द ही इसकी अनाउंसमेंट कर सकते हैं। लेफ्टिनेंट जनरल के.जे.एस. 'टाइनी' ढिल्लों की किताब 'ऑपरेशन सिंदूर: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ इंडियाज डीप स्ट्राइक्स इनसाइड पाकिस्तान' पर बेस्ड होगी। विवेक ने मार्च में सोशल मीडिया पर इस फिल्म का अनाउंसमेंट किया था। उन्होंने बताया था कि फिल्म की कहानी पहलगाम आतंकी हमले के बाद की घटनाओं पर आधारित होगी। इसके लिए भारतीय सेना की अलग-अलग टीमों के साथ मिलकर रिसर्च की गई है। विवेक के मुताबिक, फिल्म में उस सैन्य अभियान की कहानी दिखाई जाएगी, जिसका असर पूरे इलाके की सुरक्षा पर पड़ा। फिल्म में असली घटनाओं को तथ्यों के साथ दिखाने की कोशिश की जाएगी। इसका निर्माण भूषण कुमार की टी-सीरीज और विवेक के बैनर आई एम बुद्धा प्रोडक्शंस मिलकर करेंगे। यह पहली बार है, जब विवेक और कार्तिक किसी फिल्म में साथ काम करेंगे।

कार्तिक फिलहाल शिमित अमीन की फिल्म 'कैप्टन इंडिया' की शूटिंग कर रहे हैं।

'बॉर्डर 2' के बाद अहान शेट्टी ने शुरू की 'सनकी' के लिए इंटेंस तैयारी

सुनील शेट्टी के बेटे अहान शेट्टी अपनी फिल्मी पारी को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं। फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आने के बाद अब वह अपनी अगली फिल्म 'सनकी' की शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में दर्शकों को रोमांस के साथ एक्शन भी देखने को मिलेगा। फिल्म का निर्देशन टीनू सुरेश देसाई करेंगे। वह इससे पहले अक्षय कुमार की फिल्म 'रुस्तम' और 'मिशन रानीगंज' का निर्देशन कर चुके हैं। फिल्म की शूटिंग 30 अक्टूबर से भोपाल में शुरू होगी। निर्देशक टीनू सुरेश देसाई अपनी टीम के साथ भोपाल पहुंच चुके हैं। यहां फिल्म की शूटिंग से जुड़ी तैयारियां की जा रही हैं। फिल्म की कहानी ज्ञानेंद्र वासुदेव ने लिखी है। 'सनकी' को एक ऐसी फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें लव, इमोशन और एक्शन तीन दिखेंगा। इसमें अहान एक अलग तरह के किरदार में नजर आएंगे। कहानी में प्रेम के साथ कई उतार-चढ़ाव भी देखने को मिल सकते हैं। अहान के साथ एक्टर्स की लिस्ट भी अभी सामने नहीं आई है।

अहान स्टारर इस फिल्म की कहानी ज्ञानेंद्र वासुदेव ने लिखी है।

फैमिली टाइम

DIY

दिवाली पर घर सजाएं रंगीन और अनोखे सजावटी पटाखों से

इस दिवाली घर पर ही साधारण चीजों से रंगीन सजावटी पटाखे बनाएं। ये पर्यावरण के अनुकूल होंगे और फूलों के गुलदस्ते की खूबसूरती भी बढ़ाएंगे।

आवश्यक सामग्री :- • कार्डबोर्ड या गत्ते के पाइप्स • रंग-बिरंगे कपड़े या साटन के टुकड़े • सजावटी गोटा-किनारी और लेस • सुनहरी और चमकीली लड़ियां या लटकन • लंबी लकड़ी की डंडियां या स्कीवर • ग्लू गन या गोंद • कैंची

ये 5 स्टेप्स फॉलो करें...

1. सबसे पहले गत्ते के छोटे टुकड़ों को शंकु और बेलन के आकार में काटकर रॉकेट का ढांचा बनाएं।
2. इस ढांचे के ऊपर सुंदर रंगीन कपड़े और चमकती हुई गोटा-किनारी या लेस को ग्लू की मदद से अच्छी तरह चिपका दें।
3. गोल चकरी नुमा सजावट के लिए मोटी डोरी या कपड़े को स्पाइरल मोड़कर उसके केंद्र में सुंदर गोटा या शीशे को चिपकाएं।
4. पटाखा नुमा इन आकृतियों के नीचे सुनहरी लटकन और लंबी डंडियां जोड़ें ताकि इन्हें आसानी से गुलदस्ते में सजाया जा सके।
5. तैयार सभी सजावटी पटाखों को एक सुंदर फूलदान में गेंदे के फूलों के साथ व्यवस्थित करें। आपका इको-फ्रेंडली दीवाली डेकोर तैयार है।

घर की सूनी दीवार को दें बोहो स्टाइल का खूबसूरत लुक

बोहो स्टाइल आजकल घर की सजावट में काफी पसंद किया जा रहा है। आप भी घर पर आसानी से बोहो वॉल हैंगिंग बना सकती हैं। इससे कमरे की खाली दीवार को सुंदर और नया लुक मिलेगा...

आवश्यक सामग्री :- • दो गोल रिंग (लोहे या लकड़ी के) • जूट की रस्सी • सफेद और भूरे रंग की सूती डोरियां • लकड़ी के छोटे-बड़े मोती • लटकन • ग्लू गन

ये 4 स्टेप्स फॉलो करें...

1. **रिंग तैयार करें:** सबसे पहले दोनों गोल रिंगों के चारों ओर जूट की रस्सी को कसकर लपेट लें ताकि एक नेचुरल बेस तैयार हो जाए।
2. **डोरियां सेट करें:** अब दोनों रिंगों के बीच अलग-अलग लंबाई में सफेद और भूरे रंग की सूती डोरियों को बांधें, जिससे एक सुंदर नीचे की तरफ झुकता हुआ कर्व बने।
3. **मोती पिरोएं:** इन लटकती हुई डोरियों में अपनी पसंद के अनुसार लकड़ी के मोतियों को पिरोकर एक आकर्षक पैटर्न तैयार करें।
4. **अंतिम सजावट:** अंत में, किनारों और नीचे की तरफ छोटे टैसल्स और लटकन जोड़कर इसे फाइनल टच दें। आपका बोहो वॉल हैंगिंग तैयार है।

कंटेंट : डीआईवाई आर्टिस्ट मोनिका बड़कुल

उलझ गए!

शब्द खोज

संकेतों के आधार पर गोले में लिखे अक्षरों की सहायता से शब्द बनाएं। रंगीन गोले का अक्षर प्रत्येक शब्द में आना अनिवार्य है।

संकेत:-

1. गहनपन, गंभीरता, गहनता।
2. चाय की तरह एक पेय पदार्थ।
3. छोकर ले जाने वाला।
4. साक्षी।
5. न सुनने वाला।
6. रास्ता, पथ।
7. एक रंग।
8. धुरे की कटोरी।
9. वायु, पवन।
10. अधिकार, दावा।

सुडोकू

कैसे खेलें?

1 से 9 तक के अंकों को खाली वर्गों में इस तरह लिखें कि किसी भी समानांतर या लंबवत पंक्ति या 3×3 वर्गों वाले ब्लॉक के रिक्त वर्गों में कोई भी अंक दुबारा न आ पाए। पहले से लिखे अंक नहीं बदले जा सकते। इस पहेली का एक ही हल होगा।

	1	6		4		9		5
2				5				6
		9	6		8	7	4	
1			4			2		7
		7			1		9	
	2			8			1	
5			8			3		
		3		7			5	
	8		5		4			9

SPOKES

Make meaningful words based on the clues. The last letter of all answers will be 'C'.

CLUES

1. A stupid person.
2. A group of countries in special alliance.
3. Abbreviation for the term 'Executive'.
4. A state, royal, or national treasury.
5. Abbreviation for 'Delhi Metro Rail Corporation'.
6. A long narrative poem telling of a hero's deeds.

नोट : आज की पहेलियों के सही उत्तर अगले अंक में प्रकाशित होंगे।

कल प्रकाशित पहेलियों के हल

अष्ट योग का हल

2	5	4	1	3
3	24	2	23	5
5	2	1	3	4
1	24	3	21	2
4	3	5	2	1

बढ़ता क्रम का हल

1	बे					
2	बे	ला				
3	बे	का	र			
4	बे	र	ह	म		
5	बे	ल	बॉ	ट	म	
6	बे	न	जी	र	भु	ड़ो

चित्र पहेली का हल

शब्दगोल का हल

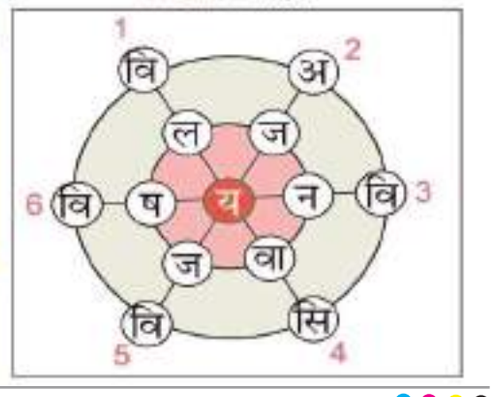

लॉजिक गेम का हल

सही उत्तर चींटी है, जो एक कीट है। अन्य सभी एरेक्निडा वर्ग के जीव हैं।

आईपीएल 2027: मुंबई इंडियंस में बड़ा फेरबदल, नई टीम के साथ खिताब पर नजर

पोलार्ड बने हेड कोच, उथप्पा-मैक्लेनघन की भी वापसी, धवल तराशेंगे गेंदबाज

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल 2027 से पहले पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस ने अपनी तैयारियों को नई दिशा देते हुए कोचिंग टीम में बड़ा बदलाव किया है। फ्रैंचाइजी ने आगामी सत्र के लिए अपने नए कोचिंग स्टाफ की घोषणा कर दी है। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर कीरोन पोलार्ड को टीम का मुख्य प्रशिक्षक बनाया गया है। वहीं, भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा को बल्लेबाजी प्रशिक्षक और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को गेंदबाजी प्रशिक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इसके अलावा भारतीय टीम के पूर्व क्षेत्ररक्षण प्रशिक्षक टी दिलीप और मुंबई के अनुभवी तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी भी नए कोचिंग दल का हिस्सा होंगे। मुंबई इंडियंस ने इन नियुक्तियों की जानकारी सामाजिक माध्यमों के जरिए साझा की है।

कीरोन पोलार्ड लंबे समय तक मुंबई इंडियंस की ताकत रहे हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी, उपयोगी गेंदबाजी और शानदार क्षेत्ररक्षण के दम पर उन्होंने टीम को कई यादगार जीत दिलाई हैं। अब खिलाड़ी के रूप में मुंबई को सेवाएं देने के बाद वह मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका निभाएंगे। पोलार्ड फ्रैंचाइजी की कार्यशैली, खिलाड़ियों की जरूरतों और टीम की रणनीति से अच्छी तरह परिचित हैं। ऐसे में उनसे उम्मीद होगी कि वह अपने अनुभव का इस्तेमाल कर टीम को एक बार फिर खिताबी सफलता दिलाएं।

रॉबिन उथप्पा संभालेंगे बल्लेबाजी की कमान

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को बल्लेबाजी प्रशिक्षक बनाया गया है। वह भी पहले मुंबई इंडियंस की ओर से खेल चुके हैं। अब उनकी वापसी नई भूमिका में हुई है। उथप्पा के पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 प्रतियोगिताओं का अच्छा अनुभव है। उनकी जिम्मेदारी बल्लेबाजों की तकनीक सुधारने, रणनीति तैयार करने और युवा खिलाड़ियों को बड़े मुकाबलों के लिए तैयार करने की होगी। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल मैक्लेनघन को गेंदबाजी प्रशिक्षक नियुक्त किया गया है। वह मुंबई इंडियंस की पुरानी सफलताओं का हिस्सा रह चुके हैं। अब वह गेंदबाजों को शुरुआती और अंतिम ओवरों में बेहतर प्रदर्शन करने के गुर सिखाएंगे। भारतीय टीम के पूर्व क्षेत्ररक्षण प्रशिक्षक टी दिलीप को मुंबई का नया क्षेत्ररक्षण प्रशिक्षक बनाया गया है। भारतीय टीम के साथ उनके अनुभव का लाभ मुंबई के खिलाड़ियों को मिलेगा। उनका मुख्य ध्यान खिलाड़ियों की फुर्ती, क्षेत्ररक्षण और मैदान पर तालमेल बेहतर बनाने पर रहेगा। वहीं, मुंबई के पूर्व तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी को युवा गेंदबाजों के विकास की जिम्मेदारी दी गई है। वह नई प्रतिभाओं को निखारने और भविष्य के लिए मजबूत गेंदबाजी दल तैयार करने का काम करेंगे।

वैभव को हटाकर गंभीर ने क्या पाया?

कप्तान अय्यर की निर्दयी सोच भी हुई बेनकाब, 260 रन के सामने खुली पोल

नई दिल्ली,, एजेंसी

गौतम गंभीर की टीम इंडिया को आक्रामक क्रिकेट खेलना है, विपक्ष को कुचलना है और कोई कसर नहीं छोड़नी है। लेकिन ऑकलैंड में चौथे टी20 के दौरान टीम मैनेजमेंट के फैसले ने इसी सोच पर सवाल खड़े कर दिए। जिस वैभव सूर्यवंशी ने अभिषेक शर्मा के साथ मिलकर पिछले मैच में पावरप्ले में 118 रन जोड़कर इतिहास रचा, उसे ही प्लेइंग-11 से बाहर कर दिया गया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 'निर्दयी' बने रहने की बात कही, लेकिन 260 रनों के पहाड़ के सामने टीम इंडिया की बल्लेबाजी का ऐसा घंटाघार हुआ कि पहले ही ओवर में 2 विकेट गिर गए और जीत की उम्मीदों का दम निकल गया। आखिर यह कैसी आक्रामक सोच है, जिसमें अपने सबसे विस्फोटक हथियार को ही बाहर बैठा दिया जाए?

नतीजा– न्यूजीलैंड ने 260 रनों का पहाड़ खड़ा किया तो भारतीय बल्लेबाजों के हाथ-पांव फूल गए। मेजबान टीम ने 87 रनों से ऐसी धुलाई की कि टीम इंडिया लक्ष्य के आसपास भी नहीं फटक सकी। 4-0 का सपना देखने निकली भारतीय टीम को हार का कड़वा घूंट पीना पड़ा। गौतम गंभीर को आक्रामक क्रिकेट पसंद है। उनकी टीम बड़े लक्ष्य का पीछा करने से पीछे नहीं हटती। बल्लेबाजों को खुलकर खेलने की छूट है। गेंदबाजों से भी विकेट लेने की उम्मीद की जाती है। लेकिन आक्रामकता और अंधाधुंध प्रयोग के बीच एक बारीक अंतर होता है। ऑकलैंड में टीम मैनेजमेंट शायद यही अंतर भूल गया। भारत पहले ही सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त ले चुका था। चौथा मुकाबला जीतकर 4-0 की बढ़त बनाने का मौका था। ऐसे में टीम के पास अपने सफल संयोजन को आजमाने का अच्छा अवसर था। लेकिन गंभीर और उनके सहयोगियों ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसने सबसे ज्यादा हैरान किया।

जिसने इतिहास रचा, उसी को बाहर कर दिया!

पिछले मुकाबले में अभिषेक शर्मा और वैभव सूर्यवंशी ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की जमकर खबर ली थी। दोनों ने पावरप्ले के 6 ओवरों में 118 रन बना दिए। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में किसी भी टीम का यह सबसे बड़ा पावरप्ले स्कोर था। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं था। यह उस बल्लेबाजी संयोजन की ताकत का प्रमाण था, जिसने विपक्षी टीम को शुरुआती ओवरों में ही मुकाबले से बाहर धकेल दिया था। वैभव और अभिषेक एक-दूसरे के खेल को समझते हुए गेंदबाजों पर टूट रहे थे। लेकिन अगले ही मुकाबले में इस जोड़ी को तोड़ दिया गया। वैभव बाहर और ईशान किशन अंदर। सवाल ईशान की काबिलियत का नहीं है। वह भी मैच जिताने की क्षमता रखते हैं। सवाल यह है कि आखिर वैभव को ही बाहर करने की जरूरत क्यों पड़ी? क्या पिछले मैच का रिकॉर्ड प्रदर्शन टीम मैनेजमेंट के लिए इतना भी मायने नहीं रखता? क्या टीम में जगह बनाने के लिए खिलाड़ी को हर मैच में खुद को साबित करना होगा, लेकिन जमकर बवाल मचाने के लिए एक ऐतिहासिक प्रदर्शन भी काफी नहीं होगा? गंभीर से यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि जब कोई बल्लेबाजी जोड़ी रिकॉर्ड बना रही हो, तो उसे तोड़ने का आधार क्या था?

कप्तान अय्यर की निर्दयी क्रिकेट वाली बात कहां गई?

टीम के समय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, हम कोई कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहते। सीरीज जीत चुके हैं, लेकिन मुझे लगता है कि हमारा आधा काम ही पूरा हुआ है। निर्दयी बने रहना जरूरी है। कप्तान की बात सुनने में शानदार थी। लेकिन निर्दयी क्रिकेट सिर्फ बयान देने से नहीं खेला जाता। इसके लिए फैसलों में भी स्पष्टता चाहिए। अगर टीम का लक्ष्य विपक्ष को कोई मौका नहीं देना है तो फिर पिछले मैच में विपक्ष को वापस करने वाली ओपनिंग जोड़ी को क्यों तोड़ा गया? अय्यर कप्तान हैं। प्लेइंग-11 के फैसले में कोच और कप्तान की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। इसलिए इस बदलाव पर कप्तान भी सवालों से बच नहीं सकते। क्या उन्होंने वैभव को बाहर करने के फैसले का समर्थन किया? क्या उन्हें नहीं लगा कि 118 रनों की साझेदारी करने वाली जोड़ी को बरकरार रखना चाहिए?

गेंदबाज पिटे, बल्लेबाज भी नहीं बचा पाए लाज

भारत की हार के पीछे सिर्फ वैभव को बाहर करने का फैसला नहीं था। भारतीय गेंदबाजों ने भी बेहद निराश किया। फिलिप्स और डेरिवेल ने जिस तरह रन बनाए, उसने गेंदबाजी की कमजोरियों को उजागर कर दिया। लेकिन बड़ा लक्ष्य मिलने के बाद बल्लेबाजों से जवाब की उम्मीद थी। आखिर टीम मैनेजमेंट की पूरी रणनीति ही यही थी कि भारत किसी भी स्कोर का पीछा कर सकता है। फिर जब 260 रन सामने आए तो वह दावा मैदान पर क्यों नहीं दिखा? टीम को शुरुआत में ही तीन झटके लग गए। इसके बाद वापसी की राह मुश्किल होती चली गई। 4-0 का सपना टूट गया और भारतीय टीम को अपनी रणनीति पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत महसूस हुई।

टी20 में राशिद खान का राज!

200 विकेट लेकर रचा नया इतिहास, भारतीय गेंदबाजी के नए बादशाह बने अर्शदीप सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। टी20 क्रिकेट में जहां बल्लेबाज चौके-छक्कों से महफिल लूटते हैं, वहीं गेंदबाज अपनी फिरकी और रफ्तार से मुकाबलों का रुख बदल रहे हैं। इस प्रारूप में विकेट हासिल करना किसी चुनौती से कम नहीं है, लेकिन कुछ गेंदबाजों ने लगातार शानदार प्रदर्शन कर अपनी अलग पहचान बनाई है। अफगानिस्तान के राशिद खान ने 200 विकेट का ऐतिहासिक आंकड़ा छूकर दुनिया में अपना दबदबा कायम किया है। वहीं भारत के अर्शदीप सिंह ने 150 विकेट पूरे कर जसप्रीत बुमराह समेत कई दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है।

टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में राशिद खान का जलवा लगातार बरकरार है। अफगानिस्तान के इस अनुभवी लेग स्पिनर ने 29 अक्टूबर 2026 को जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में अपना 200वां विकेट हासिल किया। इसके साथ ही वह इस उपलब्धि तक पहुंचने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए। राशिद ने महज 120 मैचों में यह मुकाम हासिल किया है। इस सूची में इंग्लैंड के आदिल राशिद 171 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। राशिद खान और उनके बीच 29 विकेट का बड़ा अंतर है। हांगकांग के एहसान खान और न्यूजीलैंड के ईश सोढ़ी 165-165 विकेट के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं।

दुनिया के शीर्ष 10 गेंदबाजों में अर्शदीप नौवें नंबर पर– टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक विकेट लेने वाले शीर्ष 10 गेंदबाजों की सूची में भारत के अर्शदीप सिंह भी शामिल हैं। उन्होंने 103 मैचों में 150 विकेट हासिल किए हैं। इस प्रदर्शन के साथ वह दुनिया में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। सूची में टिम साउदी 164, वानिंदु हसरंगा और मुस्तफिजुर रहमान 163-163 तथा एडम जम्पा 153 विकेट के साथ उनसे आगे हैं।

बुमराह को पीछे छोड़ अर्शदीप बने नंबर-1 भारतीय

भारतीय गेंदबाजों की बात करें तो अर्शदीप सिंह ने शुक्रवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले में अपना 150वां विकेट हासिल किया। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय में 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। उनकी रिदम, सटीक यॉर्कर और दबाव में विकेट निकालने की क्षमता ने उन्हें टीम का भरोसेमंद गेंदबाज बनाया है। इस सूची में जसप्रीत बुमराह 100 मैचों में 126 विकेट के साथ दूसरे स्थान पर हैं। अक्षर पटेल ने 116 मैचों में 116 विकेट और हार्दिक पांड्या ने 138 मैचों में 114 विकेट हासिल किए हैं।

राशिद का रिकॉर्ड तोड़ना आसान नहीं

राशिद खान के 200 विकेट का रिकॉर्ड फिलहाल काफी मजबूत नजर आता है। वहीं अर्शदीप सिंह की उम्र और प्रदर्शन को देखते हुए उनके पास अभी कई नए मुकाम हासिल करने का मौका है। टी20 क्रिकेट में बदलती बल्लेबाजी शैली के बीच इन गेंदबाजों की निरंतरता बताती है कि छोटे प्रारूप में भी गेंदबाज अपनी बादशाहत कायम कर सकते हैं। आने वाले वर्षों में अर्शदीप कितने विकेट हासिल करते हैं और कौन राशिद के रिकॉर्ड को चुनौती देता है, इस पर क्रिकेट प्रशंसकों की नजर रहेगी।

तेज गेंदबाज आकिब नइुबी प्रसिद्ध कृष्णा की जगह टीम में

न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी 2 वनडे के लिए चुने गए थे, अब पूरी सीरीज खेलेंगे

एजेंसी नई दिल्ली

जम्मू कश्मीर के तेज गेंदबाज आकिब नबी न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती 3 वनडे मैच के लिए भी भारतीय टीम में चुने गए हैं।

बीसीसीआई ने शनिवार को बताया कि आकिब को पहले चौथे और 5वें मैच के लिए वनडे टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब वे सीरीज की शुरुआत से ही भारतीय टीम का हिस्सा होंगे।

बीसीसीआई ने इस पोस्ट के जरिए टीम में बदलाव की जानकारी दी

एक दिन पहले प्रसिद्ध कृष्णा बाहर हुए

एक दिन पहले 30 अक्टूबर को प्रसिद्ध कृष्णा वनडे सीरीज से बाहर हुए थे। प्रसिद्ध जांघ की चोट (हैमस्ट्रिंग) से उबर रहे हैं। वे 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे वनडे में चोटिल हुए थे।

नबी को कृष्णा का विकल्प माना जा रहा है। हालांकि, बोर्ड ने यह नहीं लिखा है कि नबी को कृष्णा की जगह टीम में लिया गया है।

नबी ने विंडीज के खिलाफ वनडे डेब्यू किया था

आकिब नबी ने एक महीने पहले 30 सितंबर को वेस्टइंडीज के खिलाफ गुवाहाटी में वनडे में डेब्यू किया था। हालांकि, उस मैच में उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था।

नबी भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने वाले जम्मू कश्मीर के पहले ि केटर हैं। वैसे, यहां के परवेज रसूल और उमरान मलिक भी भारतीय टीम में चुने जा चुके हैं, लेकिन उन्हें सिर्फ वनडे और टी-20 टीम में मौका मिला है।

4 नवंबर से वनडे सीरीज खेली जाएगी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 5 मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से खेली जाएगी। पहला मुकाबला ऑकलैंड में खेला जाएगा।

फिलहाल, टीम इंडिया 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-1 से आगे चल रही है। उसे चौथे टी-20 मुकाबले में 87 रन की करारी हार झेलनी पड़ी थी।

शुरुआती 3 वनडे के लिए भारतीय टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नितीश कुमार रेड्डी (सिर्फ पहला वनडे), औकिब नबी।

चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपर और उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकिब नबी, गुरनूर बराड़, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर और कुलदीप यादव।

भारत के न्यूजीलैंड दौरे की यह खबर भी पढ़िए

भारत की टी-20 में न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी हार, 260 चेज कर रही टीम 87 रन से हारी

टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 87 रन की हार झेलनी पड़ी है। यह टी-20 में कीवियों के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी हार है।

युगांडा को हराकर भारतीय महिला टीम ने जीता पहला राष्ट्रमंडल कबड्डी खिताब

अहमदाबाद, 31 अक्टूबर (भाषा) भारतीय महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को यहां युगांडा को 35-15 से करारी शिकस्त देकर पहली राष्ट्रमंडल कबड्डी चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत की ओर से साक्षी ने सबसे ज्यादा नौ रेड अंक जुटाए। अनु ने छह रेड अंक जुटाए, जबकि कप्तान निधि शर्मा ने तीन बोनस सहित पांच अंक का योगदान दिया। रितु और सुमन ने रक्षण में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार-चार टैकल अंक हासिल किए।

भारत ने रेड से 20 और टैकल से 10 अंक जुटाए। इस दौरान टीम ने युगांडा को दो बार ऑलआउट भी किया।

युगांडा की ओर से नाकायोंगो शिरात ने सबसे ज्यादा संघर्ष किया। उन्होंने टीम के लिए 11 अंक जुटाए। युगांडा ने कुल 14 रेड अंक और सिर्फ एक टैकल अंक हासिल किया।

साक्षी ने जीत के बाद कहा, ''मैं बहुत खुश हूं कि मैंने नौ रेड अंक हासिल किए और टीम की जीत में योगदान दिया।''

उन्होंने छह मैचों में कुल 52 अंक जुटाकर चैंपियनशिप का समापन किया।

धनबाद के हीरापुर पटेल चौक पर ढुलू महतो ने सरदार वल्लभभाई पटेल को दी श्रद्धांजलि

युवाओं से सरदार पटेल के त्याग और समर्पण की भावना को अपने जीवन में अपनाने की अपील, राष्ट्र निर्माण में योगदान देने का आह्वान

▶▶कांग्रेस के प्रांतीय सम्मेलन में मिले थे बहुमत के वोट, लेकिन देशहित और नेहरू की राजनीति के चलते सरदार पटेल ने छोड़ दिया था प्रधानमंत्री पद : ढुलू महतो

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर धनबाद के हीरापुर स्थित पटेल चौक पर एक भव्य श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में धनबाद के सांसद ढुलू महतो ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान सांसद ने उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए अमूल्य योगदान को याद किया, साथ ही देश के पहले प्रधानमंत्री के चयन और इतिहास के पन्नों को लेकर पंडित जवाहरलाल नेहरू की राजनीति पर तीखा निशाना भी साधा।

सरदार पटेल के त्याग और तपस्या को किया नमन

समारोह को संबोधित करते हुए सांसद ढुलू महतो ने कहा कि आज स्वतंत्र भारत जिस मजबूत और अखंड स्वरूप में खड़ा है, उसके पीछे सरदार वल्लभभाई पटेल का अदम्य साहस, अटूट संकल्प और राष्ट्र के प्रति समर्पण मुख्य रूप से जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि देश की 140 करोड़ जनता सरदार पटेल को अपना सर्वोच्च प्रेरणास्रोत मानती है और उनके आदर्शों पर चलकर ही राष्ट्र को और अधिक सशक्त बनाया जा सकता है।

प्रधानमंत्री पद के त्याग पर बोले सांसद ढुलू महतो

अपने संबोधन के दौरान राजनीतिक इतिहास का जिक्र करते हुए सांसद ढुलू महतो ने दावा किया कि सरदार पटेल में त्याग की भावना कूट-कूट कर भरी हुई थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रांतीय सम्मेलनों में 15 में से 12 मत सरदार पटेल के पक्ष में आए थे और प्रधानमंत्री पद के लिए उनका नाम पूरी तरह आगे था। हालांकि, सांसद के अनुसार, पंडित जवाहरलाल नेहरू की राजनीति और देश की परिस्थितियों को देखते हुए सरदार पटेल ने राष्ट्रहित और एकता को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री पद का त्याग कर दिया, जिसके बाद नेहरू देश के पहले प्रधानमंत्री बने। सांसद ने इस ऐतिहासिक प्रसंग का हवाला देते हुए सरदार पटेल को त्याग की मूर्ति बताया।

युवाओं से की त्याग और राष्ट्रहित की भावना अपनाने की अपील

कार्यक्रम के अंत में सांसद ढुलू महतो ने देश के युवाओं और आम नागरिकों से आह्वान किया कि वे अपने व्यक्तिगत स्वार्थों से ऊपर उठकर सरदार पटेल के विचारों, त्याग और समर्पण को अपने जीवन में उतारें। उन्होंने कहा कि यदि युवा पीढ़ी सरदार पटेल के आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण के कार्यों में आगे बढ़ेगी, तो देश को विश्वगुरु बनने से कोई नहीं रोक सकता। इस समारोह के माध्यम से देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा का कड़ा संदेश दिया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चिरेका में भव्यता के साथ मनाया गया राष्ट्रीय एकता दिवस, मोहित चंद्रा की अगुवाई में गूंजा एकता का संकल्प

रफ्तार मीडिया संवाददाता

मिहिजाम : लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को चित्तरंजन रेलइंजन कारखाना में राष्ट्रीय एकता दिवस अत्यंत हर्षोल्लास, देशभक्ति और गरिमामयी वातावरण के साथ मनाया गया। इस विशेष राष्ट्रीय पर्व का शुभारंभ प्रातः डॉ. बी.आर. अंबेडकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स से आयोजित रन फॉर यूनिटी एकता दौड़ के साथ हुआ, जिसे चिरेका के महाप्रबंधक मोहित चंद्रा ने बतौर मुख्य अतिथि हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस उत्साहवर्धक दौड़ में चिरेका परिवार के अधिकारियों, कर्मचारियों, खिलाड़ियों और परिजनों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। तत्पश्चात, चिरेका प्रशासनिक भवन प्रांगण में एक भव्य शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हुआ, जहां महाप्रबंधक ने बड़ी संख्या में उपस्थित प्रधान मुख्य अध्यक्षों, वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को देश की एकता, सुरक्षा और अखंडता को अक्षुण्ण रखने की सामूहिक प्रतिज्ञा दिलाई। इस अवसर पर वक्ताओं ने सरदार पटेल के राष्ट्र निर्माण में अमूल्य योगदान को याद करते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए कारखाना प्रांगण स्थित डी एंड डी परिसर में एक वृहद पौधारोपण अभियान का भी आयोजन किया गया, जिसमें महाप्रबंधक सहित सभी विभागीय प्रमुखों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए पौधे रोपे और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। प्रतिवर्ष की भांति आयोजित इन विभिन्न कार्यक्रमों ने चिरेका परिसर में राष्ट्र के प्रति समर्पण भाव को एक बार फिर सुदृढ़ किया।

पिपचो के जंगल हाथियों का जमावड़ा गांव में घुसकर मचा रही है तबाही

▶▶देवी मंडप का चापाकल उखाड़ा, घर और आंगनबाड़ी केंद्र का दरवाजा तोड़ा, हाथियों की मौजूदगी से आसपास के गांवों में दहशत

रफ्तार मीडिया संवाददाता

हजारीबाग। दारू प्रखंड के पिपचो गांव में हाथियों के उत्पात से ग्रामीणों में भय का माहौल है। शुक्रवार की रात करीब 11 बजे झुंड से बिछड़ा एक हाथी गांव में घुस आया और जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान हाथी ने देवी मंडप परिसर में लगे चापाकल को उखाड़ दिया। वहीं, महेश राम के घर और गांव स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के दरवाजे को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। अचानक हाथी के गांव में पहुंचने से ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों के मुताबिक, शुक्रवार की रात टाटीझरिया थाना क्षेत्र के गोधिया गांव में करीब 35 हाथियों का झुंड पहुंचा था। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम ने काफी मशक्कत के बाद हाथियों को वहां से खदेड़ा। इसके बाद शनिवार की सुबह हाथियों के उसी झुंड को पिपचो जंगल में देखे जाने की सूचना मिली। जंगल में करीब 35 हाथियों की मौजूदगी से पिपचो सहित आसपास के गांवों के लोग सहमे हुए हैं।

ग्रामीणों को डर है कि हाथियों का झुंड भोजन और पानी की तलाश में कभी भी आबादी वाले इलाके में प्रवेश कर सकता है। उल्लेखनीय है कि दारू प्रखंड के ग्रामीण इलाकों में हर साल हाथियों का झुंड पहुंचता है और घरों, फसलों तथा अन्य संपत्तियों को नुकसान पहुंचाता है। कई बार हाथियों के कारण ग्रामीणों की जान पर भी खतरा उत्पन्न हो जाता है। ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों के झुंड की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखने, प्रभावित गांवों में वनकर्मियों की तैनाती करने और हाथियों को आबादी से दूर रखने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। साथ ही ग्रामीणों ने रात के समय विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

आईआईटी धनबाद में एक्वामरीन हॉस्टल की आठवीं मंजिल से गिरकर पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्र की मौत

▶▶शनिवार सुबह करीब साढ़े सात बजे हुई घटना, गंभीर हालत में अशर्फी अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने किया मृत घोषित

▶▶महाराष्ट्र के अहमदपुर का रहने वाला था मृतक छात्र राजकुमार प्रतीक, हादसे के कारणों की जांच में जुटी पुलिस और प्रबंधन

रफ्तार मीडिया संवाददाता

धनबाद : धनबाद के प्रतिष्ठित संस्थान भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी आईएसएम) से शनिवार की सुबह एक बेहद दुखद और सनसनीखेज खबर सामने आई है। संस्थान के पेट्रोलियम इंजीनियरिंग विभाग के अंतिम वर्ष (फाइनल ईयर) में पढ़ने वाले एक छात्र की एक्वामरीन हॉस्टल की आठवीं मंजिल से नीचे गिरने के बाद संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे से पूरे परिसर में हड़कंप मच गया है और शोक की लहर दौड़ गई है।

अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने किया मृत

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना शनिवार सुबह करीब 7:30 से 7:45 बजे के बीच की है। मृतक छात्र की पहचान लगभग 24 से 25 वर्षीय राजकुमार प्रतीक के रूप में हुई है, जो मूल रूप से महाराष्ट्र के अहमदपुर का रहने वाला था। सुबह अचानक हॉस्टल की आठवीं मंजिल से नीचे गिरने के बाद छात्र को तत्काल गंभीर हालत में धनबाद के अशर्फी अस्पताल ले जाया गया। वहाँ चिकित्सकों ने उसकी जान बचाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया। फिलहाल छात्र के शव को अस्पताल के मुर्दाघर (मोर्चरी) में सुरक्षित रखवा दिया गया है।

परिजनों को दी गई सूचना, जांच में जुटे सुरक्षा अधिकारी और पुलिस

हादसे की सूचना तुरंत मृतक छात्र के स्वजन (परिजनों) को दे दी गई है और उनके धनबाद पहुँचने का इंतजार किया जा रहा है। इसके साथ ही घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को भी दे दी गई है। आईआईटी आईएसएम के सुरक्षा प्रभारी (सिक्योरिटी इंचार्ज) राम मनोहर ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। छात्र हॉस्टल की आठवीं मंजिल से नीचे कैसे गिरा और इस दुर्घटना के पीछे की असल वजह क्या रही, फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस और संस्थान का प्रबंधन संयुक्त रूप से इस पूरे मामले की गहराई से छानबीन कर रहे हैं। परिजनों के पहुँचने और पुलिस की विस्तृत जांच के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों से पर्दा उठ सकेगा।

जिला नियोजनालय के सौजन्य से आईटीआई करमाटांड़ में लगा रोजगार मेला, छह निजी कंपनियों ने लिया हिस्सा

जामताड़ा(रफ्तार मीडिया संवाददाता): जामताड़ा उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आलोक कुमार के निर्देश पर शनिवार को जिला नियोजनालय, जामताड़ा के सौजन्य से औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान करमाटांड़ में शनिवार को एक दिवसीय दत्तोपंत ठेंगड़ी रोजगार मेला का आयोजन किया गया। रोजगार मेले का विधिवत उद्घाटन जिला नियोजन पदाधिकारी मो. जावेद अंसारी एवं अन्य अतिथियों ने किया। इस रोजगार मेले में जिले के युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विभिन्न कंपनियों की ओर से 55 युवाओं का ऑनस्पॉट चयन किया गया, जबकि 69 युवाओं को शॉर्टलिस्टेड किया गया। मौके पर जिला नियोजन पदाधिकारी मो. जावेद अंसारी ने कहा कि रोजगार मेले का मुख्य उद्देश्य जिले के बेरोजगार युवाओं को उनकी योग्यता एवं अहर्ता के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराना है। जिला नियोजनालय युवाओं और नियोजकों के बीच समन्वय स्थापित करने की महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि जिनका अब तक नियोजनालय में निबंधन नहीं हुआ है, वे झार नियोजन पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अथवा कार्यालय अवधि में नियोजनालय पहुंचकर अपना निबंधन अवश्य कराएं, ताकि भविष्य में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों का लाभ मिल सके। उन्होंने युवाओं से रोजगार मेले में अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने की अपील की। इनमें शिवम कॉर्पोरेट लिमिटेड चेन्नई, बजाज लाइफ इंश्योरेंस जामताड़ा, केके एंटरप्राइजेज जामताड़ा, एबी इंडिया आदित्यपुर सरायकेला एवं रेड गार्ड कंस्ट्रक्शन लिमिटेड कोलकाता सहित अन्य नियोजक शामिल थे।

अन्य धर्मों की तरह आदिवासियों की विशिष्ट पहचान के लिए मिले अलग कॉलम : देव कुमार धान

जनगणना 2027 में सरना धर्म कोड दर्ज कराने को लेकर उठी मांग, गांव-गांव चलेगा जागरूकता अभियान

अभियान की सफलता के लिए आदिवासी संगठनों की सामूहिक भागीदारी अनिवार्य : रमेश उरांव

रफ्तार मीडिया संवाददाता

रांची : आगामी जनगणना 2027 में आदिवासी समाज की धार्मिक पहचान को सरना धर्म/आदिवासी धर्म के रूप में दर्ज कराने की मुहिम तेज हो गई है। इसे लेकर शुक्रवार को रांची प्रेस क्लब में राष्ट्रीय आदिवासी समन्वय समिति की झारखंड प्रदेश कोर कमेटी की अहम बैठक हुई। पूर्व मंत्री देव कुमार धान के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक में राज्यभर के विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रमुखों व प्रतिनिधियों ने हिस्सा लेकर साझा रणनीति बनाई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी जनगणना में अधिक से अधिक आदिवासी परिवारों की धार्मिक पहचान सरना धर्म के रूप में दर्ज कराने के लिए व्यापक जन-जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए अभी से गांव-गांव पहुंचकर लोगों को जोड़ने और जागरूक करने की योजना बनाई गई है।

केंद्र सरकार से अलग कॉलम की मांग

बैठक के दौरान केंद्र सरकार से जनगणना प्रपत्र में सरना/आदिवासी धर्म कोड के लिए अलग कॉलम उपलब्ध कराने की मांग मजबूती से दोहराई गई। पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने कहा कि जिस तरह अन्य धर्मों के लिए जनगणना में अलग पहचान और कोड की व्यवस्था है, उसी तर्ज पर आदिवासी समाज के लिए भी सरना धर्म कोड का अलग कॉलम जल्द से जल्द उपलब्ध कराया जाना चाहिए, ताकि समाज की विशिष्ट धार्मिक पहचान स्पष्ट रूप से दर्ज हो सके।

सामूहिक भागीदारी पर जोर

झारखंड प्रदेश ग्राम प्रधान महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष रमेश उरांव ने कहा कि जनगणना 2027 को लेकर समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस मुहिम को व्यापक और प्रभावी बनाने के लिए सभी आदिवासी संगठनों और सामाजिक प्रतिनिधियों की सामूहिक भागीदारी अनिवार्य है।

प्रदेश स्तरीय कमेटी का गठन

बैठक में सरना समाज के लोगों को कोड के महत्व और प्रपत्र भरने की सही प्रक्रिया समझाने के उद्देश्य से एक प्रदेश स्तरीय विशेष कमेटी का गठन किया गया, जो चरणबद्ध तरीके से विभिन्न क्षेत्रों में अभियान का संचालन करेगी। बैठक में मुख्य रूप से गोविंद बेदिया, बलकू उरांव, बुधवा उरांव, प्रीतम साड़ लोहरा, अभय भूट कुंवर, बालमुकुंद लोहरा, राम लखन गंजू, नारायण उरांव, भीमसेन लोहरा, निरंजन उरांव, सुनील उरांव, रंजन संगा, दर्शन गंझू, अमरनाथ सिंह खरवार, लखीराम बड़ाईक सहित कई सामाजिक प्रतिनिधि उपस्थित थे।

समाचार सार

3 नवंबर की रैली को सफल बनाने में जुटी भाजपा, सांसद ने कार्यकताओं को सौंपी जिम्मेदारी

हजारीबाग(रफ्तार मीडिया संवाददाता)। आगामी 3 नवंबर को आयोजित होने वाली लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ रैली की तैयारियों को लेकर शनिवार को हजारीबाग के झंडा चौक स्थित सांसद कार्यालय में भाजपा की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने की। इसमें बरकट्ठा विधायक अमित यादव, बरही विधायक मनोज यादव, सांसद मनीष जायसवाल, कार्यक्रम प्रभारी एवं पूर्व विधायक विरिंची नारायण सहित पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हुए। जिलाध्यक्ष विवेकानंद सिंह ने कहा कि रैली की सफलता के लिए प्रदेश से लेकर जिला, मंडल और बूथ स्तर तक के कार्यकताओं को आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारी निभानी होगी। विधायकों ने भी संगठन की सक्रियता और कार्यकताओं की भागीदारी पर जोर दिया। सांसद मनीष जायसवाल ने कार्यकताओं से रैली में अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि चुनावों में लगातार हार के बाद कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। कार्यक्रम प्रभारी विरिंची नारायण ने आयोजन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। बैठक का संचालन जिला महामंत्री जय नारायण कुशवाहा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सर्वेश सिंह ने किया।

एसआईआर के नाम पर साइबर ठगी का नया खेल, फर्जी ई-मेल से मतदाताओं को बनाया जा रहा निशाना

जामताड़ा (रफ्तार मीडिया संवाददाता) : जामताड़ा जिले में साइबर ठगों ने अब लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए एसआईआर प्रक्रिया का सहारा लेना शुरू कर दिया है। मतदाताओं को निशाना बनाने के लिए फर्जी ई-मेल भेजे जा रहे हैं। इन ई-मेल के माध्यम से दावा किया जा रहा है कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान कुछ विसंगतियां पाए जाने के कारण संबंधित व्यक्ति का नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इसके बाद नाम दोबारा शामिल कराने के नाम पर ई-मेल में एक संदिग्ध लिंक भेजकर व्यक्तिगत जानकारी और आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने को कहा जा रहा है। इस मामले को लेकर जिला प्रशासन ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आम नागरिकों एवं मतदाताओं को सतर्क रहने की अपील की है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह के ई-मेल भ्रामक हैं और साइबर धोखाधड़ी का प्रयास हो सकते हैं। जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि साइबर ठगों के झांसे में नहीं आएं तथा किसी भी संदिग्ध ई-मेल की जानकारी मिलने पर विशेष सतर्कता बरतें। प्रशासन की ओर से बताया गया है कि जिला निर्वाचन पदाधिकारी अथवा निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी द्वारा इस प्रकार के ई-मेल भेजकर किसी से प्रमाण-पत्र या व्यक्तिगत दस्तावेज जमा करने के लिए नहीं कहा जा रहा है। इसलिए किसी भी अनजान ई-मेल में दिए गए लिंक पर क्लिक नहीं करें। साथ ही अपना ओटीपी, बैंकिंग संबंधी जानकारी, व्यक्तिगत विवरण अथवा जरूरी दस्तावेज किसी संदिग्ध वेबसाइट पर साझा नहीं करें। एसआईआर से संबंधित किसी भी प्रकार के सत्यापन या दस्तावेज जमा करने के लिए मतदाता अपने संबंधित बूथ लेवल ऑफिसर से संपर्क करें। ऑनलाइन जानकारी और आवश्यक सेवाओं के लिए निर्वाचन आयोग के आधिकारिक ECINET ऐप अथवा https://voters.eci.gov.in/ पोर्टल का ही इस्तेमाल करें। प्रशासन ने मतदाताओं से अपील की है कि निर्वाचन संबंधी किसी भी सूचना की आधिकारिक माध्यम से पुष्टि करें और साइबर अपराधियों से सावधान रहें।

धनबाद में सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर लव कुश सेवा संघ का भव्य समारोह

धनबाद (रफ्तार मीडिया संवाददाता): धनबाद के न्यू टाउन हॉल में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। 'लव कुश सेवा संघ, झारखंड प्रदेश' की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार के काराकाट से लोकसभा सांसद राजाराम सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के चित्र पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद आयोजकों ने मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथि को पारंपरिक तरीके से अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के दौरान वक्ताओं ने सरदार पटेल के जीवन, उनके राजनीतिक और प्रशासनिक कौशल तथा देश की 500 से अधिक रियासतों का विलय कर भारत को एक सूत्र में पिरोने वाले उनके ऐतिहासिक योगदान पर विस्तार से चर्चा की। मुख्य अतिथि सांसद राजाराम सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल केवल कांग्रेस के एक कद्दावर नेता ही नहीं, बल्कि संविधान सभा के एक अत्यंत महत्वपूर्ण सदस्य भी थे। उन्होंने अल्पसंख्यक, आदिवासी और रियासतों से जुड़े संवेदनशील मामलों में बेहद सूझबूझ के साथ ऐतिहासिक भूमिका निभाई थी। सांसद ने इतिहास का हवाला देते हुए यह भी कहा कि महात्मा गांधी की हत्या के बाद तत्कालीन गृहमंत्री के रूप में सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगाने का कड़ा आदेश जारी किया था। उन्होंने याद दिलाया कि किसानों के अधिकारों के लिए चलाए गए सफल आंदोलनों में उनके नेतृत्व को देखते हुए ही बारडोली की महिलाओं ने उन्हें 'सरदार' की उपाधि से नवाजा था। वर्तमान सामाजिक और राजनीतिक परिदृश्य पर बात करते हुए सांसद राजाराम सिंह ने केंद्र और राज्य की नीतियों पर तीखे सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि आज देश में जल, जंगल और जमीन का बड़े पैमाने पर कॉर्पोरेटाइजेशन (निजीकरण) किया जा रहा है, जिसकी वजह से देश के किसान और आदिवासी समुदाय गंभीर संकट और चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसे में आज के दौर में सरदार पटेल के विचारों, किसानों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनके आदर्शों को आत्मसात करना और भी अधिक प्रासंगिक हो गया है। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने भी सरदार पटेल की जयंती पर उनके व्यक्तित्व को नमन किया। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का जीवन हमें अनुशासन, दृढ़ संकल्प और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने की सीख देता है। कार्यक्रम में उपस्थित तमाम वक्ताओं और श्रोताओं ने एक स्वर में यह माना कि देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को बनाए रखने के लिए सरदार पटेल के विचारों को जन-जन तक पहुँचाना आवश्यक है। इस आयोजन से पूरे क्षेत्र में देशभक्ति और एकता का संदेश प्रसारित हुआ।

पीआरजीआई/आरएनआई पंजीयन संख्या RNI NO. JHHIN/26/3481 स्वतत्वाधिकारी,संपादक एवं प्रकाशक गौरव कुमार, कार्यकारी संपादक अरविंद कुमार, उत्तम निवास, हरमू हाउसिंग कॉलोनी, अरगोड़ा थाना के पास, हरमू, रांची, झारखंड 834002 से प्रकाशित, एसएच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, रातू काठीटांड़ नियर टेंडर बगीचा एचपी पेट्रोल पंप, पीओ रातू, रांची 835222 से मुद्रित, फोन नंबर 6203592707,ईमेल -raftaarhr@gmail.com(पीआरबी अधिनियम के तहत समाचारों के चयन के लिए जिम्मेवार) समस्त विवादों का क्षेत्राधिकार रांची न्यायलय रहेगा।